राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 216 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,29 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

डेनियल पर्ल हत्या मामला , मुख्य आरोपी उमर शेख रिहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी उमर सईद शेख को रिहा किये जाने के गुरुवार को आदेश दिये। शेख को पहले मृत्युदंड की सजा दी गयी थी। अड़तीस वर्षीय पर्ल की 2002 में अपहरण कर सिरकलम कर दिया गया था , जब वह ब्रिटिश नागरिक रिचर्ड रीड और अल-कायदा के बीच कथित संपर्कों की छानबीन के लिए पाकिस्तान गये थे। उस दौरान वह द वॉल स्ट्रीट जर्नल के दक्षिण एशिया ब्यूरो चीफ के रूप में काम कर रहे थे। उमर शेख को रिहा किये जाने संबंधी पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए पर्ल परिवार ने एक बयान में कहा कि आज का फैसला न्याय पर पूर्ण आघात है और इन हत्यारों की रिहाई किसी भी जगह कार्यरत पत्रकारों और पाकिस्तान के लोगों पर भी खतरा है।

आंदोलनकारियों के साथ झड़प में घायल हुए पुलिसकर्मियों से मिले शाह

नयी दिल्ली । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह गणतंत्र दिवस के दिन ट्रैक्टर रैली में शामिल आंदोलनकारियों के साथ झड़प में घायल हुए पुलिसकर्मियों से आज अस्तपाल जाकर मिले। श्री शाह गुरूवार को दिन में तीर्थराम अस्पताल और सुश्रुत ट्रामा सेंटर गये और वहां उपचार करा रहे घायल पुलिसकर्मियों से मिले। गृह मंत्री ने खुद ट्विट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, घायल पुलिसकर्मियों से मिल रहा हूं। हमें उनकी बहादुरी तथा धैर्य पर गर्व है। उन्होंने ट्विट के साथ अस्पताल दौरे की अपनी तस्वीर भी साझा की है। श्री शाह ने इस दौरान घायल पुलिसकर्मियों से बात की और उनका हाल चाल तथा घटना के बारे में बात की। उन्होंने डाक्टरों से भी घायलों के उपचार के बारे में बात की। वह अपने साथ घायलों के लिए फल भी लेकर गये थे।

जीडीपी 2021-22 में पांच फीसदी से आगे नहीं बढ़ेगी : कांग्रेस

नयी दिल्ली । कांग्रेस ने दावा किया है कि सरकार ने अर्थव्यवस्था में सुधार के अच्छे तथा तेज गति के उपाय नहीं किए हैं इसलिए देश की अर्थव्यवस्था गहरी मंदी के दौर में है और इसके कारण वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर पांच प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम, वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्हें आशंका है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारणम के पास देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का कोई ठोस उपाय नहीं है, इसलिए वह लीपापोती करके 2021-22 के लिए बजट में सिर्फ सुनहरी कहानी गढ़ने का प्रयास करेंगी।

अनेकता में एकता का समागम है संगम : राजेन्द्र पालीवाल

प्रयागराज । पतित पावनी गंगा, श्यामल यमुना और अन्तःसलिला स्वरूप में प्रवाहित हो रही सरस्वती के संगम को अनेकता में एकता का समागम कहना अतिशियोक्त नहीं होगा। संगम के माघ मेला में विभिन्न भाषा,वेश भूषा एवं आचार व्यवहार के बावजूद बड़े प्रेम से के साथ एक दूसरे के साथ अलग अलग तीर्थपुरोहितों के शिविर में निवास करते हैं। संगम की वीस्तीर्ण रेती पर अनोखी दुनियां बसी हुई हो। यहाँ भले ही कोई किसी को नहीं भी जानता और न ही किसी का कोई पहनावा मिलता है, फिर भी सभी एक.दूसरे के साथ मिलजुलकर रहते हैं।

एक्शन पर किसान नेता के आंसू राकेश टिकैत रोते हुए बोले- कानून वापस लो नहीं तो खुदकुशी कर लूंगा

दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर तनाव

नई दिल्ली। दिल्ली में 26 जनवरी को ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई हिंसा के दो दिन बाद प्रशासन ने किसानों से गाजीपुर बॉर्डर का इलाका खाली करने को कहा। पुलिस की चेतावनी के बाद धरने पर बैठे कई किसान वहां से चले गए। शाम होते-होते बड़ी तादाद में दिल्ली और यूपी की पुलिस गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंच गई। पुलिस की इस सख्ती पर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के आंसू निकल आए। उन्होंने रोते हुए कहा, किसानों पर अत्याचार किया जा रहा है। उन्हें मारने की साजिश रची जा रही है। अगर सरकार ने कानून वापस नहीं लिए तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। मैं इस देश के किसानों को बर्बाद नहीं होने दूंगा। टिकैत ने कहा, इतनी बड़ी साजिश होगी, मुझे पता नहीं था। मैंने सब लोगों के खिलाफ जाकर बीजेपी को वोट दिया था। मेरी वाइफ ने किसी और को वोट दिया था, लेकिन मैंने बीजेपी को वोट दिया। उन्हें वोट देकर मैंने गद्दारी की थी। ये सरकार किसान बिरादरी को पूरे देश में बदनाम करने की कोशिश कर रही है। आंदोलन स्थल पर पानी की सप्लाई बंद करने के खिलाफ टिकैत ने गाजीपुर बॉर्डर पर अनशन शुरू कर दिया।

दिल्ली के बॉर्डर पर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत रोते हुए बोले कि किसानों पर अत्याचार किया जा रहा है। उन्हें मारने की साजिश रची जा रही है।

पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर दोनों तरफ से बंद किया

इधर, पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर को दोनों तरफ से बंद कर दिया है। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को वहां से न गुजरने की सलाह दी है। ट्रैफिक को रोड न. 56, अक्षरधाम और निजामुद्दीन की तरफ डायवर्ट कर दिया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने NH-9 और NH-24 से भी बचने की सलाह दी है।

आरोपी दीप सिद्धू की किसान नेताओं को धमकी

मैंने अगर तुम्हारी परतें खोलनी शुरू कर दीं तो दिल्ली से भागने का रास्ता नहीं मिलेगा

नई दिल्ली । लाल किले पर खालसा पंथ का झंडा लगाए जाने के लिए लोगों को भड़काने के दोषी ठहराए जा रहे पंजाबी सिंगर दीप सिद्धू ने खुद को बेगुनाह बताया है। उन्होंने बुधवार देर रात अपने फेसबुक पेज पर लाइव आकर किसान नेताओं को धमकी दी। कहा- तुमने मुझे गद्दार का सर्टिफिकेट दिया है, अगर मैंने तुम्हारी परतें खोलनी शुरू कर दीं तो तुम्हें दिल्ली से भागने का रास्ता नहीं मिलेगा। सिद्धू ने कहा कि मुझे इसलिए लाइव आना पड़ा, क्योंकि मेरे खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है। बहुत कुछ झूठ फैलाया जा रहा है। मैं इतने दिनों से यह सब पी रहा था, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि हमारे साझा संघर्ष को कोई नुकसान पहुंचे, लेकिन आप जिस पड़ाव पर आ गए हैं, वहां कुछ बातें करना बहुत जरूरी हो गया है।

बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति कोविंद के अभिभाषण का बहिष्कार करेंगी विपक्षी पार्टियां : गुलाम नबी

नई दिल्ली । 29 जनवरी को संसद में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अभिभाषण होगा जिसके बहिष्कार के लिए विपक्ष की 16 पार्टियों ने अपनी मंशा जाहिर की है। इस क्रम में राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने गुरुवार को कहा, हम 16 राजनीतिक पार्टियों से बयान जारी कर रहे हैं कि संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार करेंगे। बता दें कि संसद का बजट सत्र 29 जनवरी से शुरू हो रहा है।

किसानों के समर्थन में राष्ट्रपति के अभिभाषण का विरोध करने वाली पार्टियां कांग्रेस , NCP, शिवसेना , AITC, DMK, JKNC, SP, RJD, CPI(M), CPI, IUML, RSP, PDP, MDMK, केरल कांग्रेस और AIUDF है। बजट सत्र के पहले दिन, 29 जनवरी शुक्रवार को राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों को संबोधित करने वाले हैं। आम बजट 2021 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को सुबह 11 बजे पेश करेंगी।

बजट सत्र की शुरुआत से पहले ही सरकार को घेरने के लिए विपक्ष की तैयारी दिख रही है। एक ओर किसान कई महीनों से कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर संसद के भीतर विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। गुलाम नबी आजाद ने कहा है कि विपक्ष की 16 पार्टियां 29 जनवरी को होने वाले राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार करेंगे। आजाद ने कहा कि हम 16 दलों की ओर से बयान जारी करने जा रहे हैं कि कल होने वाले राष्ट्रपति के भाषण का हम बहिष्कार करेंगे, इसका मुख्य वजह कृषि कानूनों को बगैर विपक्ष का मत लिए पारित किया जाना है।

इससे पहले केरल में आयोजित एक इवेंट के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, सच्चाई यह है कि अधिकतर किसान कृषि कानूनों के विधेयक को विस्तार से समझे नहीं क्योंकि यदि समझते तो देश भर में आंदोलन शुरू हो जाता। बता दें कि राहुल गांधी पहले से ही केंद्र सरकार से इन कानूनों को वापस लेने की मांग कर रही है।

वायरस हो या बॉर्डर की चुनौती, भारत निपटने में सक्षम; एनसीसी की रैली में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली । दिल्ली के करियप्पा ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बीते साल भारत ने दिखाया है कि वायरस हो या बॉर्डर की चुनौती, वह अपनी रक्षा के लिए पूरी मजबूती से हर कदम उठाने में सक्षम है। वैक्सीन का सुरक्षा कवच हो या फिर भारत को चुनौती देने वालों के इरादों को आधुनिक मिसाइल से ध्वस्त करना, भारत हर मोर्चे पर समर्थ है। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा कि बाढ़ से लेकर किसी भी अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान एनसीसी कैडेटों ने भारत के लोगों की मदद की है।

पीएम मोदी ने रैली को आगे संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना के पूरे कालखंड में लाखों लाख कैडेट्स ने देश भर में जिस प्रकार प्रशासन, समाज के साथ मिलकर काम किया है वो प्रशंसनीय है। हमारे संविधान में जिन नागरिक कर्तव्यों की बात कही गई है, वो निभाना सभी का दायित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि आप सभी एनसीसी के युवा साथियों के बीच जितने भी पल बिताने का मौका मिलता है, वो बहुत सुखद अनुभव देता है। आज के कार्यक्रम देखकर सिर्फ मुझे ही नहीं, हर किसी को गर्व महसूस होता होगा। आपने 26 जनवरी की परेड में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

पीएम मोदी ने एनसीसी की रैली को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि एनसीसी के बाद भी अनुशासन की भावना आपके साथ रहनी चाहिए। आप अपने आस-पास के लोगों को भी निरंतर इसके लिए प्रेरित करेंगे तो भारत का समाज और देश मज़बूत होगा। दुनिया के सबसे बड़े यूनिफॉर्म और यूथ के रूप में एनसीसी ने अपनी जो छवि बनाई है वो दिनों दिन और मज़बूत होती जा रही है।

देश के लिए संकल्प लेने का वर्ष

पीएम मोदी ने कहा कि शौर्य और सेवा भाव भारतीय परंपरा को जहां बढ़ाया जा रहा है, वहां एनसीसी कैडेट नजर आता है। जहां संविधान के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने का अभियान चल रहा है वहां भी एनसीसी कैडेट दिखते हैं। पर्यावरण, जल संरक्षण या स्वच्छता से जुड़ा कोई अभियान हो वहां एनसीसी के कैडेट जरूर नज़र आते हैं। ये वर्ष एक कैडेट के रूप में, भारतीय नागरिक के रूप में नए संकल्प लेने का वर्ष है। देश के लिए संकल्प लेने का वर्ष है, देश के लिए नए सपने लेकर चल पड़ने का वर्ष है।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने एनसीसी की भूमिका को व्यापक बनाने की कोशिश की है। सीमा और तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा नेटवर्क को मजबूत करने के लिए एनसीसी की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। पिछले साल 15 अगस्त को यह घोषणा की गई थी कि तटीय और सीमावर्ती क्षेत्रों के लगभग 175 जिलों में एनसीसी को नई ज़िम्मेदारियां दी जाएंगी। इसके लिए सेना, नौसेना और वायु सेना द्वारा एक लाख एनसीसी कैडेटों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इनमें से एक तिहाई कैडेट लड़कियां हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की वीर बेटियां हर मोर्चे पर शत्रु से लोहा लेने के लिए डटी हैं। आपके शौर्य की देश को जरूरत है और नई बुलंदी आपका इंतजार कर रही हैं। मैं आपमें भविष्य के अधिकारी देख रहा हूं। एनसीसी डिजिटल प्लेटफॉर्म में पहले से ही 20,000 से अधिक कैडेट जुड़े हैं। इन कैडेटों ने अपने अनुभवों और विचारों को साझा करना शुरू कर दिया है। मुझे आशा है कि आप सभी इस मंच का और भी अधिक उपयोग करेंगे। एनसीसी ने गर्ल्स कैडेट में 35 फीसद की वृद्धि हुई है। हमारे रक्षा बलों के हर मोर्चे को महिलाओं के लिए खोला जा रहा है। भारत की मजबूत बेटियां दुश्मनों के खिलाफ लड़ाई के लिए तैयार हैं। भारत को आपकी बहादुरी की जरूरत है।

कुछ ज़िलों में ही नक्सलवाद सिमट के रह गया है- पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में एक समय में सैकड़ों ज़िले नक्सलवाद से प्रभावित थे। लेकिन स्थानीय नागरिकों का कर्तव्य भाव और सुरक्षाबलों का शौर्य साथ आया तो नक्सलवाद की कमर टूटनी शुरू हुई। अब देश के कुछ ज़िलों में ही नक्सलवाद सिमट के रह गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत को फ्रांस से 3 और राफेल मिले हैं। उनमें हवा में ही रिफ्यूलिंग करने की क्षमता है। भारत जल्द ही रक्षा उपकरणों का बाजार होने के बजाय निर्माता के रूप में जाना जाएगा। आप आत्मनिर्भरता के कई लक्ष्यों को पूरा होते देख रहे हैं। जब आप अपने आस-पास स्थानीय ब्रांडों को लेकर उत्साह देखते हैं, तो यह एक सकारात्मक बदलाव है। पीएम मोदी ने कहा कि 1971 के युद्ध में, हमारे जवानों ने लोंगेवाला में एक रणनीतिक और निर्णायक लड़ाई जीती थी। पाकिस्तान के खिलाफ उस युद्ध में, भारत ने सीमाओं पर दुश्मन को हराया था। पाकिस्तान के असंख्य सैनिकों ने भारत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। इस साल, इस युद्ध के 50 साल पूरे कर रहे हैं।

पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया- दिल्ली के करियप्पा ग्राउंड पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और उन्होंने एनसीसी दलों के मार्च पास्ट का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और तीनों सेनाओं के प्रमुख उपस्थित रहे।

भारत में बीते सात दिनों से 146 जिलों में कोविड-19 का एक भी नया मामला सामने नहीं आया: हर्षवर्धन

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने गुरुवार को कहा कि भारत ने कोविड-19 महामारी के प्रसार को बहुत हद तक रोक दिया है और देश के 146 जिलों में पिछले सात दिनों में इसका एक भी नया मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, 18 जिलों में 14 दिनों से, छह जिलों में 21 दिनों से और 21 जिलों में पिछले 28 दिनों से कोरोना वायरस संक्रमण का एक भी नया मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, कोविड-19 पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) की 23वीं बैठक की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अध्यक्षता करते हुए हर्षवर्धन ने कहा कि अत्यधिक तत्परता से जांच करने से यह उपलब्धि हासिल हुई है।

उन्होंने कहा कि देश में 19.5 करोड़ से ज्यादा नमूनों की अबतक जांच की जा चुकी है। नमूनों की जांच की वर्तमान क्षमता प्रति दिन 12 लाख जांच है। हर्षवर्धन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा परिकल्पित पूरी सरकार और पूरा समाज के दृष्टिकोण के साथ, भारत ने इस महामारी की सफलतापूर्वक रोकथाम की है। बीते 24 घंटे में 12,000 से कम मामले सामने आये हैं, जबकि इलाजरत मरीजों की संख्या भी घट कर महज 1.73 लाख रह गई है।

मंत्री ने बताया कि कोविड-19 के इलाजरत मरीजों में से मात्र 0.46 प्रतिशत वेंटिलेटर पर हैं, जबकि 2.20 फीसदी मरीज आईसीयू में भर्ती हैं और 3.02 प्रतिशत संक्रमितों को ऑक्सीजन दी जा रही है। हर्षवर्धन ने कहा कि वायरस के ब्रिटेन में मिले नए स्वरूप के भारत में अबतक 165 मामले सामने आएं हैं। इन संक्रमित मरीजों को पृथक रखा गया है और उनकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने कोविड-19 संक्रमण के प्रसार की बहुत हद तक रोकथाम करने में एक उपलब्धि हासिल की है।

मंत्री ने कहा कि देश के 146 जिलों में पिछले सात दिनों में कोरोना वायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। वहीं 18 जिलों में 14 दिनों से, छह जिलों में 21 दिनों से और 21 जिलों में 28 दिनों से संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने उल्लेख किया कि भारत ने इस वैश्विक स्वास्थ्य संकट के दौरान कोविड-19 टीकों की आपूर्ति करके अन्य देशों की मदद की है और कई देशों के कर्मियों को टीका लगाने का प्रशिक्षिण दिया है। बयान में हर्षवर्धन के हवाले से कहा गया है, वैश्विक समुदाय का मित्र होने के नाते, भारत ने इस महत्वपूर्ण समय में देश में निर्मित टीकों की आपूर्ति करके दुनिया का भरोसा हासिल किया है।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के निदेशक डॉ सुजित के सिंह ने भारत में कोविड-19 के वर्तमान और भावी परिदृश्य को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि भारत में गत सात दिनों में मामले बढ़ने की दर 0.90 प्रतिशत है जो दुनिया में सबसे कम है। सिंह ने बताया कि भारत में इस रोग से होने वाली मृत्यु की दर में भी कमी दिख रही है। यह जून 2020 के मध्य में 3.4 फीसदी थी जो अब 1.4 प्रतिशत पर आ गई है। एनसीडीसी के निदेशक ने यह भी बताया कि दादर और नागर हवेली एवं दमन और दीव में संक्रमण मुक्त होने की दर सबसे ज्यादा है। वहां 99.79 फीसदी मरीजों ने संक्रमण को मात दे दी है। इसके बाद अरुणाचल में संक्रमण से मुक्त होने की दर 99.58 प्रतिशत और ओडिशा में 99.07 फीसदी है। केरल में संक्रमण से मुक्त होने की दर 91.61 प्रतिशत है क्योंकि वहां पर इलाज करा रहे मरीजों की संख्या अधिक है।

फाइजर का दावा- ब्रिटेन व दक्षिण अफ्रीका के स्ट्रेन से लड़ने में सक्षम है उनकी कोविड-19 वैक्सीन

लंदन । कोविड-19 वैक्सीन विकसित करने वाली कंपनी फाइजर-बायोएनटेक ने दावा किया है कि उनकी वैक्सीन ब्रिटेन व दक्षिण अफ्रीका में पाए जाने वाले कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन से जूझने में सक्षम है। फाइजर ने बुधवार को जारी बयान में कहा, इन निष्कर्षों से यह संकेत नहीं मिलता है कि वायरस के नए वैरिएंट के लिए नए वैक्सीन की जरूरत है। इस अध्ययन के रिजल्ट को बायोआरविक्स में प्रकाशित किया गया।

वैक्सीन बनाने वाली कंपनी ने अपने बयान में कहा है कि कोविड-19 का मूल संक्रमण और नए पाए गए संक्रमणों में काफी कम अंतर है। ऐसे में हमारी वैक्सीन इस नए वायरस पर भी असरदार है। फाइजर-बायोएनटेक का कहना है कि वह इस बात का जल्द ही सबूत देंगे कि उनकी वैक्सीन इस नए कोरोना वायरस पर प्रभावी हैं। फाइजर-बायोएनटेक की तरफ से कहा गया है कि वह अपनी वैक्सीन की निगरानी जारी रखे हुए हैं। वायरस के नए रूपों पर भी वैक्सीन के प्रभाव की निगरानी रखी जा रही है। फाइजर-बायोएनटेक का मानना है कि अगर नई वैक्सीन की जरूरत भी पड़ती है

केके अग्रवाल ने वायरल वीडियो के बाद किया ट्वीट, बताया- क्यों ली कोरोना वायरस की वैक्सीन

नई दिल्ली । डॉक्टर साहब को अकेले कोरोना वायरस संक्रमण की वैक्सीन लगवाना भारी पड़ गया। पत्नी ने फोन पर ही डॉक्टर साहब को खरी-खरी सुना दी। गलती से डॉक्टर साहब उस समय लाइव थे और ये पूरा वीडियो अब वायरल हो रहा है। ये कोई आम डॉक्टर नहीं हैं। ये पद्मश्री से सम्मानित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर केके अग्रवाल हैं, जिन्होंने हाल ही में कोरोना वैक्सीन लगवाई है।

डाक्टर केके अग्रवाल ने इस वीडियो पर सफाई दी है। उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा- मैं उस वीडियो से अवगत हूं, जो सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी वायरल हो रहा है। मुझे खुशी है कि इस एक वाक्या से लोगों को इस मुश्किल दौर में हंसने का मौका मिला...। साथ ही उन्होंने लिखा कि इस पूरे वीडियो को सुनकर लोगों को कोरोना वैक्सीन की उपयोगिता के बारे में भी पता चल गया होगा। मुझे पूरा यकीन है और आप भी इस बात से इत्तेफाक रखेंगे कि वैक्सीन न लेना ज्यादा हंसी का विषय है। इस वीडियो में डॉक्टर केके अग्रवाल लाइव हैं। वह अपनी कार में हैं और लोगों को वैक्सीन के बारे में ही कुछ बता रहे हैं। इस दौरान उनकी पत्नी का फोन आता है और वह पूछती हैं कि क्या आपने कोरोना की वैक्सीन लगवा ली डॉक्टर साहब बताते हैं कि वह पूछने गए थे कि वैक्सीन कब लगेगी, अस्पताल वालों ने कहा कि खाली है, अभी लगवा लीजिए। इसलिए उन्होंने वैक्सीन लगवा ली है। तुमको सोमवार को वैक्सीन लग जाएगी।

हालांकि, डॉक्टर साहब का जवाब सुनकर पत्नी भड़क जाती हैं। उनको लगता है कि डॉक्टर साहब ने जानबूझ कर अकेले ही पहले वैक्सीन लगवा ली है। इसके बाद तो डॉक्टर साहब की पत्नी का पारा चढ़ जाता है और वो लगातार बस यही पूछती रहती हैं कि आखिर आपने अकेले वैक्सीन कैसे लगवाई तुम मुझे साथ नहीं ले जा सकते थे। डॉक्टर साहब लाख समझाते हैं, ये भी बातते हैं कि वह इस समय लाइव, इस बारे में घर पहुंचकर बात करेंगे। लेकिन पत्नी का गुस्सा कम होने का नाम ही नहीं लेता। वह कहती हैं अब देखो मैं लाइव जाकर तुम्हारी कैसे ऐसी की तेसी करती हूं।

दिल्ली में हिंसा को लेकर ममता बनर्जी का केंद्र पर निशाना

कोलकाता । बंगाल में जय श्रीराम के नारे पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। गैर भाजपा शासित कई राज्यों की तर्ज पर बंगाल की ममता सरकार ने भी केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने के लिए विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया है, जो बुधवार से शुरू हुआ। आज गुरुवार को केंद्र के नए कृषि कानूनों के विरोध और इसे तत्काल निरस्त करने की मांग को लेकर राज्य सरकार की ओर से विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया गया। जिसके बाद भाजपा विधायकों ने विधानसभा में जमकर जय श्रीराम के नारे लगाए। इसके बाद भाजपा व सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

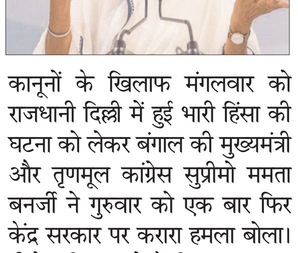

केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ मंगलवार को राजधानी दिल्ली में हुई भारी हिंसा की घटना को लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को एक बार फिर केंद्र सरकार पर करारा हमला बोला। तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ बंगाल विधानसभा में लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ममता ने कहा कि दिल्ली की स्थिति से पुलिस नहीं निपट पाई। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर यह बंगाल होता तो अमित भैया कहते, ÷क्या हुआ?÷ हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम चाहते हैं कि इन तीनों कृषि कानूनों को निरस्त किया जाए। ममता ने साफ कहा कि या तो आप कानून वापस ले लें या कुर्सी छोड़ दें। गौरतलब है कि तीनों कृषि कानूनों का ममता पुरजोर विरोध कर रही हैं।

गौरतलब है कि पिछले दिनों कोलकाता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती कार्यक्रम में जय श्रीराम के नारे लगाए जाने को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भड़कीं हुई हैं। इस बीच राज्य सरकार की ओर से नेताजी जयंती कार्यक्रम में जय श्रीराम का नारा लगाए जाने के खिलाफ भी निंदा प्रस्ताव विधानसभा में लाया गया। इसके विरोध में भी भाजपा विधायकों ने एक बार फिर विधानसभा में जय श्रीराम के नारे लगाए।

दरअसल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती के अवसर पर 23 जनवरी को कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में आयोजित पराक्रम दिवस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जब मंच पर भाषण देने जा रही थी तो कथित रूप से भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके सामने जय श्रीराम के नारे लगाए थे जिससे ममता काफी भड़कीं हुई हैं। ममता के गुस्से का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे इसके खिलाफ विधानसभा में आज निंदा प्रस्ताव लाने वाली हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने नारे को नेताजी और मुख्यमंत्री का अपमान बताते हुए सोमवार को कहा था कि वह विधानसभा में निंदा प्रस्ताव ला सकती है।

इटली के प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंते ने अपने पद से इस्तीफा दिया

वाशिंगटन। कोरोना संकट के बीच इटली में राजनीतिक संकट आ गया है। इटली के प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंते ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस कदम के बाद इटली में जल्द ही नई सरकार बनने की संभावना जताई जा रही है। फ़िलहाल राष्ट्रपति ने पीएम ग्यूसेप कोंते के इस्तीफे की घोषणा कर दी है।

इटली के पीएम ने दिया इस्तीफा

दरअसल, पिछले कुछ दिनों में विपक्षी इटली की सरकार गिराने में लगे हुए थे। बीते हफ्ते ही प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंते ने इटली सीनेट में विश्वासमत जीतकर अपनी सरकार को बचाया था। विश्वासमत जीतने में उन्हें गठबंधन का भरपूर सहयोग मिला था। कोंते के पक्ष में 140 वोट पड़े थे और 16 सांसद सीनेट में गैर हाजिर रहे। उस समय कोंते के पक्ष में वोट डालने वालों में पूर्व प्रधानमंत्री सिलवियो बर्लुस्कोनी के नेतृत्व वाली मध्य-दक्षिणपंथी विचारधारा की पार्टी के दो बागी सांसद भी शामिल थे।

इटली में सियासी संकट

लेकिन आज अचानक ग्यूसेप कोंते ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया। ग्यूसेप कोंते के इस कदम से इटली में सियासी संकट खड़ा हो गया है।उनके इस्तीफे के बाद नई सरकार बनाये जाने की संभावना है।

पिछले हफ्ते ग्यूसेप कोंते को मिला था सीनेट में विश्वासमत

गौरतलब है कि पिछले एक साल में कोरोना महामारी के कारण इटली में आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मंदी का दौर आ गया, जिससे उबरने के लिए प्रधानमंत्री को बहुमत की जरूरत पड़ी, इस कारण उन्होंने सांसदों से उनकी पार्टी में शामिल होने का आग्रह करते हुए उनकी अल्पसंख्यक सरकार में शामिल होने के लिए कहा था।

ब्राजील के बाद अमेरिका में मिला कोरोना का खतरनाक स्ट्रेन

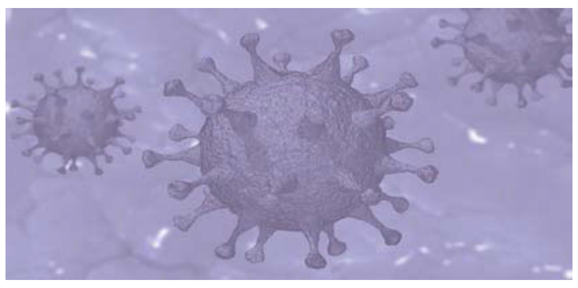

वाशिंगटन। कोरोना माहमारी ने दुनियाभर में तबाही मचा रखी है। इस खतरनाक वायरस को लेकर आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अब अमेरिका में ब्राजील में पाया गया कोरोना का सबसे अत्यधिक संक्रामक रूप पहुंच गया है। इसके बाद सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल अमेरिका में दहशत फैल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कोरोना का यह नया रूप कोरोना वायरस वैक्सीन को भी आंशिक रूप से मात दे सकता है। अमेरिका में पहले से कोरोना ने तबाही मचा रखी है। अब इस बीच नया स्टेन मिलने के बाद वैज्ञानिकों के साथ लोगों की चिंता बढ़ गई है।

कोरोना के इस नए स्टेन नाम P1

ब्राजील में मिल कोरोना के इस नए स्ट्रेन का **P1** का नाम रखा गया है। यह वायरस अमेरिका के मिन्नेसोटा राज्य में पाया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह वायरस सामान्य कोरोना से 50 प्रतिशत अधिक संक्रामक है। अमेरिका के स्वास्थ्य विभाग ने एक बयान में गृकहा है कि 50 लोगों के रैंडम सैंपल लिए थे।

ब्राजील की यात्रा से आया था शख्स

मिन्नेसोटा में ब्राजील से यात्रा कर लैटे शख्स में यह वायरस पाया गया है। वह हाल में ही ब्राजील गया था। यह व्यक्ति जनवरी के पहले हफ्ते में बीमार पड़ा था और 9 जनवरी को उसका सैंपल लिया गया था। मिन्नेसोटा के हेल्थ कमिश्नर जन मैकलम ने बयान जारी कर बताया कि हमे अपने टेस्टिंग प्रोग्राम के जरिए इस खतरनाक वायरस को पहचानने में कामयाबी मिली है।

अंतिम संस्कार में चमत्कार: मरी महिला 10 दिन बाद जिंदा

मैड्रिड। स्पेन में कोरोना से एक महिला की मौत हो गई। जिसके बाद अस्पताल प्रशासन ने परिवार के लोगों को इस बारे में जानकारी दी। फिर महिला के शव का कोरोना प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार कर दिया। लेकिन इसके बाद कुछ ऐसा हुआ, जिसे देखकर पूरा परिवार हैरान रह गया।

क्योंकि वही मर चुकी बुजुर्ग महिला फिर सबके सामने आकर खड़ी हो गई। जिसे देखकर सभी की आंखे खुली की खुली रह गई। आस-पास खड़े लोग अपनी आंखों पर विश्वास ही नहीं कर पा रहे थे। दरअसल रोजेलिया ब्लैंको जिनकी उम्र 85 साल उनको कोरोना से संक्रमित होने की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रोजेलिया के साथ एक और महिला भी थी।

राष्ट्रपति बनने के बाद बाइडेन ने पहली बार रूसी राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बातचीत की, कुछ मुद्दों पर गंभीर मतभेद

वाशिंगटन। राष्ट्रपति बनने के बाद जो बाइडेन ने अब तक दो राष्ट्राध्यक्षों से फोन पर बातचीत की है। पहला फोन उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को किया था। दूसरा फोन उन्होंने मंगलवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को किया।

खबर के मुताबिक, पहली ही बातचीत में दोनों नेताओं के कुछ मुद्दों पर मतभेद सामने आए। बाइडेन ने पुतिन के सामने अमेरिका में सायबर अटैक और रूस के विपक्षी नेता नेवेल्नी को जहर दिए जाने का जिक्र तो बातचीत में कड़वाहट घुल गई।

बाइडेन ने इरादे जाहिर कर दिए

पुतिन से पहली बातचीत को लेकर अमेरिकी मीडिया में कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। usatoday के मुताबिक, पुतिन और बाइडेन की बातचीत से एक बात तो साफ है कि अमेरिका की नई सरकार रूस की हरकतों

को कतई सहन नहीं करेगी। बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद पुतिन से यह उनकी पहली बातचीत थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति विवादित मुद्दों का जिक्र करने से नहीं चूके। खबर ने भी इसी तरह का रुख जाहिर किया है।

दो मुद्दों पर तनातनी ज्यादा

बाइडेन और पुतिन के बीच दो मुद्दों पर तनातनी ज्यादा दिख रही है। पहला- अमेरिका में रूस से होने वाले सायबर अटैक। दूसरा- रूस के विपक्षी नेता नेवेल्नी को जहर दिए जाने का शक। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी ने कहा- बातचीत का मकसद एटमी करार को आगे बढ़ाने पर विचार करना भी था। इसके अलावा भी कई मुद्दे थे। हमारे पास खबरें हैं कि रूस ने अफगानिस्तान में तैनात अमेरिकी सैनिकों को मारने के लिए इनाम देने का ऐलान किया है। उसने चुनाव में गड़बड़ी की साजिश रची। अपने नेताओं को जहर दिया।

पास्की ने कहा- प्रेसिडेंट बाइडेन ने बिल्कुल साफ कर दिया है कि अमेरिका राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए तैयार है और वो रूस की हर हरकत का जवाब भी देगा।

बढ़ सकता है तनाव

अमेरिका और रूस के बीच कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन पर आने वाले दिनों में तनाव बढ़ सकता है। सीरिया में रूस की दखलंदाजी और भारत समेत कुछ देशों को एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की सप्लाई इनमें शामिल हैं।

इलेक्शन कैम्पेन के दौरान बाइडेन ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प पर रूस का मोहरा होने के आरोप लगाए थे। बाइडेन ने कहा था- ट्रम्प को रूस से मदद मिल रही है। हमारे देश पर सायबर अटैक हो रहे हैं। मैं इनका जवाब देने के लिए तैयार हूं।

माना जा रहा है कि बाइडेन का अगला फोन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को जा सकता है। दोनों देशों के बीच गंभीर तनाव हैं और बाइडेन कैम्पेन के दौरान साफ कर चुके हैं कि अमेरिका को सबसे बड़ी चुनौती चीन से मिल रही है। दक्षिण चीन सागर में दोनों देशों के वॉरशिप आमने-सामने हैं।

किसान आंदोलन:खालिस्तानियों का वॉशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के सामने प्रदर्शन, भारत विरोधी नारे लगाए

वाशिंगटन। अमेरिका में कुछ खालिस्तान समर्थकों ने मंगलवार को किसानों के समर्थन में भारतीय दूतावास के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी की। इन लोगों के हाथ में बैनर और खालिस्तान के झंडे देखे गए। हालांकि, इनकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं थी। प्रदर्शनकारियों ने किसानों की मांगों का समर्थन किया और कहा कि भारत सरकार को नए कृषि कानून वापस लेने चाहिए।

यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका में भारतीय दूतावास के सामने खालिस्तानियों ने प्रदर्शन किया हो। पिछले महीने भी इस तरह का प्रदर्शन किया गया था। तब महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पेंट भी डाला गया था।

मोदी सरकार का विरोध

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, वॉशिंगटन डीसी में इंडियन एम्बेसी के बाहर प्रदर्शन का आयोजन सिख डीएमवी यूथ एंड संगत नाम के संगठन ने किया। इस दौरान ज्यादा लोग मौजूद नहीं थे। इन लोगों ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार उन तीन कृषि कानूनों को फौरन रद्द करे जो वह पिछले साल सितंबर में लाई थी। प्रदर्शनकारियों में से कई के हाथों में खालिस्तानी झंडे देखे गए। ये

लोग भारत विरोधी नारेबाजी भी कर रहे थे।

नेताओं ने क्या कहा

प्रदर्शन में शामिल एक नेता नरेंदर सिंह ने कहा- हम हर साल 26 जनवरी को काला दिवस के रूप में मनाते हैं, लेकिन इस साल हम किसानों के समर्थन में प्रदर्शन करने आए हैं। ये किसान सिर्फ सिख नहीं हैं। इनमें दूसरे मजहबों के लोग भी शामिल हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दिल्ली में हिंसा के लिए पुलिस जिम्मेदार है, उसने ही किसानों को भड़काया। अगर सरकार हिंसा फैलाएगी तो प्रदर्शनकारी भी पीछे नहीं रहेंगे।

भारतीय दूतावास हर साल गणतंत्र दिवस पर यहां बड़े आयोजन करता है, लेकिन इस साल कोविड-19 की वजह से इस बहुत छोटे स्तर पर मनाया गया।

कनाडा के पीएम ने भी किया था किसान आंदोलन का समर्थन

पिछले महीने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी किसान आंदोलन का समर्थन किया था। गुरुनानक देव के 551वें प्रकाश पर्व पर एक ऑनलाइन इवेंट के दौरान ट्रूडो ने कहा ता कि वे हमेशा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के पक्ष में रहे हैं। उन्होंने हालात को चिंताजनक बताया था।

ट्रूडो ने कहा था- भारत से किसानों के आंदोलन के बारे में खबर आ रही है। स्थिति चिंताजनक है और सच्चाई ये है कि आप भी अपने दोस्तों और परिवारों को लेकर फिक्रमंद हैं। मैं याद दिलाना चाहता हूं कि कनाडा ने हमेशा शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन के अधिकार का समर्थन किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रूडो के बयान को खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा- हम कनाडाई पीएम का बयान खारिज करते हैं। यह गलत जानकारी पर आधारित और गैरजरूरी है। सियासत के लिए कूटनीतिक बयानों का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। शिवसेना ने भी ट्रूडो के बयान की निंदा की थी।

कोरोना के बाद सामान्य होती जिंदगी: दुनिया की सबसे बड़ी गुफा 326 दिन बाद खुली; यहां झीलें, नदियां और जंगल भी

हनोई। दुनिया की सबसे बड़ी गुफा 326 दिन बाद पर्यटकों के लिए खोल दी गई है। सान डोंग नाम की यह गुफा वियतनाम में क्वांग-विन्ह प्रांत के नेशनल पार्क में मौजूद है। यह वैश्विक महामारी के कारण मार्च 2020 से बंद थी। यह गुफा 9 किमी लंबी, 200 मीटर चौड़ी और 150 मीटर ऊंची है। दावा है कि इसके अंदर न्यूयॉर्क जैसी 40 मंजिला इमारतें बन सकती हैं। इसे वियतनाम की ग्रेट वॉल भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इसके अंदर छोटी-छोटी 150 गुफाएं हैं। इसके अलावा बादल, झीलें, नदियां और जंगल भी हैं। यूनेस्को के मुताबिक, यह गुफा 50 लाख साल पुरानी है। इसे पर्यटकों के लिए 2013 में पहली बार खोला गया था। तब करीब 250 पर्यटकों को वहां जाने की अनुमति मिली थी। इस गुफा को 1991 में स्थानीय वनवासी हो खान ने खोजा था। 2009 में ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने इस गुफा पर रिसर्च की और इसे दुनिया में पहचान दिलाई। इसके बाद यूनेस्को ने इस प्राकृतिक गुफा को अपनी सूची में शामिल कर लिया। गुफा खुलने के बाद यहां टूरिस्ट पहुंचने भी लगे हैं। गुफा में जाने से पहले पर्यटकों को ट्रेनिंग दी गई है। उन्हें 10 किमी पैदल चलने और 6 बार रॉक क्लाइंबिंग कराई जाएगी। ये लोग गुफा में चार दिन और तीन रात रहेंगे।

ट्रम्प पर महाभियोग:जो बाइडेन ने कहा- पूर्व राष्ट्रपति पर महाभियोग जरूरी है; सीनेट में इसकी प्रक्रिया शुरू

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर दूसरे महाभियोग की कार्रवाई शुरू हो गई। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने इसका प्रस्ताव सीनेट के पास भेज दिया। इसमें ट्रम्प पर लगाए गए सभी आरोपों को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी ट्रम्प पर महाभियोग का समर्थन किया है। पूर्व राष्ट्रपति को 8 फरवरी या इसके बाद सफाई का मौका मिल सकता है। ट्रम्प के खिलाफ मुख्य आरोप 6 जनवरी को इलेक्टोरल कॉलेज के वोटिंग के दौरान समर्थकों को हिंसा के लिए भड़काने का है। संसद के अंदर और बाहर हुई हिंसा में 6 लोगों की मौत हुई थी। इनमें एक पुलिस अफसर और एक महिला शामिल है।

बाइडेन क्या बोले

बातचीत में नए राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहली बार ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया पर टिप्पणी की। कहा- मुझे लगता है कि यह प्रक्रिया जरूर पूरी की जानी चाहिए।बाइडेन ने माना कि इससे संसदीय कामकाज पर असर पड़ेगा, लेकिन ये भी माना कि ये होना जरूरी भी है। उन्होंने कहा- कैबिनेट नॉमिनीज की मंजूरी ली जानी है। कुछ और कामकाज भी होना है, लेकिन यह प्रक्रिया भी पूरी की जानी चाहिए। इन सब बातों के साथ मुझे ये नहीं लगता कि 17 रिपब्लिकन सांसद ट्रम्प के खिलाफ वोट करेंगे।

कोरोना दुनिया में:फाइजर ने कहा- कोविड-19 के नए वैरिएंट्स को काबू करने पर रिसर्च जारी, व्हाइट हाउस में बड़े पैमाने पर वैक्सीनेशन

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 10.08 करोड़ के ज्यादा हो गया। 7 करोड़ 28 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 21 लाख 65 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं। वैक्सीन कंपनी फाइजर ने कहा है कि कोविड-19 के जो नए वैरिएंट्स सामने आ रहे हैं, उनसे निपटने के लिए वैक्सीन बूस्टर रिसर्च जारी है। कंपनी का यह बयान इसलिए अहम हो जाता है क्योंकि दुनिया के ज्यादातर देशों ने सबसे पहले फाइजर के वैक्सीन को ही मंजूरी दी थी।

बूस्टर होगा कारगर

खबर से बातचीत में कंपनी के सीईओ एल्बर्ट बोउरला ने कहा- कोविड-19 के कुछ नए वैरिएंट्स सामने आए हैं। इन पर हम ग्राउंडवर्क कर रहे हैं। उम्मीद है कि वैक्सीन बूस्टर तैयार कर लिए जाएंगे जो इन नए वैरिएंट्स पर भी कारगर साबित होंगे। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि इन वैरिएंट्स से भी डरने की जरूरत नहीं है लेकिन, हमें सतर्क रहना होगा और इससे जुड़ी हर चीज को बारीकी से देखना होगा। एक बार जब हमें इन वैरिएंट्स की जानकारी मिल जाती है तो हम बहुत तेजी से इन्हें काबू में करने की कोशिश करते हैं।

कमला हैरिस को दूसरा डोज लगाया गया

अमेरिकी वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस को कोरोनावायरस वैक्सीन का दूसरा डोज लगाया गया। इसके लिए वे मैरिलैंड के इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ पहुंचीं। बाद में हैरिस ने कहा- मेरे वैक्सीन का डोज पूरा हो गया है। इसमें मुझे कोई दर्द नहीं हुआ। हैरिस के साथ उनके पति डग एमहॉफ ने भी वैक्सीनेशन कराया।

व्हाइट हाउस में वैक्सीनेशन ड्राइव

जो बाइडेन के व्हाइट हाउस पहुंचने के बाद यहां के सैकड़ों कर्मचारियों को वैक्सीनेट किया जा चुका है। खबर से बातचीत में एक अफसर ने कहा- हम सैकड़ों कर्मचारियों को वैक्सीन दे चुके हैं और जो बचे हैं उन्हें कुछ हफ्तों में वैक्सीनेट कर दिया जाएगा। सबसे पहले प्रेसिडेंट्स एग्जीक्यूटिव ऑफिस के तहत आने वाले कर्मचारियों को

वैक्सीनेट किया गया है। अब भी कर्मचारी ऐसे हैं जो घरों से काम कर रहे हैं। इन्हें भी जल्द ही वैक्सीनेट किया जाएगा।

कोलंबिया के डिफेंस मिनिस्टर कार्लोस होम्स की मौत

साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया के डिफेंस मिनिस्टर कार्लोस होम्स की कोरोना के संक्रमण से मंगलवार को मौत हो गई है। उनके भाई जोस रेनन ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें 13 जनवरी को राजधानी बोगोटा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दुनियाभर में ट्रैक्टर परेड का ट्रेंड :बर्लिन में 40 हजार किसानों ने रास्ते ब्लॉक कर दिए थे, नीदरलैंड्स में एक हजार किमी का जाम लगा था

नीदरलैंड्स। नए कृषि कानूनों के विरोध में किसानों ने दिल्ली में ट्रैक्टर परेड निकाली। दोपहर एक बजे के बाद परेड के दौरान हिंसा फैल गई। राजधानी में किसानों ने जिस तरह ट्रैक्टर को प्रदर्शन का जरिया बनाया, वैसा ही तरीका विदेशों में भी किसान अपनाते रहे हैं। जर्मनी के बर्लिन में 40 हजार किसानों ने ट्रैक्टर परेड निकाली थी, जिससे रास्ते तक ब्लॉक हो गए थे। वहीं, नीदरलैंड्स में किसानों ने ऐसा ट्रैक्टर मार्च किया था कि एक हजार किलोमीटर लम्बा जाम लग गया था।

नीदरलैंड्स: दो हजार किसानों ने ट्रैक्टर से हाईवे घेरा था

नीदरलैंड्स में अक्टूबर, 2019 में किसानों ने सरकार की नीतियों का विरोध करने के लिए ट्रैक्टर परेड निकाली थी। सरकार ने नाइट्रोजन उत्सर्जन कम करने के लिए मुर्गियों और सुअरों की संख्या घटाने का आदेश जारी किया था। इसके खिलाफ दो हजार किसान ट्रैक्टरों के साथ डच हाईवे पर निकले थे। किसान राजधानी द हेग की तरफ जा रहे थे। इससे हाईवे पर करीब एक हजार किलोमीटर लम्बा जाम लग गया था। रास्ते में पुलिस से हुई झड़प के दौरान दो किसानों को गिरफ्तार किया गया था।

फ्रांस: यहां भी किसानों ने किया था सरकारी कृषि नीति का विरोध

सरकार की नीतियों के विरोध में पेरिस में भी ट्रैक्टर मार्च निकाला गया था। किसानों का कहना था हाईवे को

तब तक जाम रखा जाएगा, जब तक राष्ट्रपति इमैन्युअल मैक्रों उनकी मांगें सुनने के लिए राजी नहीं हो जाते। यहां पेरिस रिंग रोड का नजारा भी दिल्ली बॉर्डर जैसा था। किसानों ने टेंट लगाए थे और सर्दी से बचने के लिए आग जला रखी थी। हालांकि, प्रेसिडेंट ऑफिस की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि ऐसे हालात में राष्ट्रपति और किसान के बीच बातचीत मुमकिन नहीं है।

जर्मनी: जब 40 हजार किसानों ने घेरी थी बर्लिन की सड़कें

जर्मनी के बर्लिन में नवम्बर, 2019 में 40 हजार किसानों ने ट्रैक्टर परेड निकालकर सरकार की नई कृषि नीति का विरोध किया था। प्रदर्शन में करीब 8 हजार 600 ट्रैक्टर थे। यह काफिला 10 किलोमीटर लम्बा था। रास्ते ब्लॉक होने के कारण शहर थम सा गया था। पैदल चलने वालों का भी निकलना मुश्किल हो गया था।

बेल्जियम: खेती में सब्सिडी बढ़ाने के लिए पहुंचे कई देशों के किसान

फरवरी, 2020 में सैकड़ों किसान ब्रसेल्स की सड़कों पर उतरे थे। उन्होंने यूरोपियन काउंसिल का दफ्तर घेरा। उनकी मांग थी कि खेती के लिए मिलने वाली सब्सिडी बढ़ाई जाए। इस प्रदर्शन में 100 से ज्यादा ट्रैक्टर आए थे। विरोध दर्ज कराने के लिए यहां बेल्जियम के अलावा आयरलैंड, स्पेन और इटली से भी किसान पहुंचे थे।

आयरलैंड: बीफ की कीमत बढ़ाने के लिए किसानों ने घेरी थी सड़क: डबलिन में जनवरी 2020 में 100 से ज्यादा ट्रैक्टरों के साथ किसानों ने प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन 24 घंटे तक चला। किसान बीफ के दाम 3.60 यूरो से बढ़ाकर 4 यूरो प्रति किलो कराना चाहते थे। इसी बात को लेकर ट्रैक्टर परेड हुई। प्रदर्शन का सबसे ज्यादा असर यहां के किल्डेर स्ट्रीट, मोल्सवर्थ स्ट्रीट, सेंट स्टीफन ग्रीन और मेरियन स्क्वॉयर पर दिखा। किसानों का कहना था कि वे अपनी फसल और उत्पादों के लिए बेहतर कीमत चाहते हैं ताकि आयरलैंड का ग्रामीण हिस्सा तबाह न हो।

आने वाला दिन काफी चुनौतीपूर्ण है, इसके लिए तैयार रहें : पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के मुखिया पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव गुरुवार को आला अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में उनके साथ स्पेशल पुलिस कमिश्नर (इंटेलिजेंस) और अन्य अधिकारी बैठे हैं। इस बैठक में दिल्ली में बीते दिन हुई हिंसा मामले में कार्रवाई को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा हो रही है। पुलिस कमिश्नर ने बुधवार को हुई प्रेसवार्ता में ही यह साफ कर दिया था कि 26 जनवरी को किसान ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई हिंसा के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने साफ-साफ लहजे में यह बता दिया था कि किसान नेताओं ने वादा तोड़ा है उनसे पूछताछ होगी। जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ कानून अपने तरीके से सख्त कार्रवाई करेगा। एसएन श्रीवास्तव ने एक पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि किसान आंदोलन जब 26 जनवरी को उग्र हो गया था तब आपने (दिल्ली पुलिस) ने काफी संयम का परिचय दिया था। इस सूझबूझ की तारीफ करते हुए उन्होंने आगे लिखा कि हमारे जवानों के पास बल प्रयोग करने का विकल्प खुला था मगर सूझबूझ का परिचय दिया गया। यह आचरण काफी चुनौतीपूर्ण था मगर इसी कारण यह निपट पाई। हम सभी इस प्रकार की चुनौतियों का सामना करते आए हैं। आपकी मेहनत और कार्य कुशलता से ही किसान आंदोलन की चुनौती का हम डट कर मुकाबला कर पाए हैं।

बता दें कि किसान आंदोलन में कुल 384 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं वहीं कुल 25 एफआइआर दर्ज की जा चुकी है। यह भी बता दें कि घायल पुलिसकर्मियों का इलाज अस्पताल में अभी चल रहा है। उनसे संपर्क में हैं जो भी जरूरत है उनका ख्याल रखा जा रहा है। पुलिस कमिश्नर ने आगे कहा कि मैं आप को बतलाना चाहता हूं कि आगे आने वाले कुछ दिन हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। हमें सचेत रहने की आवश्यकता है। हम सब को अपना धैर्य और अनुशासन बनाए रखना है। मैं आपके संयम और धैर्य के लिए धन्यवाद देता हूं।

दिल्ली सरकार के स्कूलों में 600 विशेष अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति

नई दिल्ली । दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र लंबे समय से विशेष शिक्षकों की कमी झेल रहे थे। इसे देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 600 विशेष अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की है। इससे शिक्षकों की कमी की समस्या काफी हद तक दूर होगी। दिल्ली में 1030 सरकारी स्कूल हैं। इन स्कूलों में कक्षा 1-12 तक के 12176 दिव्यांग छात्र हैं। निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक राजधानी के सरकारी स्कूलों में 1165 विशेष शिक्षक कार्यरत थे। इसमें से केवल 680 ही नियमित विशेष शिक्षक हैं और 485 विशेष अतिथि शिक्षक के तौर पर कार्यरत हैं।

राजधानी में 2017 के बाद से विशेष शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई थी। लंबे समय के बाद हुई इस नियुक्ति से स्कूलों में शिक्षकों की कमी भी दूर होगी। स्कूलों में दिव्यांग छात्रों की विभिन्न श्रेणी हैं। ऐसे में हर श्रेणी की जरूरत को देखते हुए कुल 660 विशेष अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति होनी थी लेकिन मौजूदा समय में 600 विशेष अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। अन्य शिक्षकों की भर्ती उनके कागजातों की कमी के चलते नहीं हो सकी है। बचे हुए 60 शिक्षकों के कागजात पूरे हो जाते हैं तो उनकी भी भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अब दिल्ली सरकार के स्कूलों में विशेष शिक्षकों की संख्या 1765 हो गई है।

इसमें 680 नियमित और 1085 अतिथि शिक्षक के तौर पर कार्यरत हैं। निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक सरकारी स्कूलों में विशेष अतिथि शिक्षकों की नियमित तौर पर भर्ती के लिए डीएसएसएसबी (दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड) को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही नियमित शिक्षकों की कमी भी पूरी की जाएगी। अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर हुआ चयन राजधानी के सरकारी स्कूलों में विशेष अतिथि शिक्षकों की भर्ती अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर हुई है। निदेशालय ने बोर्ड की कक्षाओं से लेकर उच्च शिक्षा के अंक निर्धारित किए थे। शिक्षकों की भर्ती के लिए कुल 100 अंको के आधार पर एक मेरिट लिस्ट बनाई गई। इसमें कक्षा 10वीं के 10 अंक, 12वीं के 20 अंक, स्नातक के 30 अंक और बीएड (विशेष शिक्षा) के 40 अंक निर्धारित किए गए थे।

शाहजहांपुर खेड़ा बार्डर पर धरना खत्म कराने पहुंचे ग्रामीण, किसानों को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

नई दिल्ली । दिल्ली-जयपुर हाईवे बंद होने से परेशान स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। साहबी पुल से आंदोलकारियों को उठाने के बाद अब स्थानीय ग्रामीण व पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन शाहजहांपुर खेड़ा बार्डर पर चल रहे धरना के विरोध में खड़े हो गए है। बृहस्पतिवार को शाहजहांपुर बार्डर पर पंचायत के बाद ग्रामीण विरोध करते हुए शाहजहांपुर खेड़ा बार्डर पर पहुंच गए।

ग्रामीणों व आंदोलनकारियों के आमने-सामने आ जाने से बार्डर पर तनाव की स्थिति बन गई। मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। धरना पर गई बैरिकेडिंग के एक ओर राजस्थान आर्म्ड फोर्स और दूसरी ओर हरियाणा पुलिस व अर्धसैनिक बल के जवान मोर्चा संभाले हुए है। पंचायत में ग्रामीणों ने आंदोलनकारियों से धरना हटाने और हाईवे को चालू करने की मांग की। ग्रामीणों ने 24 घंटे में बार्डर से धरना हटाने का अल्टीमेटम दिया है। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी आंदोलनकारियों से बातचीत कर रहे है।

हाईवे बंद होने करीब 120 पेट्रोल पंप दो माह से ठप पड़े हुए है। इसके अतिरिक्त हाईवे पर स्थित दुकानें, ढाबे व होटल भी बंद है। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन कई बार प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात कर हाईवे खुलवाने का आग्रह कर चुकी है। बुधवार को भी एसोसिएशन के सदस्यो ने आंदोलनकारियों से मुलाकात की थी, लेकिन कोई सहमति नहीं बन पाई थी। हरियाणा पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने हाईवे नहीं खुलने पर गांव करनवास स्थित तेल टर्मिनल के समक्ष धरना शुरू करने और पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति बंद करने की चेतावनी दी हुई है। करनावास स्थित तेल टर्मिनल से हरियाणा के 9 जिलों और राजस्थान के अलवर जिला में तेल की आपूर्ति होती है। यदि टर्मिनल से तेल आपूर्ति बाधित होती है तो इसका असर हरियाणा के साथ-साथ भिवाड़ी, नीमराणा, शाहजहांपुर व बहरोड के उद्योगों पर भी पड़ना तय है। बता दें कि दिल्ली हिंसा के बाद ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में आधे से ज्यादा गर्भवती महिलाएं नहीं जातीं आंगनवाड़ी केंद्र

नई दिल्ली । आंगनवाड़ी केंद्रों में जच्चा और बच्चा दोनों की स्वास्थ्य सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है। इसके बावजूद राजधानी में 18 साल व इससे अधिक उम्र की गर्भवती महिलाओं की कुल आबादी में 52 फीसद से अधिक महिलाएं इन केंद्रों में नहीं जा रही हैं। ऐसे में ये महिलाएं आंगनवाड़ी केंद्रों में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं से भी वंचित हैं। यानी सरकार की ओर से आंगनवाड़ी केंद्रों में जच्चा व बच्चा के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ 47 फीसद महिलाएं ही उठा रही हैं। दिल्ली सरकार ने साल 2018-19 के बीच लगभग 1.02 करोड़ लोगों पर सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया था। सर्वेक्षण के अनुसार राजधानी में कुल 10897 आंगनवाड़ी केंद्र हैं। इन केंद्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बमुश्किल 47.15 फीसद गर्वभती महिलाएं ही जाती हैं। वहीं, 52.85 फीसद गर्भवती महिलाएं ऐसी हैं जो इन केंद्रों में विभिन्न कारणों से नहीं जाती हैं। इन केंद्रों से गर्भवती महिलाओं की साल दर साल बढ़ती दूरी के चलते सरकार की ओर से चलाए जा रहे पूरक पोषण आहार व टीकाकरण जैसी योजनाओं का लाभ भी कुछ फीसद महिलाएं ही ले रही हैं। एनडीएमसी इलाके की 100 फीसद गर्भवती महिलाओं ने उठाया आंगनवाड़ी केंद्रों का लाभनई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) इलाके में रहने वाली 18 साल से अधिक सभी गर्भवती महिलाएं आंगनवाड़ी केंद्रों की सुविधाओं का लाभ ले चुकी हैं। सर्वेक्षण में जारी आंकड़ों के मुताबिक एनडीएमसी की 100 फीसद, पूर्वी नगर निगम की 46.05 फीसद, उत्तरी नगर निगम की 50.60 और दक्षिणी नगर निगम की 44.14 फीसद महिलाएं आंगनवाड़ी केंद्र जाती हैं।

जगह खाली करो की नारेबाजी करते हुए सिंघु बॉर्डर पहुंचे कई गांवों के किसान, दी चेतावनी

नई दिल्ली । दिल्ली में ट्रैक्टर परेड के दौरान हिंसा के बाद लोगों का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर (सिंघु बॉर्डर) पर बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए हैं। लोगों की मांग है कि बॉर्डर को जल्द से जल्द आंदोलनकारी खाली कर दें। सिंघु बॉर्डर पर %खाली करो जगह% की नारेबाजी हो रही है। आंदोलनकारियों के बीच पहुंचे स्थानीय लोग तिरंगा लिए हुए हैं और लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि धरना दे रहे लोगों की वजह से उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सिंघु बॉर्डर पर पहुंचने वाले लोगों में बख्तावरपुर, बवाना, पल्ला, अलीपुर, दरियापुर और बाजिदपुर समेत कई गांवों के किसान हैं। ग्रामीणों ने धरना दे रहे तथाकथित

किसानों को चेतावनी दी है कि अगर इस जगह (दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर) को खाली नहीं किया गया तो वे शुक्रवार को फिर से यहां हजारों की संख्या में आएंगे। किसानों ने कहा कि 26 जनवरी की घटना बर्दाश्त नहीं है। अभी तक इन लोगों को किसान समझ रहे थे लेकिन अब साफ हो गया है कि ये लोग देश के गद्दार हैं। बताया जा रहा है कि सिंघु बॉर्डर खाली करने की मांग को लेकर पहुंचने वालों में स्थानीय दुकानदार भी शामिल हैं। इन लोगों ने तख्ती पर सिंघु बॉर्डर खाली करो के नारे के साथ तिरंगा भी हाथ में लिए हुए हैं। बता दें कि सिंघु बॉर्डर पर किसानों का धरना करीब दो महीने से चल रहा है। इसकी वजह से दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर आवागमन प्रभावित है। जबकि दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है। इससे पहले रेवाड़ी में बुधवार को कई गांवों के लोग पंचायत करने के बाद आंदोलनकारियों के पास पहुंच गए। आंदोलनकारी व स्थानीय ग्रामीणों के आमने-सामने होने से एक बार जिला व पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव भी फूल गए थे, मगर जल्दी ही पुलिस को राहत भरी खबर मिल गई। ग्रामीणों का पलड़ा भारी देखकर सड़क पर बैठे कथित किसानों ने खुद ही जाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों के सख्ती के बाद हाइवे खाली हो गया।

आने वाला दिन काफी चुनौतीपूर्ण है, इसके लिए तैयार रहें : पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के मुखिया पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव गुरुवार को आला अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में उनके साथ स्पेशल पुलिस कमिश्नर (इंटेलिजेंस) और अन्य अधिकारी बैठे हैं। इस बैठक में दिल्ली में बीते दिन हुई हिंसा मामले में कार्रवाई को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा हो रही है। पुलिस कमिश्नर ने बुधवार को हुई प्रेसवार्ता में ही यह साफ कर दिया था कि 26 जनवरी को किसान ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई हिंसा के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने साफ-साफ लहजे में यह बता दिया था कि किसान नेताओं ने वादा तोड़ा है उनसे पूछताछ होगी। जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ कानून अपने तरीके से सख्त कार्रवाई करेगा।

एसएन श्रीवास्तव ने एक पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि किसान आंदोलन जब 26 जनवरी को उग्र हो गया था तब आपने (दिल्ली पुलिस) ने काफी संयम का परिचय दिया था। इस सूझबूझ की तारीफ करते हुए उन्होंने आगे लिखा कि हमारे जवानों के पास बल प्रयोग करने का विकल्प खुला था मगर सूझबूझ का परिचय दिया गया। यह आचरण काफी चुनौतीपूर्ण था मगर इसी कारण यह निपट पाई। हम सभी इस प्रकार की चुनौतियों का सामना करते आए हैं। आपकी मेहनत और कार्य कुशलता से ही किसान आंदोलन की चुनौती का हम डट कर मुकाबला कर पाए हैं।

रेलवे यात्रियों को दिल्ली के इस स्टेशन पर मात्र 10 रुपये में मिलने जा रही एक सुविधा

नई दिल्ली । आनंद विहार रेलवे टर्मिनल लोगों की सुविधा देने के मामले में एक और कदम आगे बढ़ गया है। इस स्टेशन से हजारों लोग यात्रा करते हैं। यहां से कई ट्रेनें चलती हैं जिनसे यात्रा करने वालों को रेलवे की सुविधा से काफी फायदा होगा। आनंद विहार रेलवे टर्मिनल पर यात्रियों को इलाज की सुविधा देने के लिए डिस्पेंसरी शुरू की जाएगी। भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम (आइआरएसडीसी) ने इसके लिए एक संस्था को स्वीकृति प्रदान की है। आइआरएसडीसी के अधिकारियों ने बताया कि इस डिस्पेंसरी में प्राथमिक उपचार मिलेगा। इसके पास एक लाइफ सपोर्ट सिस्टम लगी एंबुलेंस भी होगी। ताकि जरूरत पड़ने पर यात्री को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जा सके।

टर्मिनल परिसर में इस जगह मिलेगी सुविधा- पोटा कैबिन में डिस्पेंसरी बनाने के लिए रेलवे टर्मिनल परिसर में टिकट आरक्षण केंद्र के पास जगह चिह्नित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि इसमें संस्था की तरफ से एक डॉक्टर और दो पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की जाएगी। उनके पास सभी जरूरी दवाइयां होंगी।

दस रुपये शुल्क होगा

डिस्पेंसरी में जांच के लिए शुल्क तय किया गया है। आइआरएसडीसी के नोडल अधिकारी डीके चोपड़ा ने बताया कि दस रुपये में डिस्पेंसरी में जांच की जाएगी। यहां बीपी, शुगर की जांच की सुविधा भी होगी। उन्होंने बताया कि शुल्क बहुत कम रखा गया है, ताकि किसी पर आर्थिक भार न पड़े।

बड़ी संख्या में टैक्सी और आटो चालक इस रेलवे टर्मिनल से जुड़े हुए हैं। उनको भी फायदा होगा। यहां पर इलाज की सुविधा दिए जाने की मांग काफी वक्त से हो रही थी। इसे लेकर यात्रियों ने कई बार रेलवे को पत्र भेजा था, लेकिन रेलवे के स्तर पर व्यवस्था बनाना आसान नहीं था।

5वीं कक्षा के बचे ने यूट्यूब से सीखी हैकिंग, फर्जी आइडी से ईमेल कर पिता से ही मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

गाजियाबाद । इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में पांचवीं कक्षा के बचे ने अपने पिता से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांग ली। बचे ने पहले फर्जी ई-मेल आइडी बनाई और इस आइडी से मेल पर यह रंगदारी मांगी। पुलिस से शिकायत के बाद साइबर सेल ने मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस बचे से पूछताछ कर रही है। इंदिरापुरम क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति सरकारी अधिकारी हैं।

ई-मेल से मिली 10 करोड़ रुपये की रंगदारी देने की धमकी-

पिछले कुछ समय से उनके पास धमकी भरे ई-मेल आ रहे थे और मेल के जरिये उनसे 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी। इस संबंध में उन्होंने सर्विस प्रोवाइडर से शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद उन्होंने साइबर सेल में शिकायत की। इसके बाद साइबर सेल ने मामले की जांच की। जांच के दौरान पता चला कि मेल अधिकारी के घर से ही किया गया है।

इसके बाद साइबर सेल के अधिकारियों ने परिवार के सभी सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि यह कारनामा अधिकारी के 11 साल के बेटे ने किया था।

साइबर क्राइम सेल के प्रभारी सुमित कुमार ने बताया बचे को कुछ समय पहले स्कूल की आनलाइन क्लास में कंप्यूटर क्लास के दौरान साइबर अपराध और उनसे बचने के संबंध में जानकारी दी गई थी। इसके बाद बचे ने यू-ट्यूब पर हैकिंग के कुछ वीडियो देखकर जानकारी जुटाई। फिर उसने फेक ई-मेल आइडी बनाकर पिता से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांग ली। पुलिस इस संबंध में बचे से पूछताछ कर रही है।

बसों में कैद रहे ओडिशा से आए 80 कलाकार

नई दिल्ली। देश के विभिन्न राज्यों से राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस के पर्व में शरीक होने पहुंचे कलाकार भी दिल्ली में हुए उपद्रव में फंसे रहे। गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम करने के बाद राजघाट स्थित गांधी दर्शन के निकले ओडिशा से आए 80 कलाकारों का ग्रुप करीब पांच घंटे तक मानसिंह रोड पर फंसा रहा। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कलाकारों को न सिर्फ इस दौरान पूरी सुरक्षा दी, बल्कि भारी फोर्स के बीच देर शाम सात बजे उन्हें सुरक्षित गांधी दर्शन पहुंचाया। कलाकारों के ग्रुप में 15 साल के किशोर भी मौजूद थे। बुधवार को संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रहलाद सिंह पटेल भी इन कलाकारों से मुलाकात करने पहुंचे। कलाकारों के ग्रुप के साथ आई शिक्षिका नमिता मिश्रा ने बताया कि वे सभी ओडिशा के कालाहांडी जिले से गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करने आए थे।

हम भी किसान की बेटियां, इंच भर भी नहीं हटेंगी पीछे महिला पुलिसकर्मियों ने दिया राकेश टिकैत को जवाब

नई दिल्ली । किसान नेताओं ने वादा किया था कि वह गणतंत्र दिवस पर उसी रूट पर परेड निकालेंगे, जो पुलिस के साथ मिलकर तय किए हैं, लेकिन वादे को तोड़ते हुए प्रदर्शनकारी तय रूट आनंद विहार से अप्सरा बार्डर जाने के बजाय ट्रैक्टर लेकर अक्षरधाम की ओर से जाने लगे, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आनंद विहार गोलचक्कर पर दो अलग-अलग जगह बैरिकेड लगाए हुए थे। उपद्रवियों ने ट्रैक्टर से पहले एक बैरिकेड को तोड़ा। उनका हुजूम देखकर पुरुष पुलिसकर्मी पीछे हट गए। दूसरी जगह का बैरिकेड तोड़ पाते तभी इंस्पेक्टर पुष्पलता और सुमन कुशवाह भीड़ को साइड करते हुए आगे आईं और एक ट्रैक्टर के बोनट पर लटक गईं।

ट्रैक्टर पर चढ़े उपद्रवी दोनों पुलिसकर्मियों से कह रहे थे 'ए छोरियों साइड हो लो, कदी टायर के नीचे आ जाओ'। जब वह नहीं

मानीं, तो चालक ने ट्रैक्टर दौड़ा दिया, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मजबूर होकर चालक को ट्रैक्टर रोकना पड़ा, ट्रैक्टर पर चढ़े लोगों ने कहा वह किसान हैं, और बैरिकेड तोड़कर संसद जाएंगे। दोनों पुलिसकर्मियों ने कहा कि वह भी किसान की बेटियां हैं, एक इंच पीछे नहीं हटेंगी। महिला पुलिसकर्मियों का यह जबा देखकर पुरुष पुलिसकर्मी भी उनका साथ देने पहुंचे। पुलिसकर्मियों की बहादुरी देखकर कई लोग उनके कायल हो गए।

किसान नेता राकेश टिकैत दोनों महिला पुलिसकर्मियों से अपील कर रहे थे कि वह ट्रैक्टर के आगे से हट जाएं, उन्हें चोट लग सकती है, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उनसे दो टूक कहा कि जान क्यों न चली जाए वह अपनी ड्यूटी निभाएंगी। उन्हें उसी रूट से परेड निकालनी होगी, जो पुलिस और किसान नेताओं ने मिलकर तय की है। पुलिसकर्मियों के तेवर देखते हुए टिकैत को झुकना पड़ा और उन्होंने ट्रैक्टर चालक से कहा कि वह टैक्ट्रर को बंद कर दे।

किसानों के डेथ वारंट पर हस्ताक्षर की तरह हैं तीनों केंद्रीय कृषि कानून

नई दिल्ली/सोनीपत । आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा है कि तीनों केंद्रीय कृषि कानून किसानों के लिए डेथ वारंट पर हस्ताक्षर की तरह हैं। सजय सिंह ने यह भी कहा है कि आम आदमी पार्टी के सदस्य तीनों काले कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध करते रहेंगे। इसके विरोध में आप राष्ट्रपति के भाषण का बहिष्कार करेगी। हम तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग करते हैं, यह किसानों के मौत के वारंट पर हस्ताक्षर है।

गाजीपुर बॉर्डर पर आरएएफ के जवानों ने फ्लैग मार्च किया। बताया जा रहा है कि किसानों के धरना प्रदर्शन के चलते यहां पर यूपी पुलिस के जवानों की भी तैनाती की गई है।भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने ताजा बयान में बृहस्पतिवार को कहा कि 26 जनवरी को हमने शांतिपूर्ण तरीके से ट्रैक्टर परेड निकाली थी। जो लोग हिंसक हुए हैं उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं था। हमारा आंदोलन पूर्व की भांति चलता रहेगा। शांतिपूर्ण तरीके से पिछले 2 माह से भी ज्यादा समय से हम लोग आंदोलनरत हैं।

शिअद बादल ने आंदोलन को बदनाम करने की साजिश रची : जीके

नई दिल्ली । जग आसरा गुरु ओट (जागो) ने आरोप लगाया है कि साजिश के तहत किसान आंदोलन को कमजोर व बदनाम करने के लिए ट्रैक्टर परेड के नाम पर उत्पात किया गया। इस साजिश के पीछे शिरोमणि अकाली दल (शिअद बादल) है। उन्होंने दीप सिद्धू और अकाली नेता अमन गिल के कॉल रिकॉर्ड की जांच करने की भी मांग की है। जागो के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने प्रेस वार्ता में कहा कि अकाली दल की आइटी विंग के मोगा जिले के अध्यक्ष अमनदीप सिंह खालसा लाल किले पर मौजूद थे। वह अकाली दल के बड़े नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया के विश्वास पात्र हैं। जीके ने दावा किया कि आंदोलन को भटकाने के लिए गिल मंगलवार को टिकरी बार्डर से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर गए और उसके बाद आटो पकड़ साथियों के साथ लाल किले तक गए। इसका वीडियो भी उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर डाला है। उन्होंने कहा कि लाल किले की घटना के बाद दीप सिद्धू के खिलाफ आरोप लग रहा है। लेकिन, वीडियो एवं तस्वीरों से स्पष्ट है कि सिद्धू के साथ अकाली दल भी किसान संगठनों को बदनाम करने के लिए काम कर रहा था।

यही कारण है कि 25 जनवरी को गाजीपुर बार्डर में ट्रैक्टर चलाने की रिहर्सल करने वाले दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा 26 जनवरी को कहीं नजर नहीं आए, क्योंकि वे साजिश रच चुके थे। शिअद बादल के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कहा कि जीके की सच्चाई लोग जान चुके हैं। वे भाजपा को खुश करने के लिए कुछ भी बोल व कर सकते हैं। अमन गिल को कई साल पहले आइटी सेल से निकाल दिया गया है। वहीं, दीप सिद्धू की भाजपा के बड़े नेताओं के साथ फोटो है, इसलिए वह उसे बचा रहे हैं। उन्हें आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से ऊपर उठकर कौम के लिए काम करना चाहिए।

दिल्ली में भारी उपद्रव के बाद आंदोलन से टूटा किसानों का मोह, लौटने लगे घर

सोनीपत। दिल्ली में ट्रैक्टर परेड के दौरान हुए हुड़दंग के बाद किसानों की वापसी शुरू हो गई। बुधवार सुबह से ही पंजाब की ओर जाने के लिए जीटी रोड पर ट्रैक्टर-ट्रालियों की कतार लग गई। कतार इतनी लंबी थी कि कुंडली से लेकर मुरथल से आगे तक जीटी रोड पूरी तरह से जाम हो गया। दोपहर तक गांव रसोई तक जीटी रोड लगभग खाली हो चुका था। किसान नेताओं ने एलान किया था कि परेड से वापस आने के बाद कोई किसान वापस नहीं जाएगा, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में किसानों की वापसी से किसान नेता चिंतित हो उठे। तत्काल वापस लौट रहे किसानों को समझाने का प्रयास शुरू हुआ और आंदोलन स्थल से वापस हो रहे किसानों को रोकने का काम शुरू हुआ। किसानों को धरनास्थल पर बनाए रखने के लिए किसान नेताओं ने भी अपनी ताकत झोंक दी है।

दिल्ली में भारी उपद्रव के बाद आंदोलन स्थल से किसान पलायन करने लगे हैं। बुधवार को गाजीपुर बॉर्डर पर काफी कम किसान नजर आए। प्रेट्र

कृषि कानून के विरोध में कुंडली बार्डर पर किसान 62 दिन से आंदोलनरत हैं। 26 जनवरी को दिल्ली में ट्रैक्टर परेड के दौरान हुड़दंग के बाद यहां से किसानों की वापसी शुरू हो गई है। इन्हें रोकने के लिए संयुक्त किसान मोर्चे के नेता पूरी ताकत से जुट गए हैं। पहली बार मंच पर मोर्चे के बड़े नेता बलबीर सिंह राजेवाल, बलदेव सिंह सिरसा, गुरनाम सिंह चढ़ूनी, हरजिंदर सिंह टांडा आदि आंदोलन के मुख्य मंच पर एक साथ आए और किसानों को संबोधित कर उनमें जोश भरने का प्रयास किया। मंच से किसानों को धर्म व समाज के नाम पर भावनात्मक रूप से रुकने और आंदोलन को आगे बढ़ाने की अपील की गई।

बलदेव सिंह सिरसा ने कहा कि दो महीने बाद यदि यहां से खाली हाथ लौटे तो घर की मां, बहन और पत्नी भी ताने मारेंगी। उन्होंने सभी को सिख इतिहास और कुर्बानी की याद दिलाई।

गूगल ड्राइव पर गलती से भी ना स्टोर करें प्रतिबंधित चीजें

नई दिल्ली । गूगल ड्राइव इस्तेमाल करते वक्त यूजर्स को सावधानी बरतनी होगी। अगर ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें कंपनी की सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले में त्तश्शद्द्यद्द की तरफ से जानकारी दी गई है। बता दें कि त्तश्शद्द्यद्द ष्ठह्म्द्ब1द्ग में यूजर्स अपनी कई सारी पर्सनल जानकारियों को स्टोर करते हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले जान लें कि आखिर किन चीजों को त्तश्शद्द्यद्द ष्ठह्म्द्ब1द्ग पर स्टोर नहीं करना चाहिए, जो कि कंपनी के नियमों के खिलाफ है। कंपनी की ओर से इस मामले में मालवेयर, कॉपीराइट और अश्लील सामग्री के वितरण पर रोक की अपनी नीति को स्पष्ट किया है। त्तश्शद्द्यद्द कंपनी ने अवैध सॉफ्टवेयर लाइसेंस, फिल्म, गेम और अश्लील सामग्रियों के प्रसार से चिंतित गूगल ने बुधवार को कहा कि वह इसे बहुत गंभीरता से ले रही है। कंपनी ने चेतावनी दी है कि अगर उसकी नीतियों के खिलाफ कोई सामग्री

गूगल के प्रवक्ता ने आइएएनएस से कहा, ड्राइव की स्पष्ट नीति है कि उस सामग्री के वितरण पर रोक लगाएं जिसमें मालवेयर, कॉपीराइट और अश्लील सामग्री शामिल है। प्रवक्ता ने आगे कहा, हम इन मुद्दों को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। जब सामग्री हमारी दुर्व्यवहार कार्यक्रम नीतियों के खिलाफ होगी, तब हम उचित कार्रवाई करेंगे।

पाई जाती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। आइएएनएस ने पहले ही यह जानकारी दी थी कि इंटरनेट पर लोगों द्वारा अवैध सॉफ्टरवेयर लाइसेंस, फिल्में, गेम्स और अश्लील सामग्रियां धड़ल्ले से रखी और साझा की जा रही हैं। इस तरह की समाग्रियों को गूगल सर्च पर भी डाल दिया गया है और गूगल ड्राइव का उपयोग करने वाले कुछ लोगों ने अपने व्यक्तिगत अकाउंट में इस तरह की सामग्रियों से जुड़े लिंक को सार्वजनिक किया है। गूगल के प्रवक्ता ने आइएएनएस से कहा, ड्राइव की स्पष्ट नीति है कि उस सामग्री के वितरण पर रोक लगाएं जिसमें मालवेयर, कॉपीराइट और अश्लील सामग्री शामिल है। प्रवक्ता ने आगे कहा, हम इन मुद्दों को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। जब सामग्री हमारी दुर्व्यवहार कार्यक्रम नीतियों के खिलाफ होगी, तब हम उचित कार्रवाई करेंगे। साइबर सुरक्षा पर शोध करने वाले राजशेखर राजहरिया ने कहा कि गूगल ड्राइव के जरिये जिप कंप्रेस्ड फाइल में इस तरह की हजारों सामग्रियां प्रसार में हैं। उन्होंने कहा कि पॉर्न वीडियो के अलावा 25 से 30 हजार लिंक भी अवैध रूप से साझा किए जा रहे हैं, जो मालवेयर, सॉफ्टवेयर, फिल्में, गेम्स और अन्य तरह से संबंधित हैं।

संपादकीय

टीके से इतिहास रचता भारत

कोविड-19 के खिलाफ दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की आज शुरुआत हो रही है। इससे भारत विश्व के उन अग्रणी देशों में शुमार हो गया है, जहां विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है। पहले हम ऐसी उपलब्धियों के लिए पश्चिम का मुंह ताका करते थे, और कभी-कभी दशकों बाद हम इनका लाभ ले पाते थे। मगर अब हमारे वैज्ञानिक इस हैसियत में हैं कि वे अपनी सफलता दूसरे देशों से साझा कर सकेंगे। लिहाजा, देश के लिए प्रसन्नता के साथ-साथ यह गर्व का दिन है। इस मुकाम तक पहुंचना जितना कठिन था, आगे की राह भी उतनी ही चुनौतीपूर्ण है। पहली चुनौती इतनी बड़ी आबादी को एक साथ टीका लगाने की है। आमतौर पर यह देश साल भर में पांच से छह करोड़ जरूरतमंदों का टीकाकरण करता है। इनमें से आधे बच्चे होते हैं और शेष महिलाएं, विशेषकर गर्भवती माएं। यह पहला मौका है, जब वयस्कों को टीका दिया जाएगा। अगले चार महीने में लगभग 30 करोड़ लोगों को टीका लगाने की योजना है। इसका अर्थ है कि मौजूदा क्षमता से छह गुना अधिक टीके लगाए जाएंगे, जो एक बड़ा काम है। अच्छी बात यह है कि पोलियो और खसरा-रूबेला के टीकाकरण अभियान का अनुभव हमारे पास है। इससे हमें पता है कि एक बड़ी आबादी को एक साथ कैसे टीका लगाया जा सकता है? मसलन, पोलियो अभियान के तहत चार-पांच दिनों के भीतर देश के करीब 17 करोड़ बच्चों को इसकी खुराक दी जाती है, जबकि खसरा-रूबेला से बचाव के लिए 15 साल से कम उम्र के 42 करोड़ बच्चों को टीका दिया गया। जाहिर है, यह बहुमूल्य अनुभव है, जो कोरोना के खिलाफ हमारे टीकाकरण अभियान में खूब काम आएगा।

दूसरी चुनौती, टीकाकरण को सुनिश्चित करने, यानी प्राथमिकता समूह के हर इंसान को टीके लगाने की है। मानव शरीर कोरोना वायरस के खिलाफ तभी प्रतिरोधक क्षमता विकसित करेगा, जब वैक्सीन की दोनों खुराक उसे दी जाएगी। अपने यहां बच्चों के लिए टीकाकरण-कार्ड उपलब्ध है, लेकिन वयस्कों के लिए ऐसी कोई परंपरा नहीं रही है। इस चुनौती से पार पाने के लिए एक खास तरीका अपनाया गया है। टीकाकरण केंद्रों पर टीके की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हमारे पास पहले से एक सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म है, जिससे केंद्रीय एजेंसियां सीधे निगरानी कर सकती हैं। साथ ही, 29,000 कोल्ड चेन भी हैं। इसमें नया बदलाव यह किया गया है कि जिसको टीका लगाया जाएगा, उसे भी इस प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। यह को-वीन एप के माध्यम से हो रहा है। अभी भले ही हर व्यक्ति इस एप का इस्तेमाल नहीं कर सकता, लेकिन जल्द ही यह सबके लिए उपलब्ध हो जाएगा। इसके साथ-साथ देशव्यापी एईएफआई सर्विलांस तंत्र भी बनाया गया है, जो टीका लगे व्यक्ति में किसी तरह के नकारात्मक असर होने पर तुरंत सक्रिय हो जाएगा। ऐसा सिस्टम पहले से अपने यहां मौजूद है, लेकिन इस बार वयस्कों को टीका लगाया जाना है, इसलिए इस टीम में वयस्कों के विशेषज्ञ डॉक्टरों को भी शामिल किया गया है। यह टीम किसी भी प्रतिकूल असर या घटना पर तुरंत हरकत में आ जाएगी। तीसरी चुनौती है, कम वक्त में अधिक लोगों को टीका लगाना। इस मुश्किल को दूर करने के लिए न सिर्फ टीके की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी, बल्कि आम लोगों तक इसे पहुंचाया भी जाएगा। उम्मीद है, अगले तीन-चार महीने में प्राथमिकता सूची के तमाम लोगों को टीका लगा दिया जाएगा। फिर, जिस तरह से कई कंपनियां टीका बनाने की दिशा में अग्रसर हैं, उनसे यह भरोसा है कि इस साल भारत में छह-सात वैक्सीन को अनुमति मिल सकती है। इसी कारण, 2021 की आखिरी छमाही में बाजार में भी वैक्सीन के आने की बात कही जा रही है। चौथी चुनौती, आम लोगों के मन में टीकों के प्रति पनप रही शंकाओं को दूर करने की है। सरकार ने एक कम्यूनिकेशन प्रोग्राम बनाया है, जिसके तहत आशा और आंगनबाड़ी सेविकाओं व सार्वजनिक सूचना के माध्यमों द्वारा लोगों के संदेह दूर किए जा रहे हैं। यह समझना होगा कि किसी भी टीके को कई आयाम पर परखने के बाद इस्तेमाल की अनुमति मिलती है, जिनमें तीन महत्वपूर्ण हैं। पहला, टीका सुरक्षित है अथवा नहीं? दूसरा, यह शरीर में कितनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता विकसित करता है? और तीसरा, एक बड़ी आबादी पर यह कितना प्रभावी है? कोविशील्ड और कोवैक्सीन को भी इन सवालों से गुजरना पड़ा है। आंकड़े बताते हैं कि दोनों टीके मानव शरीर के लिए सुरक्षित हैं, और ये दोनों पर्याप्त मात्रा में प्रतिरोधक-क्षमता विकसित करते हैं। बस एक अंतर यह है कि कोविशील्ड की प्रभावशीलता हमें पता है, जबकि कोवैक्सीन की उतनी नहीं। इसका पता भी अगले दो महीनों में चल जाएगा। इसी कारण टीकाकरण-केंद्रों पर यह सहमति पत्र का विकल्प दिया गया है कि अगर कोई कोवैक्सीन नहीं लगवाना चाहता, तो उसे कतई बाध्य नहीं किया जाएगा। टीका को ऐच्छिक बनाया गया है, अनिवार्य नहीं। किस केंद्र पर कौन-सा टीका उपलब्ध है, इसकी जानकारी पहले से लोगों को दे दी जाएगी। पहली खुराक के 28 दिन के बाद टीके की दूसरी खुराक लगाई जाएगी और उसके दो हफ्ते के बाद शरीर कोरोना वायरस के खिलाफ तैयार हो जाएगा। ये टीके कोरोना के तमाम स्ट्रेन पर कारगर भी माने गए हैं। कुल मिलाकर, आज हम एक इतिहास रचने जा रहे हैं। देश ने इस टीकाकरण अभियान की अभूतपूर्व तैयारी की है। इससे पहले शायद ही किसी अभियान में ड्राई-रन के रूप में जिला स्तर तक तीन-चार बार पूर्वाभ्यास किया गया हो। इसकी वजह भी है। पहले चरण के टीकाकरण अभियान की सफलता बहुत मायने रखती है। खासतौर से, निम्न और मध्यम आय वाले देशों की नजर हम पर है। विभिन्न स्रोतों से मिल रही सूचनाओं की मानें, तो अभी 65-70 देश हमसे वैक्सीन मांग रहे हैं। विकसित देशों के लिए भी हम उम्मीद हैं, क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर किसी राष्ट्र ने टीकाकरण अभियान नहीं चलाया है। जाहिर है, भारत अगुवाई वाला देश बन गया है, और टीकाकरण अभियान की सफलता से उसकी हैसियत में खासा इजाफा होगा। विज्ञान और मजबूत इच्छाशक्ति से हमें यह रुतबा मिलने जा रहा है।

प्रवीण कुमार सिंह

कोरोना महामारी की मार से ग्रस्त अर्थव्यवस्था के दौर में देश के आम बजट से लोगों की उम्मीदें बढ़ना स्वाभाविक

इससे विदेशी वस्तुओं के उपभोग में कमी आएगी। इसका प्रभाव यही होगा कि बाजार में घरेलू वस्तुओं की मांग बढ़ेगी जिससे घरेलू उत्पादन, रोजगार सृजन और मांग का सुचक्र स्थापित होगा। इन कदमों से हम 10 से 12 प्रतिशत तक आर्थिक विकास दर हासिल कर सकते हैं। सरकार को तय करना होगा कि राजनीतिक दृष्टि से उसके लिए उच्च वर्ग का वित्तीय समर्थन अधिक लाभप्रद है या आम जनता के वोट। हेलीकॉप्टर मनी के वितरण से सरकार को उसी प्रकार का राजनीतिक लाभ होगा जैसा कांग्रेस को 2009 के चुनाव में मनरेगा लागू करने से हुआ था।

कुछ दिन बाद देश का आम बजट पेश होना है। कोरोना की मार से ग्रस्त अर्थव्यवस्था के इस दौर में बजट से उम्मीदें बढ़ना और स्वाभाविक है। ऐसे में कुछ अपेक्षाओं को लेकर सरकार को अपने सुझावों से अवगत कराना उपयोगी होगा। बजट मूल रूप से सरकार के आय एवं व्यय का ब्योरा ही होता है तो हमारे सुझावों की दिशा भी उसी प्रकार से निर्धारित होगी। पहले आमदनी की तस्वीर पर ही गौर करते हैं। चूंकि नया बजट अनुमान आधारित होता है तो आय-व्यय के लिए हमें पिछले वित्त वर्ष यानी 2019-20 के आंकड़ों को ही आधार बनाना होगा। वर्ष 2019-20 में केंद्र सरकार को कॉरपोरेट इनकम टैक्स से 3.1 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। मेरा पहला सुझाव यही है कि इसमें बढ़ोतरी कर उसके माध्यम से चार लाख करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा जाए। संभव है कि इससे देसी उद्यमी कम टैक्स वाले देशों का रुख कर सकते हैं तो हमें उन देशों के साथ दोहरे कराधान वाले समझौतों में कुछ बदलाव करना होगा। बजट को लेकर दूसरा सुझाव व्यक्तिगत आयकर की दर से जुड़ा है। वर्ष 2019-20 में सरकार को इससे 2.8 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिला। इसकी दर भी बढ़ाकर इससे चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। हालांकि इससे उच्च एवं मध्यम वर्ग की आय और उनके द्वारा उत्पन्न मांग प्रभावित होगी, पर उसकी भरपाई दूसरे विकल्पों से संभव है जिनकी चर्चा आगे होगी।

तीसरा सुझाव जीएसटी की दर का है। वर्ष 2019-20 में केंद्र को इस श्रोत से 6.1 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। इसकी दर घटाकर इसे भी चार लाख करोड़ रुपये के संग्रह वाले लक्ष्य से जोड़ा जाए। इससे आम आदमी को राहत मिलेगी और मांग बढ़ेगी। चौथा सुझाव आयात कर की दर का है। वर्ष

2019-20 में सरकार को इससे 60 हजार करोड़ रुपये मिले। इसकी दर तीन गुना बढ़ा देनी चाहिए जिससे कि इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिले। आयात कर बढ़ाने से घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे, बाजार में मांग बढ़ेगी और घरेलू अर्थव्यवस्था चल निकलेगी।

पांचवां सुझाव केंद्रीय एक्साइज ड्यूटी का है। वर्ष 2019-20 में केंद्र को इससे 2.5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिला। इसकी दर बढ़ा दी जाए जिससे कि इससे भी चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिले। इस मद में अधिकांश हिस्सा पेट्रोलियम पदार्थों का होता है। उनके दाम बढ़ने से आम आदमी को झटका लगेगा, लेकिन इसकी भरपाई जीएसटी की दर घटाने एवं अन्य तरीकों से संभव हो सकती है। इससे पेट्रो उत्पादों की मांग घटेगी और उनके आयात में कमी आएगी। विदेशी व्यापार संतुलित होगा। रुपये का मूल्य चढ़ेगा। इनके अतिरिक्त केंद्र को अन्य मदों से 4.3 लाख करोड़ और ऋणों से 7.7 लाख करोड़ रुपये मिले। इन्हें यथावत रहने दें। इस प्रकार 2019-20 में सरकार का जो बजट 27 लाख करोड़ रुपये रहा उसकी तुलना में आगामी वित्त वर्ष के लिए सरकार को 30 लाख करोड़ रुपये की रकम उपलब्ध हो जाएगी।

अब खर्च की तरफ ध्यान दें। रक्षा बजट 2019-20 में चार लाख करोड़ रुपये था। इसे बढ़ाकर सात लाख करोड़ रुपये कर देना चाहिए, क्योंकि देश की सीमाओं पर संकट विद्यमान है। 2019-20 में संचार एवं विज्ञान के क्षेत्रों में 60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए जिसे पांच गुना बढ़ाकर तीन लाख करोड़ रुपये कर देना चाहिए ताकि देश में नई तकनीकों के आविष्कार को प्रोत्साहन मिले। गृह मंत्रालय का खर्च 2019-20 में 1.4 लाख करोड़ रुपये था। इसे पूर्ववत बनाए रखा जाए, क्योंकि आंतरिक सुरक्षा महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य पर सरकार ने 60 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जिसे कायम रखा जाए। इसमें परिवर्तन यही करना चाहिए कि विशेष लोगों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं को समाप्त करके बचाई रकम को कोविड तथा अन्य बीमारियों पर शोध में लगा देना चाहिए।

इनके बाद दो प्रकार के अन्य मंत्रालय आते हैं। पहले बुनियादी संरचना वाले मंत्रालय जैसे सड़क, बिजली, रेलवे इत्यादि। इनके खर्चों को आधा कर देना चाहिए और हाईवे आदि के निर्माण को एक वर्ष के लिए स्थगित कर देना चाहिए। अभी देश के लिए सबसे अधिक आवश्यक बाजार में मांग उत्पन्न करना है।

मंत्रालयों की श्रेणी में दूसरे मंत्रालय कल्याणकारी उद्देश्य से जुड़े हैं। जैसे खाद्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास आदि। उनके खर्चों को भी आधा कर देना चाहिए। इन मंत्रालयों का काम केवल सार्वजनिक कार्यों को संपादित करने का रह जाना चाहिए। केंद्रीय विद्यालयों का निजीकरण करके भी रकम बचाई जा सकती है। इन दोनों प्रकार के सभी अन्य मंत्रालयों पर 2019-20 में 20 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए थे जिसे घटाकर 10 लाख करोड़ कर देना चाहिए।

उपरोक्त सभी खर्चों का योग 22 लाख करोड़ होता है। वहीं सरकार की आय हमने 30 लाख करोड़ आंकी थी। ऐसे में शेष आठ लाख करोड़ की जो रकम बचती है उसे देश के प्रत्येक नागरिक के बैंक खाते में सीधे प्रति माह हस्तांतरित कर देनी चाहिए। इस रकम से 140 करोड़ लोगों को प्रतिमाह करीब 500 रुपये दिए जा सकते हैं जो पांच व्यक्तियों में परिवार में 2,500 रुपये तक हो सकते हैं। इसे 'हेलीकॉप्टर मनी' कहा जाता है। मानो किसी हेलीकॉप्टर से आपके घर में रकम पहुंचा दी जाए। आठ लाख करोड़ की इस विशाल राशि के सीधे लोगों के हाथ में पहुंचने से मांग में तेजी आएगी। इसके साथ ही यदि आयात कर भी बढ़ा दिया जाए तो बढ़ी मांग की पूर्ति के लिए घरेलू उत्पादन में स्वतः बढ़ोतरी होगी। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। वहीं आम लोगों को कल्याणकारी योजनाओं की बंदी से हुए नुकसान की भरपाई प्रत्यक्ष मदद से पूरी हो जाएगी।

मूल बात यही है कि सरकारी खर्च को उच्च वर्ग से हटाकर आम वर्ग की ओर मोड़ना चाहिए। इससे विदेशी वस्तुओं के उपभोग में कमी आएगी। इसका प्रभाव यही होगा कि बाजार में घरेलू वस्तुओं की मांग बढ़ेगी जिससे घरेलू उत्पादन, रोजगार सृजन और मांग का सुचक्र स्थापित होगा। इन कदमों से हम 10 से 12 प्रतिशत तक आर्थिक विकास दर हासिल कर सकते हैं। सरकार को तय करना होगा कि राजनीतिक दृष्टि से उसके लिए उच्च वर्ग का वित्तीय समर्थन अधिक लाभप्रद है या आम जनता के वोट। हेलीकॉप्टर मनी के वितरण से सरकार को उसी प्रकार का राजनीतिक लाभ होगा जैसा कांग्रेस को 2009 के चुनाव में मनरेगा लागू करने से हुआ था।

टीके की नाक में दम: हमारे देश में विज्ञान बड़ा है या राजनीति, कोरोना का वायरस भी कन्फ्यूज

हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत रंग लाई है। अंततः सफल परीक्षण के उपरांत कोरोना का टीका आ ही गया जिसके टीकाकरण की तारीख भी आ गई है। अब जब टीका आ ही गया है तो पीछे-पीछे टिप्पणी को भी आना ही था। टीका और टिप्पणी का चोली-दामन का साथ जो ठहरा। वह भी आ ली। यह टिप्पणी अकेली नहीं आई है। जितने मुंह, उतनी टिप्पणियां। विपक्ष कुछ यादा ही मुखर है। विपक्ष का धर्म ही यही होता है। तुम दिन को अगर दिन कहोगे, वह रात कहेंगे। अब बहस इस बात को लेकर होनी चाहिए कि हमारे देश में विज्ञान बड़ा है या राजनीति! कोरोना का वायरस भी कन्फ्यूज हो गया है कि हाय, किस बुरी घड़ी में मैं इस देश में आया? एक तरफ 'टीका' उसके प्रयोग और प्रसार के स्वाद को 'फीका' बना रहा है, दूसरी तरफ यहां के राजनीतिक दल उस टीके की ही नाक में दम किए पड़े हैं। वहीं यह कोरोना का वायरस कितने भी रूप बदल ले। इसका नया स्ट्रेन आ धमके, लेकिन इसको हमारे देश की प्रतिक्षण रंग बदलने वाली राजनीति के सम्मुख मुस्कुराते हुए नतमस्तक होना ही पड़ेगा। इस नए ईजाद हुए टीके को भी एक अलग प्रकार के प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। वह मानव शरीर की इम्युनिटी को भले ही न भेद पाए, किंतु उसको हमारे कुछ राजनेताओं की प्रतिरोधक क्षमताओं से दो-दो हाथ जरूर करने पड़ रहे हैं।

इस महामारी का इलाज तो आने वाले समय में फिर भी संभव है, परंतु संशय की महामारी का उपचार हकीम लुकमान भी आज तलक नहीं ढूंढ पाए हैं। यदि जानबूझकर किसी शंका को विस्तार दिया जाए तो उसे एक कोरी अफवाह मानकर हवा में उड़ा देना ही हितकर हुआ करता है।

भले ही कोरोना का यह टीका 'विज्ञान' की प्रयोगशाला में सफल हो गया है, किंतु इसको अब राजनीति के अधकचरे 'ज्ञान' की प्रयोगशाला से होकर गुजरना पड़ रहा है। ज्ञानी जन बिना मास्क लगाए और बिना हाथ धोए इस टीके के पीछे पड़ गए हैं। इधर कोरोना के टीके की आमद हुई है, इधर इन लोगों को कोरोना से अधिक उसके इस टीके से खतरे की बू आने लगी है। यह कोरोना का वायरस तो लॉकडाउन की सख्ती और ताली-थाली की आवाज से भी उतना भयभीत नहीं हुआ था, जितना यह सोचकर डरा हुआ है कि एक बार राजनीति के हत्थे चढ़ गया है तो फिर उसका वह हश्र होगा कि वह किसी भी व्यक्ति से खुद ही दो गज की दूरी बना लेने में ही अपनी खैर समझेगा।

दरअसल हम वो लोग हैं जो तीसरे से बाद में भिड़ते हैं, पहले खुद में दो-दो हाथ करते हैं और अपनी भुजाओं के दमखम की जांच करते है। हमारी दवा कंपनियां तक बाजार में उतरने से पहले ही ताल ठोकने लग पड़ी हैं कि हमारी वाली वैक्सीन तुम्हारी वाली वैक्सीन से अधिक कारगर है। बाजार के लिए प्रतिद्वंद्विता का पकवान बनाना अच्छी बात होती है, लेकिन इसमें भी नैतिकता का न्यूनतम नमक मिला रहे तो उसका स्वाद बढ़ जाता है।

वैसे यह टीकाकरण हमारे लिए कोई नई बात तो है नहीं। खसरा, चेचक, बीसीजी के टीके लगते ही रहते हैं। हां, कुछ बचे इंजेक्शन वाली सुई देखते ही रोना-गाना शुरू कर देते हैं, यह दीगर बात है। वही बचे जब वयस्क हो जाते हैं तो फिर अपने बचों को सबसे पहले टीका लगवाने ले जाते हैं।

यूं तो एक और प्रकार का टीका भी होता है जो हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक भावना से मिला-जुला है। उसको किसी भी शुभ कार्य से पहले मस्तक पर लगाया जाता है। यह कोरोना का टीका भी लोक मंगल का टीका है। वह अलग बात है कि इसको ललाट पर नहीं, बाजू में लगाया जाना है।

बहरहाल, वैक्सीन बन चुकी है। इस तमाम विरोध-प्रतिरोध के बीच अपने राम कब टीकाराम बनेंगे, उस शुभ घड़ी की प्रतीक्षा में हैं। आम जनता भी खुश है कि नए साल में कोरोना से बचाव का एक कारगर हथियार उसके हाथ लग चुका है। अब सबको अगले शिगूफे का इंतजार है।

विकास का दायरा बढ़ाएं

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का ताजा आकलन इस बात की पुष्टि करता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था उम्मीद से कहीं बेहतर ढंग से वापसी कर रही है। मंगलवार को जारी वर्ल्ड इकनॉमिक आउटलुक अपडेट में आईएमएफ ने कहा है कि साल 2022 में भारत की जीडीपी विकास दर 11.5 फीसदी रहेगी। ध्यान रहे, आईएमएफ ने बीते अक्टूबर में तत्कालीन स्थितियों को देखते हुए 2022 में भारत की विकास दर 8.8 फीसदी रहने का अनुमान व्यक्त किया था। जाहिर है, इन तीन महीनों में महामारी और अर्थव्यवस्था, दोनों मोर्चों पर भारत के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत आगे की यह उत्साहवर्धक तस्वीर सामने आ पाई है। हालांकि साल 2021 में यह अनुमान देश की जीडीपी में 8 फीसदी की गिरावट दिखा रहा है।

इस लिहाज से देखा जाए तो 11.5 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी के पीछे यह तथ्य भी है कि यह काफी नीची बुनियाद पर हासिल की जाएगी। फिर भी यह बढ़ोतरी हर लिहाज से अच्छी ही कही जाएगी। सवाल यह है कि क्या तेज विकास दर के ये संभावित आंकड़े देशवासियों के हर हिस्से के लिए एक जैसी, या लगभग बराबर की खुशी ला पाएंगे? यह सवाल पूछने की जरूरत इसलिए आ पड़ी क्योंकि इसी हफ्ते जारी हुई ऑक्सफैम की एक रिपोर्ट बताती है कि कोरोना और लॉकडाउन जैसी सर्वव्यापी समस्या भी भारतीयों के हर हिस्से के लिए समान रूप से हानिकर नहीं सिद्ध हुई। ऑक्सफैम की सालाना विषमता रिपोर्ट, जिसे इस बार 'इनइक्वलिटी वायरस रिपोर्ट' नाम दिया गया है, बताती है कि लॉकडाउन के दौरान जब देश के ज्यादातर लोग नौकरी जाने या सैलरी में कटौती होने जैसी दिक्कतें झेल रहे थे, तब देश के सुपर रिच क्लब की संपत्ति में 35 फीसदी का इजाफा दर्ज किया जा रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में टॉप के एक सौ अरबपतियों की संपत्ति में लॉकडाउन के दौरान जो बढ़ोतरी हुई है, वह इतनी है कि देश के सबसे गरीब माने जाने वाले 13.8 लाख परिवारों में बांट दी जाए तो हरेक के हिस्से 94,045 रुपये आएंगे। साफ है कि हमारी आर्थिक व्यवस्था की बनावट कुछ ऐसी हो गई है जिसमें इसके मजबूत और कमजोर हिस्सों की दूरी दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। विषमता का स्तर अब ऐसा हो गया है कि इनके सुख-दुख का एक-दूसरे से कुछ लेना-देना ही नहीं रह गया है। अगर एक तबके को तहस-नहस कर देने वाली आर्थिक तबाही के बीच दूसरे तबके के विकास की तूफानी रफ्तार देखने को मिलती है तो फिर क्या गारंटी है कि 2022 में दिखने वाली तेज विकास दर का फायदा भी समर्थ तबके तक ही न सिमटकर रह जाए? वित्त मंत्री अगले सोमवार को देश का नया बजट संसद में पेश करने जा रही हैं। उनसे उम्मीद रहेगी कि वह केवल तेज विकास को अपना मकसद न मानते हुए बजट में कुछ ऐसे प्रावधान भी करेंगी जो हमें अधिक समतामूलक विकास की ओर ले जाएं।

भारत के लिए जरूरी खाड़ी देशों में स्थिरता, खाड़ी सहयोग परिषद से पाकिस्तान पर बनेगा दबाव

इसलिए भारत को एक साथ सऊदी अरब और ईरान से अच्छे संबंधों को बना कर रखने की चुनौती रही है, क्योंकि दोनों देश एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। वहीं कतर भारत के लिए एलएनजी प्राप्ति का सबसे बड़ा स्नोत रहा है, लिहाजा कतर राजनीतिक संकट का प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ना स्वाभाविक है। इसलिए भारत का यह दृष्टिकोण रहा है कि खाड़ी क्षेत्र में किसी भी समस्या का राजनीतिक और शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए और इन देशों के मध्य विश्वास निर्माण बहाली के हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए।

हाल ही में इस्लामिक देशों की बहुलता वाले खाड़ी क्षेत्र में ऐसी घटना हुई है जो इस क्षेत्र की स्थिरता और खाड़ी देशों के वैश्विक व क्षेत्रीय ताकतों से संबंधों को बड़े स्तर पर प्रभावित करने वाली है। दरअसल खाड़ी सहयोग संगठन के सुप्रीम काउंसिल के 41वें सत्र की सऊदी अरब में हुई बैठक से ठीक पहले सऊदी अरब ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए खाड़ी देश कतर पर लगाए गए राजनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक प्रतिबंधों को हटा लिया और कतर के लिए अपने स्थल, समुद्री और वायु सीमा को खोलने का निर्णय कर लिया।

इसके अलावा, सऊदी अरब ने कतर को जीसीसी समिट यानी गल्फ कॉपरेशन काउंसिल की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित भी कर दिया। इससे अब संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और इजिप्ट (मिस्न) जैसे देशों के मन में भी कतर के प्रति दुर्भावना और बढ़ी खाई भर गई है। चारों देशों ने कतर के साथ अपने संबंधों की पुनर्बहाली का निर्णय लिया है, क्योंकि ऐसा करना खाड़ी क्षेत्र के एकीकरण, स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग के लिए अत्यंत जरूरी है।

गौरतलब है कि वर्ष 2017 में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और इजिप्ट ने कतर के साथ अपने आर्थिक और कूटनीतिक संबंध खत्म कर लिए थे। तब कतर पर यह आरोप लगाया गया था कि वह कुछ आतंकी समूहों को हर स्तर पर सहयोग देकर खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डाल रहा है। कतर पर यह आरोप लगता रहा है कि वह इजिप्ट में अस्थिरता फैलाने

वाले आतंकी संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड को समर्थन प्रदान करता है। जिन चारों देशों ने कतर के साथ रिश्ते खत्म किए थे, उन सभी ने समय समय पर कतर पर हमास, अल कायदा और आइएस जैसे आतंकी संगठनों को समर्थन देने के आरोप लगाए हैं। इन देशों ने कतर पर जो प्रतिबंध लगाए, उसे हटाने के लिए कई शर्तें रखी थीं, जिनमें शामिल थे- अल जजीरा और कतर वित्त पोषित न्यूज आउलेट्स को बंद करना, ईरान के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों को तोड़ना, कतर में तुर्की के सैन्य अड्डे को बंद करना और अन्य खाड़ी देशों के आंतरिक मामलों में कतर द्वारा हस्तक्षेप नहीं करना। दरअलस कतर के ईरान से निकट संबंध भी सऊदी अरब, यूएई, बहरीन और इजिप्ट को रास नहीं आते थे। वैसे भी कुछ वर्ष पूर्व ईरान समर्थित हिजबुल्ला नामक आतंकी संगठन पर खाड़ी सहयोग संगठन ने प्रतिबंध लगा दिया था।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को अब एहसास होने लगा है कि अधिक समय तक कतर का आर्थिक और राजनयिक बहिष्कार कतर को तुर्की और ईरान के ज्यादा नजदीक लाकर खड़ा कर देगा और हाल के समय में चीन व ईरान की बढ़ती नजदीकी के घेरे में भी कतर को लेने के प्रयास से खाड़ी क्षेत्र की प्रादेशिक अखंडता और इस्लामिक सोलिडेरिटी को गहरा झटका लगेगा। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और इजिप्ट आपस में सहयोगी हैं और इन्हें यह बात समझ में आ गई है कि इस्लामिक विश्व या अरब विश्व के दो सबसे बड़े प्रतिनिधियों सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के इस्लामिक वर्चस्व को तोड़ने के लिए कई ताकतें लामबंद होनी शुरू हो गई हैं, जिसमें मुख्य रूप से ईरान, तुर्की और मलेशिया जैसे देश शामिल हैं, ऐसे में खाड़ी देश कतर का इस लामबंदी से जुड़ना खाड़ी क्षेत्र और खासकर सऊदी अरब की प्रतिष्ठा के लिहाज से ठीक नहीं होगा। यही कारण है कि जीसीसी समिट में उद्घोषणा करते हुए सऊदी अरब, यूएई, बहरीन और मिस्न ने खाड़ी क्षेत्र के एकीकरण व अरब और इस्लामिक एकता के नाम पर चारों देशों ने कतर के साथ अपने संबंधों को सामान्य करने का निर्णय किया। इसके साथ ही अब इन पांचों देशों में राजनयिक और आर्थिक संबंधों की पुनर्बहाली हो गई है। कुवैत और अमेरिका ने इस विवाद के समाधान में मध्यस्थता की भूमिका निभाई है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रभाग और इंडिया स्पेंड की रिपोर्ट को देखें तो पूरी दुनिया में सबसे बड़ी डायस्पोरा कम्युनिटी भारतीय आप्रवासियों की है। सबसे अधिक आप्रवासी भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं। इन देशों में कामगार भारतीयों की संख्या लगभग 1.6 करोड़ है। दुनियाभर में करीब तीन करोड़ आप्रवासी भारतीयों की संख्या है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018 में आप्रवासी भारतीयों के द्वारा 80 अरब डॉलर का रेमिटेंस यानी वित्त प्रेषण किया गया है। यूएई में अकेले लगभग 35 लाख भारतीय कार्यरत हैं। वहीं सऊदी अरब में 25 लाख, ओमान और कुवैत दोनों में क्रमशः 15-15 लाख आप्रवासी भारतीय कार्यरत हैं। इस्लामिक सहयोग संगठन और भारत = अरब विश्व के साथ अच्छे संबंधों को बढ़ावा देना भारत की विदेश नीति का एक प्रमुख लक्ष्य रहा है, लेकिन खाड़ी देशों, मध्य पूर्व अथवा पश्चिम एशिया के इस्लामिक देशों के साथ भारत के संबंधों में समय समय पर उतार चढ़ाव देखे गए हैं। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने जहां खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंधों पर जोर दिया, वहीं दूसरी तरफ भारत के नागरिकता संशोधन अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से उपजे विरोध प्रदर्शन, दंगे और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के हितों के प्रश्नों पर कई इस्लामिक देशों सहित खाड़ी देशों में एक असंतोष की भावना भड़काने का प्रयास किया गया जिससे कुछ खाड़ी देशों जैसे कुवैत ने इस्लामिक सहयोग संगठन से मांग कर दी कि भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के संरक्षण के मामले को उसे संज्ञान में लेना चाहिए।

खाड़ी सहयोग परिषद भारत का सबसे बड़ा क्षेत्रीय व्यापारिक साझेदार रहा है। वर्ष 2018-19 में दोनों के मध्य 121 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ है। इसमें भी संयुक्त अरब अमीरात के साथ 60 अरब और सऊदी अरब के साथ 34 अरब डॉलर का द्विपक्षीय वार्षिक व्यापार हुआ है। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़े स्तर पर खाड़ी देशों पर निर्भर है। भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 20 प्रतिशत सऊदी अरब से और 10 प्रतिशत ईरान से आता है। इसलिए भारत को एक साथ सऊदी अरब और ईरान से अच्छे संबंधों को बना कर रखने की चुनौती रही है, क्योंकि दोनों देश एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। वहीं कतर भारत के लिए एलएनजी प्राप्ति का सबसे बड़ा स्नोत रहा है, लिहाजा कतर राजनीतिक संकट का प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ना स्वाभाविक है। इसलिए भारत का यह दृष्टिकोण रहा है कि खाड़ी क्षेत्र में किसी भी समस्या का राजनीतिक और शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए और इन देशों के मध्य विश्वास निर्माण बहाली के हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

लाल किले पर हिंसा का आरोपित दीप सिद्धू बोला- किसान नेताओं की परतें खोलने पर आ गया तो भागने को नहीं मिलेगी जगह

चंडीगढ़ । लाल किले पर केसरी और किसानों का झंडा फहराने, तयशुदा रूट से हटकर लाल किले की ओर जाने को लेकर किसान संगठनों ने जिस दीप सिद्धू को आरोपित ठहराया है, उसने आज सुबह तीन बजे अपने फेसबुक पेज पर लाइव होकर किसानों को धमकी दी है। कहा कि अगर वह किसान नेताओं की परतें खोलने पर आ गया तो उन्हें भागने के लिए जगह कम पड़ जाएगी। दीप सिद्धू ने लाल किले पर केसरी व किसानों का झंडा फहराने को सही ठहराते हुए कहा कि यह देश की विविधता का प्रतीक है। हमने राष्ट्रीय ध्वज को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया, बल्कि अपने ध्वज फहराकर सरकार को ताकत दिखाई है और कहा है कि किसान कुछ भी कर सकते हैं, इसलिए उनकी मांगों को पूरा करने की ओर सरकार ध्यान दे।

दीप सिद्धू ने अपने 17 मिनट की वीडियो में कहा है कि मुझे आरएसएस का एजेंट कहा जा रहा है, जबकि मैंने तो खालसायी निशान झुलाया है। कहा कि मुझे गद्दार कहने के बजाय, किसान नेता अपने में खुद झांके। अपनी ईर्ष्या और अहंकार का दिखावा मत करो, ऐसा केवल सरकार करती है। ऐसे में आप में और सरकार में क्या फर्क है। क्या आप भी नहीं चाहते कि आम लोगों में से कोई लीडर उभरे। दीप सिद्धू ने कहा कि 26 जनवरी को निशान साहिब फहराने वाली घटना का किसान यूनियनों को स्वागत करना चाहिए था। वह इसके पक्ष में स्टैंड लेते। हमने पहले भी 26 नवंबर को सरकार के आंख और कान खोले थे, अब एक बार फिर 26 जनवरी को ऐसा करके सरकार की आंखें खोली हैं। अपने भागने के वीडियो के बारे में दीप ने कहा किसान यूनियनों के बंदे मेरे पीछे पड़ गए थे। सिद्धू ने कहा कि 25 की रात को ही संगत ने तय कर दिया था कि हम सरकार द्वारा तय रूट पर नहीं जाएंगे, क्योंकि किसान नेताओं ने हमें कहा था कि 26 जनवरी को दिल्ली में मार्च करेंगे। हम तभी यहां आए हैं। दीप सिद्धू ने कहा कि मैंने तो अपनी स्पीच में भी यह कहा था कि सभी लोगों को साझा फैसला लेना चाहिए। आंदोलन दोफाड़ नहीं होना चाहिए, लेकिन ये किसान नेता मुझे ही गद्दार कह रहे हैं। परतें खोलने पर आ गया तो भागने के लिए राह नहीं मिलेगी।

पंचायत चुनाव में भी विजय के लिए बीजेपी ने शुरू की व्यूह रचना, आज से बड़ा अभियान शुरू

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी अपनी विजय यात्रा बरकरार रखने के लिए भाजपा अपनी व्यूह रचना मजबूत कर लेना चाहती है। इसके लिए मंडल स्तर तक के लिए रणनीति तय की गई है। गुरुवार से संगठन का बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। यूपी बीजेपी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह सहारनपुर से इसकी शुरुआत करेंगे और फिर पार्टी पदाधिकारी लगातार अलग-अलग यानी कुल 1600 संगठनात्मक मंडलों में बैठकें करेंगे। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव के लिए मंडलों को मथने का सिलसिला गुरुवार से शुरू होगा और तीन फरवरी तक चलेगा। पहले दिन प्रदेश अध्यक्ष सहारनपुर के गागलहेड़ी मंडल में बैठक कर चुनावी तैयारियों को परखेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष व पंचायत चुनाव प्रभारी विजय बहादुर पाठक ने बताया कि सभी 1600 ग्रामीण संगठनात्मक मंडलों में बैठकों के माध्यम से चुनाव को लेकर मंत्रणा होगी। पार्टी पदाधिकारी विजय मंत्र के साथ कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इसके साथ ही आगामी दिनों में पार्टी पदाधिकारी मंडल पंचायत चुनाव बैठकों में पार्टी की विजय नीति लेकर पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि मंडल स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में पहले दिन प्रदेश महामंत्री सुब्रत पाठक प्रतापगढ़ के नारायणपुर मंडल, प्रदेश सहसंगठन मंत्री भवानी सिंह कौशांबी जिले के मूरतगंज मंडल और क्षेत्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह गोरखपुर महानगर के खोराबार मंडल की बैठकों में शामिल होंगे। अन्य पदाधिकारी भी अलग-अलग बैठकें करेंगे। छोटी कमेटियों को बड़ी अहमियत देगी भाजपा : राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा द्वारा पन्ना समितियों को महत्व दिए जाने के फार्मूले पर कार्य आरंभ करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पूर्व गठन की तैयारी शुरू की है। नड्डा ने दो दिवसीय दौरे में संगठन विस्तार का नया मंत्र देने के साथ ही कार्यकर्ताओं को समरसता का नया पाठ पढ़ाया। मेरा बूथ सबसे मजबूत और बूथ जीता तो चुनाव जीता जैसे अभियान से एक कदम आगे बढ़ते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को पन्ना समितियों के गठन में लगना होगा। मतदाता सूची के एक पन्ना में दर्ज नामों को संगठन की छोटी इकाई मान कर काम किया जाएगा। अभी तक पन्ना प्रमुख नियुक्त करने की व्यवस्था रही है परंतु अब कमेटी गठन की जाएगी। प्रत्येक समिति में शामिल वोटरों के बीच में सामंजस्य व तालमेल बनाने के लिए नियमित बैठक और सहभोज करने जैसी कार्ययोजना भी समझा गए।

जिलाध्यक्षों को मिलेगी जिम्मेदारी : पन्ना समितियों का गठन करने का जिम्मा जिलाध्यक्षों को सौंपा जाएगा। पंचायत चुनाव की तैयारी के बीच समितियों के गठन का काम भी चलेगा। बूथ संयोजक व मंडल अध्यक्षों को भी इस काम में लगाया जाएगा। मोर्चा व प्रकोष्ठों का गठन पूरा होने के बाद उनको भी इस काम में लगना होगा।

श्रीराम मंदिर के लिए एक दिन में मिले 8.40 करोड़ रुपये, नाथ पीठ ने दिए एक करोड़ एक लाख

गोरखपुर । श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए गोरखपुर के लोगों ने गोरखनाथ मंदिर में हाथ खोलकर दान दिए। मंदिर के तिलक हाल में श्रीराम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान के क्रम में आयोजित कार्यक्रम में नाथ पीठ की ओर से एक करोड़ एक लाख रुपये समेत शहर के उद्योगपतियों और व्यापारियों ने 8.40 करोड़ रुपये की धनराशि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को सौंपी। नाथ पीठ से जुड़े गोरखनाथ मंदिर न्यास की ओर से गोरक्षपीठाधीश?वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 51 लाख रुपये का चेक दिया जबकि पाटेश्वरी शक्तिपीठ देवीपाटन की ओर से महंत मिथिलेश दास ने 50 लाख रुपये का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में चंपत राय ने मंदिर निर्माण की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आइआइटी के विज्ञानी व इंजीनियरों के अध्ययन से पता चला है कि 400 फुट लंबा, 150 मीटर चौड़ा और 12 मीटर की गहराई तक मलबा है। इसे हटाने के साथ ही नींव की संरचना की जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि निर्धारित समय में मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर राममंदिर से नाथ पीठ के जुड़ाव की चर्चा की। इस आंदोलन में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और अवेद्यनाथ के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि मंदिर निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें।

इस आयोजन में इंडिया ग्लाइकाल लिमिटेड ने एक करोड़ 11 लाख, 11 हजार 111 रुपये, उद्योगपति अशोक जालान ने एक करोड़, अमर तुलस्यान ने एक करोड़, स्मार्टव्हील प्राइवेट लिमिटेड 51 लाख, जगदीश आनंद, विकास केजरीवाल और अतुल सर्राफ ने संयुक्त रूप से 51 लाख, जालान कान कास्ट लिमिटेड 32 लाख, ओम मल्टीप्लेक्स 31 लाख, सूरत साड़ी पैलेस के शंभू शाह ने 31 लाख रुपये दान दिए। इस अवसर पर लोकगायक राकेश श्रीवास्तव ने भजन प्रस्तुत किए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि श्रीराम मंदिर निर्माण की हर बाधा दूर कर ली गई है। इसका निर्माण 36 से 39 महीने में पूरा हो जाएगा। यह राष्ट्र का मंदिर है, इसलिए देशवासी इसके निर्माण के लिए बढ़चढ़ कर आगे आ रहे हैं। चंपत राय बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। श्रीराम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान के सिलसिले में गोरखनाथ मंदिर पहुंचे महासचिव ने संवाददाताओं को बताया कि देश की पांच लाख ग्राम पंचायतों, शहर के वार्ड, कस्बा व मोहल्लों से लोग आगे आ रहे हैं। पूरी उम्मीद है कि देश की आधी आबादी मंदिर निर्माण से जुडने़ के लिए तैयार है। जन्मभूमि पर बनने वाले मंदिर के लिए देशवासी स्वेच्छा से समर्पण कर रहे हैं। यह अभियान मकर संक्रांति से शुरू हुआ है, जो रविदास जयंती तक चलेगा। कार्यकर्ता हर घर पर दस्तक देंगे और स्वेच्छा से निधि समर्पण का अनुरोध करेंगे। चंपत राय ने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर बाबा गोरखनाथ की आराधना की और ब्रह्मलीन महंतों के समाधि स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रयागराज संगम तट पर उमड़ा जनसैलाब, पौष पूर्णिमा पर श्रद्धालु लगा रहे आस्था की डुबकी

प्रयागराज । तीर्थराज प्रयाग का संगम तट गुरुवार को पौष पूर्णिमा पर आस्था के जन प्रवाह का साक्षी बना। इसके साथ ही गृहस्थों का अखंड तप कल्पवास गुरुवार की भोर से ही पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ आरंभ हो गया। जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति, पूर्वजों की तृप्ति व मोक्ष की प्राप्ति की संकल्पना साकार करने के लिए संगम तीरे माहभर अर्थात माघी पूर्णिमा (27 फरवरी) तक कल्पवास चलेगा। समस्त आराध्य व पितरों को नमन करके रेती में धूनी रमाकर गृहस्थ तपस्वी की भांति जप-तप, अनुष्ठान व त्याग करेंगे।

कल्पवासी घर-गृहस्थी का मोह छोड़कर प्रयागराज में संगम तट पर आए हैं। कोरोना संक्रमण का भय, भीषण ठंड भी उनकी आस्था नहीं डिगा पाई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम के पवित्र जल में डुबकी लगा रहे हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार संगम की ओर चली आ रही है। संगम व अन्य घाटों पर श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं। प्रशासन के मुताबिक सुबह दस बजे तक लगभग एक लाख श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई है। अब श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ेगी।

पूर्णिमा तिथि 27 जनवरी की रात 12:32 बजे लगकर 28 जनवरी की रात 12:32 बजे तक रहेगी। दिनभर गुरुपष्य नक्षत्र और सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग रहेगा। मकर राशि में सूर्य, गुरु, शुक्र व शनि का संचरण होगा। धर्म सिंधु और निर्णय सिंधु के अनुसार एक राशि में चार ग्रहों का संचरण शुभ व सौभाग्यदायक है। इस पुण्य बेला में संकल्प लेकर अनुष्ठान आरंभ करने वालों की समस्त कामनाएं पूर्ण होंगी। कल्पवास शुरू करने वाले साधकों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। पितर भी तृप्त होंगे।

प्रयागराज में कल्पवास की परंपरा अनादिकाल पुरानी है। इसका महात्म्य प्राचीन काल में किए जाने वाले राजसूय यज्ञ के बराबर माना जाता है।

लोकतांत्रिक युग में पुण्य लाभ की कामना के वशीभूत होकर कल्पवासी यहां आते हैं। उन्हें न सुविधा की फिक्र है, न अव्यवस्था की चिंता। भाव सिर्फ एक है कि उनकी तपस्या में कोई कमी न रहने पाए। कल्पवासी आचार्यनगर, दंडी स्वामीनगर, खाकचौक नगर के अलावा तीर्थपुरोहितोंके शिविर में आसरा ले रहे हैं। गृहस्थ समस्त मोह-माया से मुक्त होकर भजन-पूजन करेंगे। जमीन में घासफूस डालकर उसमें शयन करेंगे। दिन में तीन बार गंगा स्नान, एक समय भोजन व दिनभर धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन, प्रवचन सुनने में समय व्यतीत करेंगे।

ज्योतिर्विद आचार्य देवेंद्र प्रसाद त्रिपाठी बताते हैं कि पद्मपुराण, अग्नि पुराण व स्कंद पुराण में कल्पवास की महिमा का बखान है। बताया गया है कि प्रयागराज में माघ मास में देवता स्वर्गलोक से प्रयागराज आते हैं। यही कारण है कि इस कालखंड में किए गए अनुष्ठान का फल जल्द प्राप्त होता है। एक माह कल्पवास करने वालों की समस्त कामनाएं पूर्ण होती हैं, उनके कुल भी तर जाते हैं। पुराणों में कल्पवास के 21 नियम बताए गए हैं।

यह है कल्पवास के नियम

1-झूठ न बोलना, 2-सदैव सत्य बोलना, 3-घर-गृहस्थी की चिंता से मुक्त रहना, 4-गंगा में सुबह, दोपहर व शाम को स्नान करना, 5-शिविर के बाहर तुलसी का पौधा लगाना व जौ बोना, 6-तुलसी व जौ को प्रतिदिन जल अर्पित करके आरती करना, 7-ब्रह्मचर्य का पालन करना, 8-खुद या पत्नी का बनाया सात्विक भोजन करना, 9-सत्संग में भाग लेना, 10-इंद्रियों में संयम रखना, 11-पितरों का पिंडदान करना, 12-हिंसा से दूर रहना, 13-विलासिता से दूर रहना, 14-परनिंदा न करना, 15-जमीन पर सोना, 16-भोर में जगना, 17-किसी भी परिस्थिति में मेला क्षेत्र न छोडऩा, 18-धार्मिक ग्रंथों व पुस्तकों का पाठ करना, 19-आपस में धार्मिक चर्चा करना, 20-प्रतिदिन संतों को भोजन कराकर दक्षिणा देना, 21-गृहस्थ आश्रम में लौटने के बाद भी कल्पवास के नियम का पालन करेंगे।

करोड़ों के बैंक फ्रॉड में बसपा विधायक विनय शंकर तिवारी की बढ़ी मुश्किलें, ईडी ने दर्ज किया केस

लखनऊ । करोड़ों रुपये के बैंक फ्रॉड के मामले में बसपा विधायक विनय शंकर तिवारी व उनके परिवारीजन की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। करीब 754.24 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड के मामले में सीबीआइ के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी कार्रवाई शुरू की है। ईडी ने सीबीआइ के केस को आधार बनाकर लखनऊ स्थित जोनल कार्यालय में बसपा विधायक समेत अन्य के विरुद्ध प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया है, जिसमें विनय शंकर व उनके परिवारीजन के अलावा करीबियों व सरकारी कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है।

ईडी के जोनल डायरेक्टर राजेश्वर सिंह का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है। ध्यान रहे, इस मामले में 19 अक्टूबर को सीबीआइ ने लखनऊ व नोएडा में विनय शंकर की कंस्ट्रक्शन कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेस लिमिटेड के कार्यालय समेत चार स्थानों पर छापा मारा था।

सीबीआइ ने विधायक विनय शंकर के अलावा उनकी पत्नी रीता तिवारी व रॉयल इंपायर मार्केटिंग प्राइवेट मिमिटेड कंपनी के संचालक अजीत पांडेय समेत अन्य के विरुद्ध केस दर्ज किया था। इस मामले की शिकायत लखनऊ के विभूतिखंड स्थित बैंक आफ इंडिया के स्टार हाउस के जोनल मैनेजर ने की थी। आरोप था कि वर्ष 2012 से 2016 के बीच बैंकों से करोड़ों रुपये का ऋण लिया गया, लेकिन चुकाया नहीं गया।

शिकायत में कंसोर्टियम को लीड करने वाले बैंक ऑफ इंडिया ने 31 प्रमोटर और गारंटर का भी उल्लेख किया है, जिनमें पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी, उनके दोनों बेटों, बेटी व परिवार के कुछ अन्य सदस्यों के नाम भी शामिल हैं। बैंक की फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में पता चला था कि बैंकों के करोड़ों रुपये को हड़पने के लिए कंपनी के प्रमोटर्स और डायरेक्टर्स की मिलीभगत थी। बैंकों में बतौर सिक्योरिटी बंधक रखी गईं 32 संपत्तियों का जिक्र भी आया था।

बिहार में बीजेपी नेता को लगी गोली तो कांग्रेस ने सरकार पर किया हमला, बोली- गद्दी छोड़ें नीतीश कुमार

पटना । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रो. अजफर शमसी को मुंगेर के जमालपुर कॉलेज परिसर में अपराधियों ने बुधवार को गोली मार दी। गंभीर अवस्था मे प्रो. शमशी का पटना में इलाज चल रहा है। राज्य में घटी इस घटना ने कांग्रेस को सरकार पर हमला करने का मौका दे दिया है। उसने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस्तीफा की मांग की है।

नीतीश सरकार की अपराधियों पर पकड़ समाप्त- बिहार कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता अजीत शर्मा ने कहा कि नीतीश सरकार की अपराधियों पर पकड़ समाप्त हो चुकी है। राज्य की गिरती विधि-व्यवस्था को नियंत्रित करना अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके प्रशासन के बूते के बाहर की बात हो चुकी है। नीतीश कुमार को इस्तीफा करना चाहिए, ताकि राज्य में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बने और राज्य के लोग अमन-चैन से जिंदगी बसर कर सकें। अजीत शर्मा ने कहा कि नीतीश कुमार 16 वर्षों से राज्य के मुख्यमंत्री हैं। उनके शासनकाल में अब तक सैकड़ों मासूम लोगों की हत्याएं हो चुकी हैं।

अपहरण, लूट, बैंक डकैती की घटनाएं रोज की कहानी हो चुकी है। राज्य में अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ चुका है कि अब राजनेताओं पर हमले होने लगे हैं।

इधर कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौर ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि हर रोज अखबार के पन्ने हत्या, लूट, दुष्कर्म की खबरों से भरे रहते हैं। अभी रूपेश हत्याकांड की गुत्थी सरकार सुलझा भी नहीं सकी थी कि बीजेपी नेता शमसी की हत्या की कोशिश की गई।

ये घटनाएं सरकार की नाकामी की पोल खोलती हैं। कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अपील की है कि वे बिहार को अपने दागदार शासन से मुक्त करें ताकि राज्य में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में नई सरकार बन सके। यह सरकार अपराधियो को घर से निकाल के सजा दिलवायेगी।

सुशील मोदी बोले-राहुल गांधी को न सत्य से मतलब न अहिंसा से; गांधी का करते हैं राजनीतिक इस्तेमाल

पटना । पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने बुधवार को ट्वीट कर विपक्ष को नसीहत दी है। उन्होंने कहा है कि गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान जिस तरह से उत्पाती भीड़ ने हिंसा, तोडफ़ोड़ और राष्ट्रीय झंडे के अपमान का दुस्साहस किया, उससे इस संदेह की पुष्टि हुई कि किसान आंदोलन को वामपंथी, खालिस्तानी और टुकड़े-टुकडे गैंग ने पूरी तरह हाईजैक कर लिया है। राज्यसभा सदस्य मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी आड़े हाथ लिया है।

राहुल ने क्यों नहीं की हिंसा की निंदा- सुशील मोदी ने लिखा पूरे देश ने दिल्ली में हिंसा का तांडव देखा, लेकिन राहुल गांधी ने न हिंसा और तोडफ़ोड़ की निंदा की, न आंदोलन स्थगित करने की अपील की। राहुल गांधी ने उल्टे हमला कराने का आरोप सरकार पर लगा कर एक बार फिर साबित किया कि उन्हें न सत्य से मतलब है, न अहिंसा से, वे केवल गांधी सरनेम का राजनीतिक इस्तेमाल करते हैं।

आगे लिखा गणतंत्र दिवस की गरिमा को चोट पहुंचाने वाली घटना के बाद राजद को बिहार में 30 जनवरी को प्रस्तावित मानव श्रृंखला रद कर देनी चाहिए। किसान नेताओं को भी पहली फरवरी का संसद मार्च रद कर सरकार के प्रस्तावों पर वार्ता शुरू करनी चाहिए।

ट्वीट में मोदी ने लिखा, पंजाब के संपन्न बिचौलियों ने किसान आंदोलन के नाम पर न केवल सरकार के सभी प्रस्ताव ठुकरा कर गतिरोध और तनाव बनाए रखा, बल्कि देश विरोधी ताकतों से साठगांठ कर भारतीय गणतंत्र के प्रतीक लाल किले पर हमला किया। टैक्टर को टैंक की तरह इस्तेमाल किया गया, तलवारें लहरायी गईं और शांतिपूर्वक प्रदर्शन की शर्तें तोड़ कर पुलिस पर हमले किए गए। 80 से ज्यादा पुलिसकर्मी जख्मी हुए। हमें गणतंत्र की रक्षा के लिए जान जोखिम में डालने वाले पुलिसर्ज़मियों पर गर्व करना चाहिए। क्या राहुल गांधी गंभीर रूप से जख्मी जवानों का हाल पूछने जाएंगे?

यूपी में दो से तीन दिन रहेगी कड़ाके की ठंडी, इन जिलों में कोहरे का अलर्ट

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में ठंड कहर बरपा रही है। मौसम विभाग की माने तो अब दो से तीन दिन कोहरे और सर्द हवाओं के चलते ठंड के तेवर कड़े ही रहेंगे। मौसम विभाग ने यूपी के जिलों में अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों पर बर्फबारी हो रही है और वहां से आने वाली उत्तरी पश्चिमी हवाएं मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ा रही है।

कानपुर स्थित चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के मुताबिक, वातावरण में नमी का स्तर बढ़ा है, जिससे सर्दी कम नहीं हो रही है। अब आगे धूप का असर बढ़ेगा। प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश के आसार हैं, जबकि शहर में बदली छाई रह सकती है।

मौसम केंद्र लखनऊ के निदेशक जेपी गुप्ता बताते हैं कि पहाड़ों पर बर्फबारी हो रही है और वहां से आने वाली उत्तरी पश्चिमी हवाएं मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ा रही है। उधर, कोहरा भी कहर बरपा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन दिन ठंड के तेवर यूं ही रहेंगे। कोहरे के बाद धूप निकलने पर ही लोगों को ठंड से कुछ राहत महसूस हो सकेगी।

बीते मंगलवार को दिन में देर से सही धूप निकलने से लोगों को राहत मिली थी, लेकिन बुधवार को एक बार फिर मौसम के मिजाज बिगड़ गए दो बजे के बाद सूरज नजर आया, लेकिन उससे भी राहत नहीं मिली। मंगलवार को सुबह घना कोहरा था लेकिन 11 बजे के बाद निकली धूप ने ठंड के अहसास को काफी हद तक कम कर दिया था,

बिहार में विधानसभा क्षेत्र का नाम बदला लेकिन इपिक व मतदाता सूची में गड़बड़ियां कायम

पटना । बिहार में परिसीमन के बाद लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र का नाम बदल गया पर चुनावी मशीनरी की अनदेखी के कारण मतदाता सूची और इपिक यानी मतदाता पहचानपत्र में पुराने क्षेत्र का नाम अभी भी दर्ज है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने बुधवार को ज्ञापन सौंपकर चुनाव आयोग का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी एचआर श्रीनिवास को दस बिंदुओं पर सुधार के सुझाव दिए।

भाजपा ने आयोग से नई मतदाता सूची बनाने, फोटो पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोडऩे और सूची में एक ही परिवार के नाम दो विभिन्न बूथों पर होने के कारण मतदान में हुई कठिनाइयों की ओर ध्यान आकृष्ट किया। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के प्रदेश महामंत्री देवेश कुमार, संजीव चौरसिया और चुनाव आयोग सेल की संयोजक राधिका रमण शामिल थे।

बिंदुवार गिनाई कमियां- वर्ष 2008 में परिसीमन हुआ था। इसी आधार पर 2009 में लोकसभा और 2010 में विधानसभा चुनाव हुए। परिसीमन के बाद कई पुराने क्षेत्रों का अस्तित्व समाप्त हो गया था। कई नए अस्तित्व में आए, लेकिन नए सिरे से मतदाता सूची और फोटो पहचान-पत्र नहीं बनने के कारण वोटरों के पास आज भी पुराने पहचान पत्र ही हैं। मतदाता पुनरीक्षण हुए 19 वर्ष हो गए, जिसके कारण आज भी सूची में कई ऐसे नाम है जिनका निधन हो गया या वे कहीं और चले गए। देश में अगस्त-सितंबर में मतदाता सूची बनाई जाती है।

बिहार में तब बाढ़ और दशहरा, दीवाली, छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व होते हैं। ऐसे में मतदाता पुनरीक्षण निष्प्रभावी रहता है। 2008 मेंपरिसीमन के बाद कोई नजरी नक्शा नहीं बनाया गया। पुरानी सूची के आधार पर प्रत्येक वर्ष 10 फीसद नाम काटने और 20 फीसद नाम जोडऩे का आदेश दे दिया गया। परिणाम होता है कि प्रयास के बाद भी 50 फीसद से ज्यादा मतदाता वोट नहीं डाल पाते।

राजपथ पर इस बार यूपी ने मारी बाजी, राम मंदिर मॉडल वाली झांकी को मिला पहला स्थान

लखनऊ । दिल्ली में गणतंत्र दिवस के दिन राजपथ पर निकली परेड में इस बार उत्तर प्रदेश ने बाजी मारी है। राजपथ पर निकली राज्यों की झांकियों में से उत्तर प्रदेश की भव्य झांकी को पहला स्थान मिला है। इस बार परेड में उत्तर प्रदेश की ओर से राम मंदिर मॉडल की झांकी प्रस्तुत की गई थी। इस झांकी को देश की अन्य झांकियों में सबसे अच्छा चुना गया। केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री किरण रिजिजु ने गुरुवार को झांकी को पहला पुरस्कार प्रदान किया। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, सूचना निदेशक शिशिर और टीम ने आज दिल्ली में पुरस्कार ग्रहण किया।

प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में बन रहे भव्य और दिव्य मंदिर का वैभव इस बार दिल्ली में राजपथ के जरिये पूरी दुनिया ने देखा। जैसे ही यह झांकी राजपथ पर गुजरी हर किसी का मन मोह गया। कई लोग खड़े होकर तालियां बजाने लगे तो कई लोग अपनी जगह पर हाथ जोड़कर खड़े हो गए। पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर भी मंदिर का मॉडल देखकर एक चमक आ गई। पिछले वर्ष अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबके हैं राम का संदेश भी दिया था।

सूचना निदेशक शिशिर ने दी जानकारी : उत्तर प्रदेश के सूचना निदेशक शिशिर ने उत्तर प्रदेश की ओर से प्रस्तुत की गई राम मंदिर मॉडल की झांकी को प्रथम पुरस्कार मिलने की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया, इस वर्ष के गणतंत्र दिवस में उत्तर प्रदेश की भव्य झांकी को प्रथम स्थान पाने का गौरव प्राप्त, सारी टीम को दिल से बधाई। गीतकार विरेंद्र सिंह को विशेष आभार। उन्होंने बताया कि हर किसी ने राम मंदिर मॉडल को पहला स्थान मिलने की बधाई दी। सभी लोगों को धन्यवाद। इस तरह की प्रशंसा से काम करने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने बताया कि यूपी को दो वर्षों से पुरस्कार मिल रहा है। हालांकि पिछली बार दूसरा स्थान मिला था। इस बार पहला स्थान मिला है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी पोस्ट की तस्वीर ः बता दें कि दिल्ली में गणतंत्र दिवस के दिन राजपथ पर राम मंदिर मॉडल की झांकी जैसे पहुंची इसका वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर छा गईं। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी झांकी की तस्वीर अपने ट्विटर पर पोस्ट की। सीएम योगी आदित?यनाथ ने तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, जहां अयोध्या सियाराम की, देती समता का संदेश, कला और संस्कृति की धरती, धन्य-धन्य उत्तर प्रदेश।

प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या का वैभव : गणतंत्र दिवस पर यूपी की ओर से निकाली गई झांकी को लेकर उत्तर प्रदेश सरकारी के ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया, राजपथ, नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड के सुअवसर पर आज देश विभिन्न संप्रदायों की आस्था के प्रतीक प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या के वैभव से अवगत हुआ। उत्तर प्रदेश की ओर से प्रस्तुत की गई झांकी में सामाजिक सद्भाव व सांस्कृतिक विरासत के उत्कृष्टतम उदाहरण की झलक दिखी।

झांकी में यह दर्शाया गया : उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर शीर्षक से प्रस्तुत की गई इस झांकी में प्रभु श्रीराम की धरती पर बन रहे मंदिर सहित वहां की संस्कृति, परंपरा, कला और विभिन्न देशों से अयोध्या व प्रभु राम से संबंधों का चित्रण किया गया था। इसके साथ ही 2018 से योगी द्वारा शुरू किए गए भव्य दीपोत्सव को दिखाया गया। वहीं, अन्य भित्ति चित्रों में भगवान राम द्वारा निषादराज को गले लगाते और शबरी के जूठे बेर खाते, अहिल्या का उद्धार, हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी लाया जाना, जटायु-राम संवाद, लंका नरेश की अशोक वाटिका और अन्य दृश्यों को दिखाया गया।

जो विकास में सबसे पीछे हैं, हम उनको दे रहे उनके हक का पैसा

मुख्यमंत्री ने सहरिया, बैगा तथा भारिया महिलाओं को जारी किए 21 करोड़ 92 लाख रुपए

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जो विकास में सबसे पीछे और सबसे नीचे हैं, उनका कल्याण राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। श्री चौहान सहरिया, बैगा तथा भारिया जनजातियों की महिलाओं को आहार अनुदान योजना के अंतर्गत आहार भत्ते की राशि सिंगल क्लिक से अंतरण के कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा संबोधित कर रहे थे।

मंत्रालय में वीसी में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से दो लाख 19 हजार 258 हितग्राहियों के खाते में 21 करोड़ 92 लाख 58 हजार रूपए की राशि अंतरित की। इस मौके पर जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री मीना सिंह तथा प्रमुख सचिव पल्लवी जैन गोविल भी उपस्थित थीं। इस दौरान सीएम हितग्राहियों से वीसी द्वारा बात भी की। उन्होंने कहा कि सरकारी खजाने पर भी पहला हक इन वर्गों का है। जनजातीय समाज मूलतः सीधे-सरल लोगों का समाज है, जो विकास की दौड़ में पीछे रह गए। धरती के हर संसाधन पर जितना हक दूसरों का है, उतना ही पिछड़ी जनजातियों का भी है। इसीलिए आपके हक का पैसा आपके खाते में भेज रहे हैं। सीएम ने आहार अनुदान योजना के प्रभाव आंकलन पर अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल द्वारा कराए गए अध्ययन पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन भी किया।

अब प्रतिमाह जारी होगी राशि: सीएम ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा अति पिछड़ी जनजातियों को आहार अनुदान राशि का भुगतान नहीं किया गया था। हमने सरकार का गठन होते ही सहरिया, बैगा और भारिया जनजाति की महिलाओं को आहार अनुदान की राशि उनके खाते में जारी करना आरंभ कर दिया है। इस वर्ष अब तक 2 लाख 22 हजार से अधिक महिलाओं के खातों में 226 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। अब प्रतिमाह इन खातों में राशि जारी की जाएगी।

मुख्यमंत्री किसानों के खातों में आज डालेंगे सम्मान निधि के 400 करोड़

भोपाल (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह प्रदेश के लगभग 20 लाख किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि के 400 करोड़ रुपए शुक्रवार को अंतरित करेंगे। कार्यक्रम सागर में होगा। इसके अलावा सीएम यहां नगरीय विकास से जुड़े कामों की समीक्षा करने के साथ लोकार्पण भी करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में अभी तक साढ़े 17 लाख किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि की राशि जमा कराई जा चुकी है। शिवराज सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की तर्ज पर मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की शुरुआत की है। इसके तहत किसानों के खातों में दो किस्तों में चार हजार रुपए डाले जा रहे हैं। केंद्र सरकार छह हजार रुपए तीन किस्तों में दे रही हैं। इस योजना में लगभग 75 लाख किसान चिन्हित हैं। राजस्व विभाग के अधिकारियों को कहना है कि मार्च 2021 तक सभी पात्र किसानों को राज्य सरकार की योजना के तहत पहली किस्त दी जाएगी। इसके लिए पहले छोटे किसानों का चयन किया गया है। इसके बाद मध्यम श्रेणी के किसानों को लाभांवित किया जाएगा। दोनों योजनाओं को मिलाकर किसानों को सालभर में 10 हजार रुपए मिलेंगे।

बेटियों के साथ दुष्कर्म करने वालों को फांसी मिले

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झाबुआ जिले की निवासी एक बेटी के साथ गुजरात के मोरवी में हुई दरिंदगी की घटना को दुखद और घृणित बताया है। उन्होंने घटना के संदर्भ में बेटी के पिता से बात की। श्री चौहान ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वे उनके साथ हैं। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और कहा कि परिवार की हरसंभव मदद की जाएगी। अभी परिवार को चारलाख रुपए की आर्थिक सहायता मंजूर की गई है। श्री चौहान ने इस घटना के संदर्भ में गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से बात की और अपराधी को फांसी से कम सजा न हो, इस दिशा में कड़ी कार्रवाई करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने ऐसी दरिंदगी करने वाले अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के स्थाई निर्देश दिए हैं। इस संबंध में कानूनों को भी सख्त बनाने की पहल हुई है।

शिवराज ने की गुजरात के सीएम रूपाणी से चर्चा

मुख्यमंत्री ने पचोर के पास हुए सड़क दुर्घटना पर जताया शोक

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजगढ़ जिले में पचोर के पास नेशनल हाइवे पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में नागरिकों के असामयिक निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह दुर्घटना दु:खद और हृदय विदारक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिवंगत व्यक्तियों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है, साथ ही घायलों के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना भी की है।

ग्रामीणों और किसानों की बिजली संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण होगा

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने किसानों और ग्रामीणों की बिजली संबंधी समस्याओं के कारणों की पड़ताल कर निराकरण करने के निर्देश गुरुवार को हरदा सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने बताया कि समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार ने हरदा में विद्युत कंपनी के नए वृत्त कार्यालय को प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। श्री पटेल ने कहा कि जनता को बिजली संबंधी समस्याओं से निजात दिलाने के लिये हरदा, हंडिया, टेमागांव, मगरधा में नए वितरण केंद्र भी खोले जाएंगे।

हरदा में खुलेगा नया वृत्त कार्यालय : पटेल

कृषि मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के खेतों में एवं ग्रामों में सप्लाई होने वाली बिजली के ट्रांसफार्मर जहाँ-जहाँ खराब हुए हैं, उन्हें तत्काल बदला जाए। टूटे हुए बिजली खंभों का सर्वे कार्य करवाया जाए और उन्हें रिप्लेसमेंट करने की कार्य योजना तैयार की जाए। नया वृत्त कार्यालय खुलने से जिले में नए सब स्टेशनों का निर्माण एवं पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना, ट्रांसफॉर्मर की क्षमता बढ़ाने का कार्य, नए 11 केवी के फीडर निर्माण कार्य एवं ट्रांसफार्मरों के मेंटेनेंस का कार्य तेजी से होगा। जिससे क्षेत्र की जनता को आसानी से बिजली की सुविधाएं प्राप्त होगी। श्री पटेल ने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या आने नहीं दी जाएगी।

देश का पहला पूर्ण स्वामित्व का जिला होगा हरदा

भोपाल। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रदेश का हरदा जिला देश का पहला पूर्ण स्वामित्व वाला जिला बनेगा। कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि 28 फरवरी तक जिले के प्रत्येक ग्रामवासी को उनके स्वामित्व की जमीन के दस्तावेज मिल जाएंगे। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल अप्रैल माह में की थी। कृषि मंत्री कमल पटेल ने इसे ग्रामीण भारत की आजादी का दिन बताते हुए अपने गृह जिले हरदा को पायलट प्रोजेक्ट में शामिल कराने की पहल की थी। मंत्री कमल पटेल ने बताया कि फरवरी माह के अंत तक हरदा जिले में सभी ग्रामों के रहवासियों को उनकी जमीनों के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज मिल जाएंगे इसके साथ ही हरदा जिला देश का पहला पूर्ण स्वामित्व वाला जिला बन जाएगा कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि जमीन का स्वामित्व मिल जाने पर ग्रामीण भी शहरी संपत्ति की तरह अपनी संपत्ति से वित्तीय लाभ उठाने में समर्थ हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने की आत्मनिर्भर रोडमैप के क्रियान्वयन की समीक्षा

रोजगार पोर्टल का करें विस्तार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में बनाए रोजगार सेतु पोर्टल को रोजगार प्राप्ति में अधिक कारगर बनाने के लिए पोर्टल का विस्तार किया जाए। कोरोना काल में करीब 44 हजार प्रवासी श्रमिकों का आर्थिक संवर्धन करने वाले इस पोर्टल में अन्य श्रमिकों का पंजीयन कर उन्हें भी लाभान्वित किया जाएगा। एक ऐसा श्रमोदय विद्यालय बनाया जाए जहां बिना जाति या समुदाय के आधार के सिर्फ श्रमिकों के बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था हो। प्रयास यह हो कि इस विद्यालय में सुपर-30 की कल्पना के अनुसार व्यवस्थाएं विकसित कर प्रतिभाओं को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का कार्य हो।

एक ऐसा श्रमोदय विद्यालय बनाएं, जहां पर निखरें सुपर-30 जैसी प्रतिभाएं

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गुरुवार को आत्म-निर्भर भारत के अंतर्गत आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के निर्माण के पश्चात विभागों द्वारा की जा रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करते हुए यह बात कही। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस भी उपस्थित थे।

21 विभागों की समीक्षा पूरी, 3700 गतिविधियां भी हुईं: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्य सचिव को विभागों द्वारा की जा रही गतिविधियों की नियमित समीक्षा के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 35 विभाग में से 21 विभाग के कार्यों की समीक्षा पूर्ण की जा चुकी है। यह संतोष का विषय है। विभागों ने 918 गतिविधियां और 2780 उप गतिविधियां पूरी की हैं। ऊर्जा विभाग ने सर्वाधिक 146 गतिविधियां सम्पन्न की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी प्रति सप्ताह किसी एक विभाग से बात करेंगे। श्री चौहान ने कहा कि जैसा सितंबर माह में हुए आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के वेबिनार्स में तय हुआ था कि ये सिर्फ कर्मकांड नहीं है, जनकल्याण की दिशा में ठोस कदम भी है। उसके अनुरूप ही हम तेजी से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम निश्चित ही आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का लक्ष्य समय सीमा में हासिल करेंगे। सीएम ने कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विभागों की प्रमुख गतिविधियां

इस अवसर पर बताया गया कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत विभागों की विभिन्न गतिविधियां हो चुकी हैं। इनमें प्रमुख रूप से ऊर्जा विभाग के अंतर्गत पारेषण प्रणाली को मजबूत बनाने, गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय, लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 200 सड़कों का साइंटिफिक ट्रेफिक सर्वे, रोड एसेट मैनेजमेंट सिस्टम शुरू करने की पहल, सभी टोल प्लाजा के कम्प्यूटीकरण, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत विश्व स्तरीय औद्योगिक अंधोसंरचना विकास, प्रदेश में 19 विशेष क्लस्टर के विकास और नए क्लस्टर्स के चिन्हांकन, प्रदेश को स्टार्ट-अप डेवलपमेंट हब के रूप में स्थापित करने, 100 नए स्टार्ट-अप के विकास-जो कृषि और खाद्य प्र-संस्करण से जुड़े हों और व्यापार वाणिज्य में उत्कृष्टता पुरस्कार, कृषि के अंतर्गत एक राष्ट्र एक बाजार के विकास, शरबती गेहूं सहित पिपरिया तुअर और अन्य उत्पादों की जीआई टैगिंग के प्रयास, एक हजार जलवायु अनुकूलित ग्रामों के विकास, फसलों की उत्पादकता में वृद्धि एवं एफपीओ के विकास की गतिविधियाँ निरंतर की जा रही हैं।

भारत सरकार से रखें समन्वय

मुख्यमंत्री चौहान ने लघु, सूक्ष्म मध्यम उद्यम विभाग, श्रम विभाग, ऊर्जा विभाग, लोक निर्माण, नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। श्री चौहान ने भारत सरकार के विभागों से आवश्यक समन्वय करने के निर्देश दिए। सीएम ने लक्ष्य पूर्ति के लिए अंतर विभागीय समन्वय के भी निर्देश दिए।

दिल्ली की घटना में राहुल गांधी की भूमिका की जांच हो : शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस के दिन दिल्ली में हुई घटना को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भूमिका की जांच की मांग की है।

श्री शर्मा ने गुरुवार को मीडिया से चर्चा के दौरान यह बात कही है। श्री शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी ने आंदोलन के दौरान कहा था कि यह खून की खेती हो रही है। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में जो कुछ हुआ, क्या यही वह खून की खेती थी, जिसकी बात राहुल गांधी कर रहे थे। दिल्ली में जो कुछ हुआ, उसमें राहुल गांधी की भूमिका क्या थी। मैं यह मांग करता हूं कि 26 जनवरी के दिन दिल्ली में जो खून खराबा करने का प्रयास हुआ, उसमें राहुल गांधी की भूमिका की जांच होनी चाहिए। गणतंत्र दिवस के दिन तिरंगे के अपमान के सवाल पर श्री शर्मा ने कहा कि देश में तथाकथित आंदोलन के नाम पर गणतंत्र दिवस के दिन लाल किले पर जो कुछ हुआ, वह अत्यंत दुर्भाग्यजनक है। यह भारत को दुनिया में बदनाम करने के लिए कांग्रेस और वामपंथी नेताओं का प्रयास था। इसके जरिए कांग्रेस और वामपंथी नेता देश का वातावरण बिगाड़ना चाहते थे, लेकिन मैं दिल्ली पुलिस को बधाई देता हूं कि जिसने सूझबूझ के साथ उस वातावरण को बिगड़ने से बचा लिया।

भाजपा में पुराने नेताओं में विरोध के सुर

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व पार्टी में सब कुछ ठीक होने का दावा करता रहा है, लेकिन भीतर सब कुछ ठीक तो नहीं है। राख के नीचे दबे विरोध के अंगारों से धुंआ उठना शुरू हो गया है। पूर्व मंत्री अजय विश्नोई पार्टी लाइन को क्रास करते हुए लगातार ट्वीट कर रहे हैं। उनके ट्वीट बीजेपी की परेशानी बढ़ा रहे थे कि 26 जनवरी को दमोह में विधानसभा उम्मीदवार चयन रायशुमारी के लिए पहुंचे मंत्री भूपेंद्र सिंह के सामने ही जयंत मलैया के समर्थकों ने विरोध में जमकर हंगामा किया।

सिंधिया समर्थकों को अधिक तव्वजो मिलने से बनी अंतर्कलह की स्थिति

इस विरोध ने उन नेताओं को बल दिया जो पहले से पार्टी के पुराने नेताओं के साइडलाइन होने से नाराज हैं। साल 2018 में बीजेपी के हाथ से सत्ता जाने के बाद मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने समर्थकों सहित कांग्रेस का हाथ छोड़कर बीजेपी का कमल थामने के बाद कांग्रेस सरकार गिर गई और बीजेपी ने फिर सत्ता हासिल की। बीजेपी की सरकार बनते ही पार्टी और सरकार में सिंधिया समर्थकों को अधिक मान सम्मान मिलने से पुराने बीजेपी नेताओं में नाराजगी देखी जाने लगी। सबसे पहले पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया ने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। हालांकि पार्टी के आला नेताओं ने उस समय पूर्व मंत्री पवैया को समझाकर मना लिया था, लेकिन उनकी नाराजगी अब भी बनी हुई है। इसी तरह पूर्व मंत्री अजय विश्नोई भी पार्टी के मौजूदा हालात से नाराज हैं और वह खुलकर ट्वीट कर रहे हैं, उनसे पार्टी के आला नेताओं ने चर्चा भी की, लेकिन उन्होंने पार्टी और नेताओं के विरोध में बोलना बंद नहीं किया है। पूर्व मंत्री विश्नोई के विरोधी रुख से तो बीजेपी परेशान थी ही अब पूर्व मंत्री जयंत मलैया के समर्थकों द्वारा पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह के सामने विरोध में हंगामा कर अब तक दबी विरोध की चिंगारियों को हवा दे दी है। यह विरोध सिर्फ दमोह तक सिमित नहीं है, प्रदेश के अन्य सूबों में सक्रिय पुराने नेताओं में भी अंदर ही अंदर विरोध तेजी से पनप रहा है।

कांग्रेस से बीजेपी में आए नेताओं से समझौता : कांग्रेस से बीजेपी में आए ज्योतिरादित्य सिंधिया से अंदरूनी समझौते को पूरा करना भारतीय जनता पार्टी की मजबूरी है। बीजेपी और सिंधिया के बीच हुए समझौते के तहत उनके समर्थकों को उपचुनाव में टिकट और फिर मंत्री बनाया गया है। इसी तरह अन्य कांग्रेस विधायक अपनी मर्जी से पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए जिसमें दमोह विधायक रहे राहुल सिंह भी शामिल हैं, जिन्हें हाल में वेयर हाउस कार्पोरेशन का चेयरमैन बनाया गया है। इन्हें बीजेपी ने कुछ समय बाद होने वाले उपचुनाव में पार्टी से टिकट देने का वादा किया है। पूर्व मंत्री जयंत मलैया के समर्थक इसका ही विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि पार्टी में नए शामिल हुए नेताओं को पुराने नेताओं से ज्यादा तवज्जो दी जा रही है।

भाजपा संगठन ने की हवा बदलने की कोशिश

भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश कार्यकारणी में सिंधिया समर्थकों को जगह नहीं देकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि नए नेताओं को हर जगह पद नहीं नहीं मिलेगा और पार्टी में पहले से काम कर नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। संगठन की इस कोशिश का बहुत ज्यादा असर नहीं हुआ है। पुराने नेताओं में अब भी नाराजगी है और अंदर ही अंदर पनप रही यह नाराजगी बड़े विरोध के रूप में सामने आएगी।

इनका कहना है

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने अपनी बात रायशुमरी करने आए मंत्री भूपेंद्र सिंह के समक्ष रखी है,जिसका अधिकार पार्टी में सबको है। राहुल सिंह के विरोध में नारे कौन लगा रहा था, मुझे जानकारी नहीं है। बीजेपी संगठन में जो निर्णय होता है वो सब मानते हैं। पार्टी जो भी निर्णय लेगी मंजूर होगा।

जयंत मलैया पूर्व मंत्री, भाजपा

चुनाव तो लड़ेंगे और जीतेंगे भी। टिकट का फैसला पार्टी को करना है। पार्टी में टिकट के कई दावेदार होते हैं। पार्टी के आला नेता तय करते हैं कि जीतने वाला उम्मीदवार कौन है, उसको टिकट दिया जाता है। बाकी विरोध करना और अपना पक्ष रखने का अधिकार सबको है।

राहुल सिंह लोधी
चेयरमैन, वेयर हाउसिंग लॉजिस्टिक कार्पोरेशन

गुरुवार को भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के समन्वयकों की बैठक हुई। बैठक को कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य और प्रशिक्षण कार्यक्रम के राष्ट्रीय प्रभारी सचिन राव सहित कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने जिला अध्यक्षों एव सहयोग निधि प्रभारियों की बैठक में किया आह्वान

योजना बनाकर करें आजीवन सहयोग निधि संग्रहण

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बीते साल हुए आजीवन सहयोग निधि संग्रहण के काम में हमने देखा है कि जिन जिलों में प्रयास हुए हैं, वहां परिणाम भी अच्छे मिले हैं। आजीवन सहयोग निधि का लक्ष्य सभी की सहमति से तय किया गया है, इसलिए अब इस काम में पूरी तरह जुट जाएं।

श्री चौहान गुरुवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी के जिला अध्यक्षों एवं सहयोग निधि प्रभारियों की पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत और आजीवन सहयोग निधि के प्रदेश प्रभारी कृष्णमुरारी मोघे, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश सह संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित अन्य नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी का जितना विस्तार हो चुका है, उसे देखते हुए सहयोग निधि एकत्र करने के लिए जो लक्ष्य रखा गया है, वह बड़ा नहीं है। सभी से मिलें, हर कार्यकर्ता से संपर्क करें, जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें और टीम बनाकर योजनाबद्ध तरीके से काम करें, लक्ष्य आसानी से हासिल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रयास करें कि समर्पण दिवस 11 फरवरी तक यह अभियान पूरा हो जाए और 28 फरवरी तक पूरा हिसाब-किताब हो जाए। श्री चौहान ने कहा कि आजीवन सहयोग निधि के काम के लिए एक टीम बनाएं, अपने क्षेत्र के सांसद, विधायकों, जनप्रतिनिधियों और प्रमुख नेताओं को साथ लें और निकल पड़ें। उन्होंने कहा कि पार्टी के काम के लिए सहयोग देने वालों की कमी नहीं है, आप जहां जाएंगे निराश नहीं होंगे। श्री चौहान ने जिलाध्यक्षों से आह्वान किया कि सोशल मीडिया पर हमें पीछे नहीं रहना है इसलिए सभी लोग सोशल मीडिया पर सक्रिय हों, ताकि विरोधियों द्वारा किए जा रहे हर तरह का दुष्प्रचार का जवाब जिला स्तर से दिया जा सके।

मप्र को आदर्श राज्य बनाने में जुट जाएं

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि आजीवन सहयोग निधि मूल रूप से मध्यप्रदेश की ही पद्धति है, जिसे संगठन का कामकाज चलाने के लिए पूरे देश में अपनाया गया है। इसलिए आप सभी मध्यप्रदेश को इस मामले में आदर्श राज्य बनाने में जुट जाएं। श्री शर्मा ने केरल का उदाहरण देते हुए कहा कि एक छोटे से राज्य में जहां पार्टी संगठन उतना मजबूत नहीं है, वहां से जब अच्छी खासी सहयोग निधि जुटाई जा सकती है, तो मध्यप्रदेश से क्यों नहीं।

बूथ समिति के सदस्यों से करें संपर्क : भगत

संगठन महामंत्री श्री भगत ने कहा कि आजीवन सहयोग निधि की योजना कुशाभाऊ ठाकरे ने तैयार की थी, ताकि समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया जा सके। यह योजना पूरे देश को मध्यप्रदेश ने ही दी है। यह योजना हमारे संगठनात्मक कौशल का परीक्षण है, हम जितनी अच्छी योजना बनाएंगे, उतने ही अच्छे परिणाम आएंगे। श्री भगत ने कहा कि सहयोग निधि के काम के लिए सभी जनप्रतिनिधियों, सांसदों, विधायकों तक पहुंचें। हमारी 28 हजार बूथ समितियां हैं, उनके सदस्यों से संपर्क करें।

जिला अध्यक्ष नौ फरवरी से पहले कर लें टीमें गठित : मोघे

आजीवन सहयोग निधि के प्रदेश प्रभारी श्री मोघे ने कहा कि आजीवन सहयोग निधि के लिए नया अभियान शुरू होने जा रहा है, इसलिए सभी जिला अध्यक्ष नो फरवरी से पहले इस काम के लिए टीमें गठित कर लें। श्री मोघे ने कहा कि 11 फरवरी को समर्पण दिवस है और प्रयास करें कि इस दिन तक काम पूरा हो जाए। श्री मोघे ने कहा कि हिसाब किताब में देरी संशय पैदा करती है, आस्था पर चोट करती है। इसलिए नया अभियान शुरू होने से पहले पुराना हिसाब पूरा कर दें और इसके लिए एक तारीख निश्चित कर लें। बैठक में मंचासीन अतिथियों का स्वागत भोपाल जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी ने किया। संचालन प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने किया। बैठक के अंत में प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।

मंथन 2021 के उद्घाटन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को दिया आमंत्रण

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग ने की केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से मुलाकात कर प्रदेश में आगामी 19 और 20 फरवरी को चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित मंथन 2021 के उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि इसमें देश के चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में कार्य कर रहे प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की सहभागिता होगी। साथ ही प्रदेश को आत्म-निर्भर बनाने के लिए ईज ऑफ हेल्थ सर्विसेज की दिशा में उठाए गए कदमों की विस्तार से जानकारी दी।

श्री सारंग ने बताया कि कोविड-19 के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं संक्रामक बीमारियों की टेस्टिंग के लिए आधारभूत संरचना का विकास किये जाने की जरूरत महसूस की गई। उन्होंने आग्रह किया कि सभी 13 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में बीएसएल-2 स्तर की लेब्रोटरी उन्नयन कर बीएसएल-3 स्तर की लेब्रोटरी स्थापित किये जाने की मांग की। इसके लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। साथ ही राज्य में वैक्सीन निर्माण के क्षेत्र में नवाचार एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में राज्य स्तर के फार्मेसी संस्था को विकसित किये जाने की आवश्यकता जताई। श्री सारंग ने राज्य में जन स्वास्थ्य एवं एपीडोमाइलोजी के क्षेत्र में वर्तमान परिदृष्य में अनुसंधान की आवश्यकता बतायी। इसके लिए राज्य में चिकित्सा अनुसंधान को प्रोत्साहित एवं सुदृढ़ करने की जरूरत बताते हुए कहा कि इसके लिए रिसर्च सेंटर फार पब्लिक हेल्थ एण्ड एपीडोमाइलोजी को केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित करने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करने की मांग की।

एससी ने राहत देने से किया इनकार, कहा- असीमित नहीं है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

सैफ अली खान के मुख्य किरदार वाली वेब सीरीज 'तांडव' पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। विभिन्न राज्यों में इस वेब सीरीज के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के लिए एफआईआर दर्ज हुई हैं। बुधवार को मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के कलाकारों को एफआईआर से राहत देने या अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि संविधान में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में 'तांडव' के मेकर्स और ऐक्टर्स की तरफ से याचिका दाखिल की गई थी जिसमें उनके खिलाफ दर्ज मामलों में राहत देने और अंतरिम जमानत की मांग की गई थी। इस मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अशोक भूषण की बेंच ने कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ताओं को हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से वरिष्ठ वकील फली एस. नरीमन, मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा ने तर्क रखते हुए कोर्ट के समक्ष अर्णब गोस्वामी के केस का उदाहरण दिया। लूथरा ने कोर्ट से कहा कि सीरीज के डायरेक्टर का शोषण किया जा रहा है और क्या इस तरह देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा होगी। इसके जवाब में बेंच ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं है और कुछ मामलों में इसे प्रतिबंधित भी किया जा सकता है। फली एस नरीमन ने अपना तर्क रखते हुए कहा कि डायरेक्टर ने बिना शर्त लिखित माफी मांगी है और विवादित दृश्यों को हटा दिया है, उसके बावजूद 6 राज्यों में उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके जवाब में जस्टिस भूषण ने कहा, 'अगर आप एफआईआर को खारिज करना चाहते हैं तो राज्यों के हाई कोर्ट क्यों नहीं जाते हैं।'

सनी लियोनी ने खेला क्रिकेट, इंग्लैंड से सामना की कर रहीं बात

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी आज कल स्पोर्टी मूड में चल रही हैं, फुटबॉल के बाद अभिनेत्री ने क्रिकेट में हाथ आजमाया। सनी ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने अपने कैप्शन में इंग्लैंड के खिलाफ खेलने का इशारा दिया। शेयर वीडियो को उन्होंने कैप्शन देते हुए लिखा, ' क्या मैं इंग्लैंड का सामना करने के लिए अपना किट पैक कर लूं।' अभिनेत्री ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि वह 'स्प्लिट्सविला 13' पर काम शुरू करने के लिए केरल के लिए उड़ान भर रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था, 'मैं जल्द ही केरल के लिए रवाना हो जाऊंगी, क्योंकि स्प्लिट्सविला की शूटिंग होने जा रही है। यह एक ऐसा शो है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं 2014 से इसका हिस्सा रही हूं। स्प्लिट्सविला की शूटिंग घर वापस आने जैसा है। इस शो को शुरू करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती।' अभिनेत्री ने पिछले महीने शहर में अपने पहले काल्पनिक वेब शो 'अनामिका' के पहले शेड्यूल की शुरूआत की थी। सीरीज विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित है।

कंगना रनौत ने दिल्ली में हुए बवाल पर दिलजीत और प्रियंका से मांगा जवाब

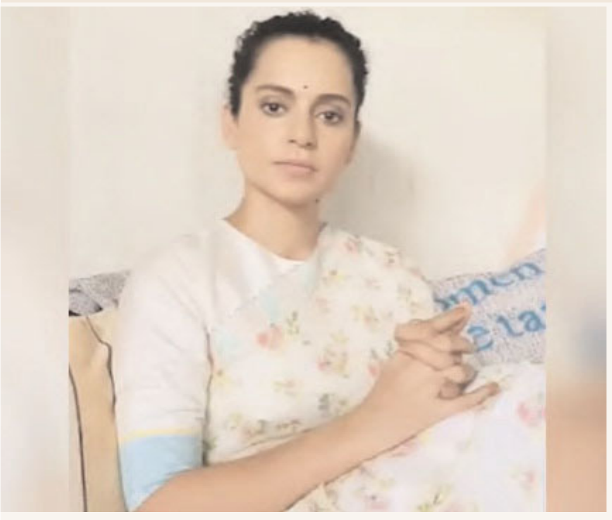

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान जमकर बवाल और तोड़फोड़ हुई। इस दौरान किसानों की भीड़ लाल किले तक पहुंच गई और वहां पर उस भीड़ ने खालसा पंथ का धार्मिक झंडा निशान साहिब भी लगा दिया। इस हिंसा और तोड़फोड़ पर बॉलिवुड सिलेब्रिटीज के रिऐक्शंस आने शुरू हो गए हैं। सबसे पहले इस पर कंगना रनौत की प्रतिक्रिया सामने आई है। दिल्ली में हिंसा और तोड़फोड़ की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद कंगना रनौत ने कई ट्वीट किए हैं। कंगना ने अपना एक वीडियो शेयर करते हुए तोड़फोड़ करने वालों को गिरफ्तार किए जाने की भी मांग की थी। एक अन्य ट्वीट में कंगना ने किसानों द्वारा की गई तोड़फोड़ पर दिलजीत दोसांझ और प्रियंका चोपड़ा पर भी उंगली उठाई है। दरअसल दिलजीत और प्रियंका दोनों ने किसान आंदोलन का समर्थन किया था कंगना ने एक स्टिल फोटो शेयर करते हुए ट्वीट किया, 'तुम्हें इस पर सफाई देनी चाहिए दिलजीत दोसांझ और प्रियंका चोपड़ा. पूरी दुनिया हम पर आज हंस रही है, यही चाहिए था ना तुम लोगों को। बधाई हो।' किसान आंदोलन के सपोर्ट में खुलकर बोलती रहीं ऐक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने भी लाल किल पर धार्मिक झंडा लगाए जाने की आलोचना की है। उन्होंने एक ट्विटर यूजर का वीडियो शेयर किया है जिसके साथ किसी भी तरह के धार्मिक झंडे को लाल किले पर फहराए जाने की आलोचना की है। किसानों के सपोर्ट में रहीं ऐक्ट्रेस गुल पनाग ने भी लाल किले पर धार्मिक झंडा लगाए जाने की आलोचना की है। उन्होंने ट्वीट करके लिखा, 'तिरंगे का अपमान नहीं किया जाना चाहिए। यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। सभी एक सुर से इसकी निंदा करनी चाहिए।'

मलाइका अरोड़ा

और अर्जुन कपूर दिखे साथ, कहीं आउटिंग पर निकलने की दिखी तैयारी

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बॉलिवुड के उन कपल में से एक हैं, जो अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहते हैं। एक बार फिर मलाइका और अर्जुन की कुछ नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर नजर आ रही हैं, जिसमें दोनों लव बर्ड्स साथ नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर छाई इन तस्वीरों में मलाइका और अर्जुन कहीं आउटिंग पर निकलने की तैयारी में दिख रहे हैं। दोनों ऐक्टर के जुहू वाले घर के बाहर कार में बैठते समय कैप्चर हुए। बता दें कि हाल ही में मलाइका और अर्जुन कपूर न्यू इयर सेलिब्रेशन के लिए गोवा ट्रिप पर थे। इस वकेशंस की कई खूबसूरत तस्वीरें मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर कर रखी हैं। इससे पहले मलाइका और अर्जुन धर्मशाला की ट्रिप पर थे, जहां ऐक्टर पहले से अपनी फिल्म की शूटिंग सैफ अली खान के साथ कर रहे थे। मलाइका उन ऐक्ट्रेसेस में हैं, जिनकी फिटनेस को लेकर लोग उनके कायल रहते हैं। मलाइका अपने इंस्टाग्राम पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और फैन्स से हमेशा कनेक्ट रहती हैं।

जाह्नवी कपूर

अपनी फ्रेंड के साथ जंगलों में सैर पर निकलीं, जहां लाल पत्तों से जमीन पर बिछी हैं चादरें

जाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ्छ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में जान्हवी अपनी फ्रेंड के साथ किसी जंगल में सैर सपाटा करती दिख रही हैं। इन तस्वीरों में पूरी जमीन मेपल के लाल पत्तों से भरी नजर आ रही है। जाह्नवी कपूर इन तस्वीरों में किसी ठंडी जगह की सैर पर निकली नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में ढेर सारे पेड़ के बीच अपनी फ्रेंड के साथ दोड़ती-भागती दिख रही हैं जाह्नवी। पीछे नजर आ रहे पेड़ों के पत्ते झड़ चुके हैं और चारों ओर जमीन पर मेपल के पत्ते गिरे नजर आ रहे हैं। इस वजह से पूरी जमीन लाल नजर आ रही है। हालांकि, जाह्नवी ने यह नहीं बताया है कि वह कहां घूमने गई हैं। इन दिनों जाह्नवी चंडीगढ़ में अपनी फिल्म 'गुड लक जेरी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। बता दें कि पहले इस फिल्म की शूटिंग पटियाला में होनी थी। लेकिन किसान आंदोलन और किसानों का गुस्सा देखते हुए मेकर्स ने पटियाला से लगभग 70 किलोमीटर दूर चंडीगढ़ में शूटिंग करने का फैसला किया। दरअसल पटियाला में शूटिंग वाली जगह (भूपिंद्र रोड) पर किसानों ने आकर फिल्म की शूटिंग को रोक दिया था। रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग के लिए मेकर्स ने चंडीगढ़ में कुछ ऐसे जगहों को चुना है, जहां लोगों का आना-जाना कम हो। फिल्म 'गुड लक जेरी' का निर्देशन आनंद ए. राय. कर रहे हैं, जिसमें जाह्नवी कपूर और दीपक डोबरियाल नजर आएंगे।

चिंटू की पिया मिलन चैराहा का फर्स्ट लुक रिलीज

भोजपुरी फिल्मों के चॉकलेटी सुपर स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली फिल्म पिया मिलन चैराहा का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। रत्नाकर कुमार प्रस्तुत एवं गढ़ी माई मुबीज के बैनर तले बनी फिल्म पिया मिलन चैराहा के फर्स्ट लुक में प्रदीप पांडेय चिंटू और अभिनेत्री मनीषा यादव एक दूसरे को गुलाल लगाते रोमांटिक मूड में नजर आ रहे है और पोस्टर के बैकग्राउंड भीड़ को दर्शा रहा है जहाँ लोग गुलाल उड़ाते दिख रहे है।फिल्म का पोस्टर देख कर ऐसा पता चल रहा है कि फिल्म पूरी रोमांटिक पैटर्न पर बनी है। फिल्म के फर्स्ट लुक रिलीज होने पर प्रदीप पांडेय चिंटू ने कहा, 'यह फिल्म पूरी तरह से दर्शको को गुड फील का अहसास करायेगी। सबसे उल्लेखनीय है कि यह को वर्ष की हमारी यह पहली फिल्म है जिसका फर्स्ट लुक रिलीज हुआ है।इसके लिए मैं काफी एक्साइटेड हूँ।'

विकास गुप्ता का परिवार पर सनसनीखेज आरोप, कहा- मेरी प्रॉपर्टी चाहती है फैमिली

विकास गुप्ता ने यह खुलासा घर के गार्डन एरिया में बैठकर रुबीना दिलैक, निक्की तंबोली, अभिनव शुक्ला, अली गोनी और राहुल वैद्य के सामने किया। उन्होंने बताया कि उनके परिवारवाले इसलिए खुश भी है कि विकास की न तो कभी शादी होगी और न ही बच्चे। आखिर में उनकी प्रॉपर्टी उन्हें मिल जाएगी। विकास गुप्ता ने बताया कि उनके परिवार को उनकी सेक्शुअलिटी के बारे में मालूम था। इसीलिए परिवार की वजह से उनका किसी के साथ रिलेशन नहीं बन पाया। उनका कोई दोस्त भी नहीं है। विकास ने आगे कहा कि परिवारवाले जानते थे कि इसकी शादी कभी होगी नहीं और न ही इसके बच्चे होंगे। इसलिए सारी प्रॉपर्टी इसके पास ही रहेगी जो बाद में उन्हें मिल जाएगी। विकास ने दावा किया कि उन्होंने अपने पूरे परिवार को अब तक संभाला है, लेकिन परिवार ने सिर्फ और सिर्फ उनकी प्रॉपर्टी चाहता है और इसलिए उनके खिलाफ जान-बूझकर कुछ भी बात नहीं कर रहा है। विकास ने बताया कि उन पर करीब 1.8 करोड़ का लोन हो गया था और उनके पास एक भी रुपया नहीं बचा था। जब खाने-पीने के लाले थे तो ऐसे में उन्होंने अपनी मां को घर से जाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि कर्ज में डूबे होने की वजह से वह बीमार मां की मदद नहीं कर पाए थे। तब उन्होंने मां को फोन करके कहा कि जो देहरादून वाली प्रॉपर्टी है, वह उसे बेच दें और विकास का जो हिस्सा है, उसे विकास को ने देकर अपना इलाज करवाएं और अन्य खर्च चलाएं। विकास की यह बात शायद उनके परिवार को नागवार गुजरी और उन्होंने विकास से बात करनी तक बंद कर दी।

शादी के बाद मिल रहे फैंस के प्यार के लिए वरुण धवन ने कहा शुक्रिया

फिल्म अभिनेता वरुण धवन 24 जनवरी को अपने लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड एवं फैशन डिजाइनर नताशा दलाल के साथ शादी के बंधन में बंध गए हैं। वरुण और नताशा की शादी से उनके साथ - साथ उनके फैंस भी काफी खुश हैं और उन्हें लगातार सोशल मीडिया के जरिये शादी की बधाइयां दे रहे हैं। वहीं अब अभिनेता वरुण धवन ने फैंस के प्यार और शुभकामनाओं के लिए खास अंदाज में उन्हें शुक्रिया कहा है। वरुण धवन ने ट्वीट कर लिखा- 'पिछले कुछ दिनों से मुझे और नताशा को सभी से बहुत प्यार और पॉजिटिविटी मिली है, इसलिए मैं हर किसी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं।' फैंस को शुक्रिया करने के साथ ही वरुण ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर पत्नी नताशा दलाल के साथ एक तस्वीर भी साझा की है। इस तस्वीर में वरुण और नताशा के साथ कुछ करीबी भी नजर आ रहे हैं। गौरतलब है वरुण धवन और नताशा दलाल एक दूसरे को स्कूल के समय से जानते है। वहीं वरुण धवन ने एक टीवी शो में नताशा के साथ अपने रिलेशनशिप की बात खुद कबूली थी। दोनों के एक -दूसरे को काफी लम्बे समय तक डेट करने के बाद रविवार यानी 24 जनवरी को परिवार की सहमति से मुंबई के अलीबाग स्थित 'द मेंशन्स रिजॉर्ट' में शादी की। नताशा दलाल फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, एनवाईसी से ग्रेजुएट हैं। नताशा ने 2013 में अपना फैशन लाइन नताशा दलाल लेबल खोला है। वहीं वरुण धवन फिल्म जगत के जाने माने अभिनेता हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण जल्द ही राज मेहता की फिल्म 'जुग जुग जियो' में कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर के साथ लीड रोल में नजर आएंगे।

खुशी कपूर ने लिया न्यू यॉर्क के ऐक्टिंग स्कूल में दाखिला, 2022 में करेंगी बॉलिवुड डेब्यू

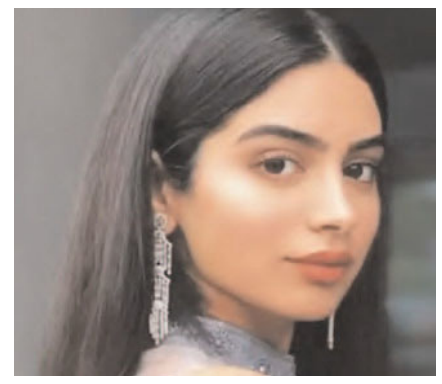

पिछले दिनों खबर आई थी कि बोनी कपूर और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर भी ऐक्टर बनना चाहती हैं और बोनी ने उन्हें इसकी इजाजत भी दे दी है। अब खबर है कि खुशी ने न्यू यॉर्क के स्टार्सबर्ग थिअटर ऐंड फिल्म इंस्टीट्यूट में एक सेमेस्टर के ऐक्टिंग कोर्स में एडमिशन ले लिया है और वह अमेरिका के लिए रवाना हो गई हैं। 'बॉलिवुड हंगामा' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खुशी जब अपना ऐक्टिंग कोर्स पूरा कर लेंगी उसके बाद ही हिंदी फिल्मों में डेब्यू करेंगी। एक सूत्र ने बताया है कि खुशी को साल 2022 में बॉलिवुड फिल्म से लॉन्च किया जाएगा। खुशी को लॉन्च करने के लिए करण जौहर पहले ही बोनी कपूर को ऑफर दे चुके हैं। करण के प्रॉडक्शन हाउस ने जान्हवी कपूर को भी फिल्म 'धड़क' से लॉन्च किया था। हालांकि खुशी और उनके परिवार को अभी डेब्यू की कोई जल्दी नहीं है। श्रीदेवी भी अपनी दोनों बेटियों को बेहतरीन ऐक्टिंग स्कूल में भेजना चाहती थीं क्योंकि उन्होंने कभी भी ऐक्टिंग की ट्रेनिंग नहीं ली थी। जहां तक जान्हवी की बात है तो उनके पास इस समय कई फिल्में हैं। जान्ह राजकुमार राव के साथ 'रूही अफसाना', कार्तिक आर के साथ 'दोस्ताना 2', करण जौहर की 'तख्त' और आन एल राय की 'गुड लक जेरी' में नजर आने वाली हैं।

सिंधू और श्रीकांत दूसरा मैच भी हारे

बैंकॉक, एजेंसी। भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत गुरुवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में अपने दूसरे दौर के मैचों में हार के बाद नॉकआउट चरण से लगभग बाहर हो गए। एक सप्ताह पहले ही वर्ल्ड चैंपियन सिंधु को रतचानोक इंतानोन के हाथों करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

इस बार भी किस्सा वैसा ही रहा और उन्हें तीसरी वरीयता प्राप्त थाइलैंड की खिलाड़ी से 18-21, 13-21 से हार झेलनी पड़ी। वहीं श्रीकांत को ताईवान के वांग जु वेई के खिलाफ एक गेम से बढ़त बनाने के बाद हार मिली, इस मैच से पहले उनका दुनिया के 12वें नंबर के खिलाफ जीत का रेकॉर्ड 3-0 था।

वांग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 19-21, 21-9, 21-19 से जीत दर्ज की। हर ग्रुप से केवल दो शीर्ष खिलाड़ी ही सेमीफाइनल में जगह बनाएंगे जिससे दो-दो हार से भारतीय खिलाड़ियों का टूर्नमेंट में सफर लगभग खत्म हो गया। इससे पहले श्रीकांत और वांग शुरू में 9-9 तक एक दूसरे को पछाड़ते हुए बराबरी पर रहे लेकिन श्रीकांत 11-10 से एक अंक की बढ़त बनाने में सफल रहे और ब्रेक के बाद उन्होंने इसे 15-11 कर दिया। अपनी रैलियों से श्रीकांत ने दबदबा कायम रखा और 17-12 से आगे हो लिए। वांग ने भी कोशिश जारी रखते हुए श्रीकांत की गलतियों से इसे 18-19 कर दिया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने स्मैश लगाकर दो गेम पॉइंट हासिल किए। वांग की बैकलाइन पर गलती से वह पहला गेम अपने नाम करने में कामयाब रहे।

सरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कुछ दिलचस्प रैलियां चलीं। वांग ने कुछ बेहतरीन शॉट और श्रीकांत की गलती से 9-5 की बढ़त हासिल की। इसके बाद श्रीकांत ने नेट पर लगातार गलतियां कीं और वांग ब्रेक तक 11-5 से आगे थे। इसके बाद वांग ने आराम से इसे 16-6 कर श्रीकांत की नेट गलती से दूसरा गेम हासिल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

निर्णायक गेम आक्रामक रैलियों से शुरू हुआ और श्रीकांत 4-1 की बढ़त पर पहुंच गए। पर वांग भी कहां रुकने वाले थे, उन्होंने भी वापसी करते हुए लगातार सात अंक जुटाकर 8-4 से बढ़त हासिल कर ली। फिर श्रीकांत ने वापसी की और 10-10 की बराबरी पर पहुंचे, लेकिन वांग ने तुरंत सतर्कता बरती और 17-13 से आगे हो लिये। अंत में वांग ने चार मैच पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने भी तीन अंक बचाए, लेकिन हार नहीं टाल सके। वहीं, महिला एकल मैच में मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधु रतचानोक के खिलाफ पिछली हार का बदला चुकता करने के इरादे से उतरीं। इस भारतीय ने पॉजिटिव शुरूआत की और 5-2 से बढ़त हासिल की और तुरंत ही ब्रेक तक 11-6 से बढ़त बना ली। रतचानोक ने लगातार चार अंक जुटाकर 14-14 की बराबरी हासिल की। सिंधु हालांकि 18-17 से आगे हो गईं, पर रतचानोक ने चार अंक की मदद से पहला गेम जीत लिया। थाई स्टार खिलाड़ी ने पहले गेम की लय जारी रखते हुए दूसरे में ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बनाई। सिंधु ने कोशिश करते हुए इसे 11-12 भी किया, पर रतचानोक ने लगातार छह अंक जुटाकर मैच जीत लिया।

2 गोल से पिछड़ने के बावजूद निजाम्स ने बेंगलुरू को बराबरी पर रोका

वास्को, एजेंसी। हैदराबाद एफसी 85वें मिनट तक 0-2 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद पांच मिनट के भीतर उसने दो गोल दागते हुए यहां वास्को के तिलक मैदान पर बेंगलुरू एफसी को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया।

अपनी हार टालते हुए हैदराबाद की टीम हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन की अंक तालिका में 19 अंकों के साथ चौथे स्थान पर बरकरार है। उसका यह लगातार तीसरा ड्रॉ है। दूसरी ओर, इस सीजन का अपना छठा ड्रॉ खेलने वाली बेंगलुरू की टीम 15 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है।

पहला हाफ बेंगलुरू एफसी के नाम रहा। कप्तान सुनील छेत्री के नौवें मिनट में किए गए गोल की मदद से उसने लीड हासिल की और उसे इस हाफ के अंत तक बरकरार रखा। बेंगलुरू को हालांकि पांचवें मिनट में उस समय झटका लगा था जब उसके

स्टार जुआनन को चोट लगी और सातवें मिनट वह इस कारण मैदान से बाहर जाने को मजबूर हुए थे। उनकी जगह पराग श्रीवास मैदान पर आए।

बेंगलुरू ने हालांकि इस झटके से उबरे हुए नौवें मिनट में शानदार गोल के जरिए लीड ले ली। यह गोल छेत्री ने क्लीटन सिल्वा की फ्री किक पर हेडर के जरिए किया। 16वें मिनट में बेंगलुरू के फ्रांसिस्को गोंजालेज को पीला कार्ड मिला। 27वें मिनट में बेंगलुरू ने एक और अच्छा मूव बनाया लेकिन लिस्टन कोलाको और पराग के इस मूव को अनुभवी राहुल भेके ने नाकाम कर दिया। इस हाफ के अंत में भी बेंगलुरू ने 43वें मिनट में एक बेहतरीन मूव बनाया लेकिन ओदेई ओनाइंडिया ने निजाम्स को एक और गोल खाने से रोका।

संक्षिप्त खबरें

युवेंटस , अटलांटा इटालियन कप के सेमीफाइनल में

तूरिन, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पाउलो डायबाला जैसे दिग्गजों के बिना खेलते हुए भी युवेंटस ने दूसरे डिविजन की टीम स्पाल को 4 . 0 से हराकर इटालियन कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। युवेंटस के लिये अलवारो मोराटा और जियांलुका फ्राबोटा ने पहले हाफ में गोल दागे जबकि देजान कुलुसेवस्की और फेडरिको चियेसा ने दूसरे हाफ में गोल किये। दो चरण के सेमीफाइनल में युवेंटस का सामना इंटर मिलान से होगा जिसने मंगलवार को एसी मिलान को हराया। युवेंटस की नजरें रिकार्ड 14वें खिताब पर है जो पिछले सत्र के फाइनल में नपोली से हार गई थी। इससे पहले दस खिलाड़ियों पर सिमटी अटलांटा ने लाजियो को 3 .2 से हराया। अब उसका सामना नपोली या पेजिया से होगा।

मेस्सी की वापसी, बासीलीना ने रायो को हराया

मैड्रिड, एजेंसी। निलंबन से लौटे लियोनेल मेस्सी ने बासीलीना को उलटफेर का शिकार होने से बचाते हुए एक गोल किया और एक में सहायक रहे जिसकी मदद से उनकी टीम ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कोपा डैल रे फुटबॉल में दूसरे डिविजन के क्लब रायो वालेकानो को 2 . 1 से मात दी। स्पेनिश सुपर कप फाइनल में विरोधी खिलाड़ी पर प्रहार के कारण दो मैचों का निलंबन झेल चुके मेस्सी ने 69वें मिनटमें बराबरी का गोल दागा। इसके बाद 80वें मिनट में फ्रेंकी डि जोंग के गोल में सहायक की भूमिका निभाई। रायो के लिये फ्रान गार्शिया ने 63वें मिनट मेंगोल किया था। इस जीत से बासीलीना टूनामेंट में लगातार 11वीं बार अंतिम आठ में पहुंच गया। एक अन्य मैच में सेविला ने 2019 की चैम्पियन वालेंशिया को 3 . 0 से हराया।

रबाडा 200 टेस्ट विकेट लेने वाले 8वें द. अफ्रीकी गेंदबाज बने

कराची, एजेंसी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा गुरुवार को टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के आठवें गेंदबाज बन गए। रबाडा ने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। रबाडा ने हसन अली का विकेट लेते हुए हुए यह मुकाम हासिल किया। 25 वर्षीय रबाडा ने 200 टेस्ट विकेट हासिल करने के लिए सिर्फ 44 खेले हैं। इस लिहाज से वह सबसे तेजी से इस मुकाम पर पहुंचने वाले दक्षिण अफ्रीकी बॉलर हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज डेल स्टेन टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे अधिक विकेट लिए हैं। स्टेन के नाम 93 मैचों में 439 विकेट हैं। उनके बाद शॉन पोलक (421), मखाया नतिनी (390), एलन डोनाल्ड (330), मोर्ने मोर्कल (309), जैक्स कैलिस (291), वर्नोन फिलेंडर (224) और रबाडा हैं। रबाडा के नाम पर 117 वनडे और 31 टी20 विकेट भी हैं, जिसके लिए उन्होंने क्रमशः 75 और 26 मैच खेले हैं।

चिली दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम रहीं अजेय

नई दिल्ली, एजेंसी। चिली के सफल दौरे का समापन करने के बाद बुधवार को भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम स्वदेश लौट आई है। बता दें कि भारतीय टीम इस दौरे पर अजेय रही है। टीम ने छह मैचों की सीरीज के पांच मैच जीते, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टीम के साथ उतरने पर कप्तान सुमन देवी थूदम ने कहा कि हम महामारी के बाद प्रतिस्पर्धी हॉकी को फिर से शुरू करने का अवसर पाकर बहुत खुश हैं।

महिला एशियाई कप फुटबॉल अगले साल 20 जनवरी से छह फरवरी तक भारत में

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला एशिया कप 2022 भारत में 20 जनवरी से छह फरवरी के बीच खेला जायेगा। एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने गुरूवार को यह जानकारी दी। टूनामेंट में 12 टीमें भाग लेंगी जबकि पिछले सत्र में आठ ही टीमें थी। इन टीमों को चार समूहों में बांटा जायेगा और 18 दिन के भीतर 25 मैच खेले जायेंगे। आठ टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। यह टूनामेंट 2023 फीफा महिला विश्व कप का क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट भी होगा। महिला विश्व कप में 32 टीमें भाग लेंगी जिसमें सह मेजबान आस्ट्रेलिया के साथ रिकार्ड पांच एशियाई टीमें होंगी। एएफसी महिला एशिया कप 2022 के क्वालीफायर 13 से 25 सितंबर के बीच होंगे। पिछले सत्र की तीन सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीमों जापान, आस्ट्रेलिया और चीन के अलावा भारत को मेजबान होने के नाते स्वतः प्रवेश मिला है। एएफसी महासचिव डाटो विंडसर जॉन ने कहा , भारत में पिछले कुछ साल में फुटबॉल का काफी विकास हुआ है। हमें यकीन है कि भारतीय फुटबॉल के सुनहरे सफर में एएफसी महिला एशिया कप बड़ा कदम होगा। इससे आने वाली पीढी की महिला फुटबॉलरों को प्रेरणा मिलेगी। अगले

साल फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप भी भारत में होगा चूंकि 2020 में होने वाला टूनामेंट कोरोना महामारी के कारण रद्द हो गया था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा , एएफसी महिला एशिया कप से सत्र की शुरूआत होगी और यह भारतीय महिला फुटबॉल के लिये महत्वपूर्ण वर्ष होगा चूंकि भारत में दो बड़े टूनामेंट खेले जाने हैं।

पिछले कुछ दिन सपने देखने जैसे : ठाकुर

चेन्नइ, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने कहा है कि आस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे उन्होंने कोई सपना देखा हो।

ठाकुर इंग्लैंड के साथ होने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरूआती दो टेस्ट के लिए भारतीय टीम से जुड़े हैं।

ठाकुर ने टीम से जुड़ने के बाद ट्विटर पर कहा, वापस घर लौटने के बाद से ऐसा लग रहा है जैसे मैंने कोई सपना देखा हो। लोगों ने जो अपना प्यार और आशीर्वाद दिखाया है, उसके लिए आप सभी को धन्यवाद। अब अगली सीरीज के लिए चेन्नई में वापस टीम के साथ। 29 वर्षीय ठाकुर ने आस्ट्रेलिया दौरे पर गाबा टेस्ट में 69 रन बनाने के अलावा सात विकेट भी लिए थे। उनके इस प्रदर्शन के दम पर भारत ने आस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर आस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी बार टेस्ट सीरीज 2-1 से जीती।

भारत 5 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगा। पहला टेस्ट 5-9 फरवरी तक चेन्नई में होगा। अंतिम दो टेस्ट अहमदाबाद में होंगे।

टेस्ट सीरीज के बाद पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज और तीन मैचों की वनडे सीरीज भी होगी।

पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला से पहले भारत ए से भिड़ेगी कोहली की टीम

लंदन, एजेंसी। विदेश में टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के तहत पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम इस साल जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले नाटिंघमशर में अपनी ही 'ए' टीम के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। यह मैच नाटिंघमशर के काउंटी मैदान पर खेला जायेगा लेकिन अभी इसकी तारीख तय नहीं है। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे में अगस्त और सितंबर में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। इस श्रृंखला का पहला मैच चार अगस्त से नाटिंघम में खेला जाएगा। नाटिंघमशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने बयान में कहा, इन गर्मियों में काउंटी ग्राउंड पर दुनिया के कुछ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर खेलते हुए दिखेंगे। तब हम भारत और भारत ए का स्वागत करेंगे। इसमें कहा गया , इंग्लैंड के खिलाफ अगस्त में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले विराट कोहली की टीम चार दिवसीय अभ्यास मैच में भारत ए से खेलेगी। दूसरा अभ्यास मैच लीसेस्टरशर में 28 जुलाई से खेला जायेगा।

इंग्लैंड में क्रिकेटरों के लिये होगा नस्लवाद निरोधक कोर्स

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड में महिला और पुरूष क्रिकेटरों के लिये नस्लवाद निरोधक प्रशिक्षण कोर्स शुरू किया जायेगा जबकि एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि एक तिहाई से अधिक अश्वेत, एशियाई और अल्पसंख्यक देशज खिलाड़ियों को खेल में पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ता है। ' द टेलिग्राफ' की रिपोर्ट के अनुसार इन पाठ्यक्रमों में ड्रेसिंग रूम कल्चर, अलग अलग संस्कृतियों से आये लोगों के साथ बर्ताव और अस्वीकार्य चीजों पर विरोध को प्रोत्साहित करने के बारे में बताया जायेगा। पेशेवर क्रिकेटर संघ द्वारा कराये गए सर्वे में 600 प्रतिभागियों में से 45 प्रतिशत ने कहा कि साथी खिलाड़ियों ने नस्लवादी टिप्पणी की, दस प्रतिशत ने कोच को और 30 प्रतिशत ने सोशल मीडिया या प्रशंसकों को दोषी ठहराया। सर्वे में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में से 62 प्रतिशत का मानना है कि नस्लवाद के उन्मूलन को लेकर जागरूक किये जाने से ही हालात सुधरेंगे।

सौरव गांगुली की हुई दूसरी एंजियोप्लास्टी , लगाए गए दो स्टेंट

कोलकाता, एजेंसी। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली की दूसरी बार एंजियोप्लास्टी की गई है और उनके दिल की धमनियों में दो स्टेंट लगाए गए हैं। सौरव गांगुली की हाल में ही एक एंजियोप्लास्टी हुई थी, लेकिन बुधवार को उनके सीने में फिर से दर्द उठने के बाद उनको अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एएनआई के मुताबिक, पूर्व भारतीय कप्तान की दूसरे राउंड की एंजियोप्लास्टी सफल रही है। गांगुली ने 2 जनवरी को जिम करने के दौरान सीने में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद उनको वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह पांच दिन तक अस्पताल में रहे थे और सात जनवरी को उनको छुट्टी दे दी गई थी।

सौरव गांगुली के करीबी ने एएनआई के साथ बातचीत करते हुए बताया, 'उनकी सफलतापूर्वक एंजियोप्लास्टी हुई है। दो स्टेंट लगाए गए हैं और उनकी एंजियोप्लास्टी कामयाब रही है।'

दक्षिण अफ्रीका का संघर्ष लेकिन पाकिस्तान मजबूत

कराची, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ संघर्ष करते हुए पहले टेस्ट के तीसरे दिन गुरूवार को दूसरी पारी में चार विकेट पर 187 रन बना लिए हैं लेकिन उसके पास अभी सिर्फ 28 रन की बढ़त है जिससे पाकिस्तान की स्थिति काफी मजबूत नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 220 रन बनाये थे जबकि पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 308 रन से आगे खेलते हुए 378 रन बनाये जिससे पाकिस्तान को पहली पारी में 158 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हुई। सुबह हसन अली ने 11 और नौमान अली ने छह रन से अपनी पारी को

आगे बढ़ाया। पाकिस्तान के निचले क्रम के आखिरी तीनों बल्लेबाजों ने सराहनीय बल्लेबाजी करते टीम को मजबूती दी। हसन अली ने 33 गेंदों में 21 रन, नौमान अली ने 49 गेंदों में 24 रन और आखिरी बल्लेबाज यासिर शाह ने 37 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 38 रन बनाकर पाकिस्तान को 378 रन तक पहुंचा दिया। नौमान अली और यासिर ने आखिरी विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की।

टोक्यो ओलंपिक टेस्ट इवेंट 1 महीने के लिए टला

टोक्यो, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक टेस्ट इवेंट को एक महीने आगे के लिए बढ़ा दिया गया है और अब इसका आयोजन मार्च की बजाय अप्रैल में होगा। आयोजनकताओं ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट की अनुसार, टोक्यो ओलंपिक के लिए फाइनल आर्किस्टिक स्वीमिंग क्वालीफायर का आयोजन चार से सात मार्च तक होना था। लेकिन टोक्यो और अन्य 10 राज्यों में मौजूदा आपातकाल के कारण यात्रा प्रतिबंधों को देखते हुए इसका आयोजन अब एक से चार मई तक होगा।

दिल्ली की तरनजीत और हरियाणा के अमित बने सर्वश्रेष्ठ एथलीट

भोपाल, एजेंसी। दिल्ली की तरनजीत कौर और हरियाणा के अमित खत्री ने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित टी टी नगर स्टेडियम में बुधवार को संपन्न हुई 18वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप अंडर 20 में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट बनने का गौरव हासिल कर लिया। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 169 अंक हासिल कर हरियाणा ओवरऑल चैम्पियन बना। हरियाणा के नाम साथ ही बालक एवं बालिका टीम चैम्पियनशिप भी रही। हरियाणा राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 11 स्वर्ण, 10 रजत और 4 कांस्य पदक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर

रहा। तमिलनाडु ने 5 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ दूसरा तथा केरल 3 स्वर्ण, 3 रजत और एक कांस्य पदक अर्जित कर तीसरा स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश 3 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित 7 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा।हरियाणा के अमित खत्री ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 10 हजार मीटर पैदल चाल स्पर्धा 40:40.97 सेकेण्ड के समय में पूरी कर मीट रिकार्ड बनाया। चैम्पियनशिप में उन्हें बेस्ट एथलीट के अवार्ड से नवाजा गया। चैम्पियनशिप में दिल्ली की तरनजीत कौर को बालिका वर्ग में बेस्ट एथलीट के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तरनजीत ने अंतिम दिन 200 मीटर स्पर्धा 24.11 सेकेंड में जीती।भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भोपाल में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप कोरोना काल का सबसे सफल और सुव्यवस्थित आयोजन है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना प्रोटोकाल के पालन के साथ इस चुनौतीपूर्ण आयोजन को मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से पूरा किया गया।

बीसीबी ने अब्दुर रज्जाक को राष्ट्रीय पैनल में तीसरे वरिष्ठ चयनकर्ता के रूप में किया नामित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने स्पिनर अब्दुर रज्जाक को राष्ट्रीय पैनल में तीसरे वरिष्ठ चयनकर्ता के रूप में नामित किया है। बाएं हाथ के स्पिनर पूर्व कप्तान मिन्हाजुल आबेदीन (पैनल प्रमुख) और हबीबुल बशर के साथ काम करेंगे। 2004 और 2018 के बीच 200 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बांग्लादेश के लिए खेलने वाले रज्जाक को काम संभालने के लिए अपने क्रिकेटिंग करियर को अलविदा कहना होगा। बीसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, बोर्ड ने बांग्लादेश के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर अब्दुर रज्जाक को राष्ट्रीय चयन पैनल में शामिल करने को मंजूरी दी है। रज्जाक, जिन्होंने सभी प्रारूपों में 279 विकेट लिए हैं, को लगता है कि घरेलू क्षेत्र में कप्तानी करने का उनका अनुभव उनकी भूमिका के दौरान काम आएगा। वह 200 एकदिवसीय विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज हैं। अपनी नई भूमिका के बारे में रज्जाक ने कहा, मेरा खेल का अनुभव निश्चित रूप से इस संबंध में मूल्यवान होगा। मैं क्रिकेट खेलता था और अब मुझे राष्ट्रीय टीम बनाने में मदद करनी है। मैं लंबे समय से घरेलू क्रिकेट में कप्तानी कर रहा हूं और मैंने अक्सर टीम बनाने में मदद की है। लेकिन यहां अपेक्षाएँ अधिक हैं। लेकिन फिर भी, मुझे विश्वास है कि मैं इसे प्रबंधित कर सकता हूं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि मुझे रिटायर होना है।